राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा 2023-2024

वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा
2023-2024

राष्ट्रीय बाल भवन
कोटला मार्ग, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन
2023-24

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

खुद वो बदलाव बनिए जो दुनिया में आप देखना चाहते हैं।

– महात्मा गांधी

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

अध्यक्ष की कलम से — *v*

निदेशक की कलम से — *vii*

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2024 तक — *ix*

1. परिचय — 1
2. हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण — 2
3. लक्ष्य और उद्देश्य — 3
4. राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका — 4
5. सदस्यता संख्या 2023–24 — 5
6. गतिविधियाँ – एक नज़र में — 8
7. राष्ट्रीय बाल संग्रहालय — 17
8. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र — 18
9. हमारे कार्यक्रम — 19
10. विशेष उपलब्धियाँ — 28
11. स्टाफ सदस्यों के लिए कार्यक्रम — 31
12. विस्तृत रिपोर्ट — 33
13. जवाहर बाल भवन, माण्डी — 70
14. दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र — 79
15. संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट — 82
16. भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची — 86
17. राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र — 99
18. 31.03.2024 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची — 101

भाग ख – वार्षिक लेखा

I. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 105

II. राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र

1. तुलनपत्र 106
2. आय तथा व्यय खाता 107
3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता 108

III. अनुसूचियाँ

4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि 109
5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि 110
6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध 111
7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 112
8. अनुसूची-4क – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 112
9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश 113
10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य 113
11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया 114
12. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा 115
13. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां 116
14. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) 117
15. अनुसूची-11 – निवेश से आय 118
16. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज 119
17. अनुसूची-13 – अन्य आय 120
18. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय 121
19. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय) 121
20. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ 122
21. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय 123
22. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय 124
23. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय 125
24. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण 125
25. अनुसूची-20 – वित्त लागत 126
26. अनुसूची-21 – अन्य व्यय 126
27. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय 126

IV. भविष्य निधि – जी.पी.एफ.

28. तुलनपत्र 127
29. आय एवं व्यय खाता 128
30. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 129

V. नई पेंशन योजना

31. तुलनपत्र 130
32. आय एवं व्यय खाता 131
33. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 132

VI. लेखाकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स

34. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ 133
35. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स 135

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VII. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 139

VIII. लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक 144

अध्यक्ष की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत एक प्रतिष्ठित एवं स्वायत्त संस्थान है। यह संस्थान बच्चों को अनुभव के आधार पर, जिससे उनमें जिज्ञासा की भावना जाग्रत हो, इस सोच के साथ शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP) के सिद्धान्तों के अनुरूप, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा शिक्षा के परिदृश्य में बदलाव लाया गया है जो कि समाज के हर बच्चे को ज्ञान प्रदान करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन में, हम बच्चों को अवसरों से भरपूर एक मंच और उनके कौशल को जीवंत करने के लिए एक रचनात्मक वातावरण प्रदान करते हैं, जो कि किताबी सीमाओं से प्रतिबंधित नहीं होता।

हमने विभिन्न प्रकार की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है, जिनसे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों सहित, अनगिनत बच्चों का जीवन समृद्ध हुआ है। एकता और विविधता की भावना को बढ़ावा देने के लिए पूरे वर्ष हमने कई अंतर्राज्यीय कार्यक्रम भी आयोजित किए जिनमें विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बच्चों के साथ कला, संस्कृति, व्यंजनों, त्योहारों आदि के क्षेत्रों में परस्पर संवाद किया।

हमारा उद्देश्य बच्चों को सरकार के विभिन्न अभियानों जैसे मिशन लाइफ, स्वच्छता मिशन आदि में शामिल करना भी है। इस दिशा में काम करते हुए, इस वर्ष राष्ट्रीय बाल भवन परिसर में 'स्वच्छता' विषय पर एक स्थायी प्रदर्शनी लगाई गई है। यह प्रदर्शनी स्वच्छता कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करती है, जो बच्चों में छुटपन से ही स्वच्छता के मूल्यों को स्थापित करती है, जिससे वे भावी जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इसके अतिरिक्त युवाओं में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए अनुपयुक्त कचरे से बनी उत्कृष्ट कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है।

सभी बच्चों तक अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए, राष्ट्रीय बाल भवन सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 'तीन दिवसीय कार्यशाला' जैसे कार्यक्रम भी आयोजित करता है, इसमें विभिन्न विद्यालयों के असंख्य बच्चे अभिनव गतिविधियों में सम्मिलित होते हैं। हाल ही में, राष्ट्रीय बाल भवन में सदस्य बच्चों के साथ-साथ गैर-सदस्य बच्चों के लिए भी एक साप्ताहिक पाठ्यक्रम शुरू किया गया है, जिससे ज़्यादा से ज़्यादा बच्चे इन अभिनव शिक्षण अनुभवों से लाभान्वित हो सकें।

मैं, सभी बच्चों को बाल भवन परिवार का अभिन्न अंग बनने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। उनका कुछ नया सीखने के प्रति अटूट उत्साह, हमें आनन्ददायक तरीकों से सिखाने के अनुभवों को और ऊँचाईयों तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करता है। मैं संस्थान के शिक्षकों के प्रति भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करता हूँ, जिनके समर्पण और मार्गदर्शन ने हमारी युवा शिक्षार्थियों में दृढ़ संकल्प के मूल्यों को स्थापित किया है।

अंत में, मैं भावी पीढ़ी की सेवा के लिए अपनी इस यात्रा को उत्साह के साथ जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करता हूँ।

विपिन कुमार
अध्यक्ष

अप्रैल, 2024
नई दिल्ली

निदेशक की कलम से

बुद्धिमत्ता का वास्तविक लक्षण ज्ञान नहीं बल्कि कल्पना है – अल्बर्ट आइंसटीन

राष्ट्रीय बाल भवन, बच्चों की समग्र क्षमता को सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मिशन, एक ऐसा वातावरण प्रदान करना है, जिसमें बच्चों में रचनात्मकता और समावेशिता को बढ़ावा मिले और उनका समग्र विकास हो सके। हमारे अनुसार हर बच्चा अद्वितीय है और वह अपनी उत्कंठा और रुचियों को खोजने का अवसर पाने का हकदार है।

हमारे विविध कार्यक्रम और गतिविधियाँ रचनात्मक कला और प्रदर्शन से लेकर विज्ञान और खेलकूद सहित विभिन्न हितों की प्राप्ति के लिए रूपांकित किए गए हैं। हम ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास करते हैं, जिसमें बच्चे अपने कौशल को विकसित कर सकें और अपनी भावनाओं को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त कर आजीवन मित्र बना सकें। हमारे विशेषज्ञ, प्रशिक्षक और अत्याधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित करती हैं कि बच्चों को सर्वोत्तम मार्गदर्शन और संभव सहायता मिलती रहे।

हमारा संस्थान, लंबे समय से रचनात्मक शिक्षा के आश्रम के रूप में, युवा प्रतिभाओं और कल्पना को पोषित करने के लिए समर्पित है। हम बच्चों को खोज करने, नवाचार करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संसाधन और अवसर प्रदान करते हैं। हमारे कार्यक्रम आकर्षक, संवादात्मक एवं मज़ेदार बनाए जाते है, जिससे बच्चों में सीखने के प्रति आकर्षण विकसित हो और जो जीवन भर बना रहे।

हमें गर्व है कि राष्ट्रीय बाल भवन को G-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने का अवसर मिला, जहाँ हमने अपने बच्चों की प्रतिभा और रचनात्मकता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। पुणे में हमारी कलाकृतियों की प्रदर्शनी और गांधीनगर में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के समापन में जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शन रचनात्मकता एवं नवाचार की शक्ति के प्रमाण थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, हमारे आवासीय कायक्रमों ने देशभर के भारतीय वायुसेना विद्यालयों के 1100 से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया है। उन्हें विशेषज्ञ प्रशिक्षकों से विभिन्न रचनात्मक गतिविधियाँ सीखने का अवसर मिला।

हम बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और इसे बच्चों के लिए सुखद बनाने के लिए निरतंर प्रयासरत रहते हैं। इस उद्देश्य से बच्चों के अनुकूल आकर्षक फर्नीचर प्राप्त किए गए और परिसर की पूरी बाहरी दीवार को पेटिंग से आकर्षित बनाया गया और नन्हे-मुन्नों के लिए आकर्षक झूले लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के रिहर्सल, अभ्यास एवं प्रतिभा अधिग्रहण कार्यक्रमों को एक ताज़गीपूर्ण सौंदर्यबोध प्रदान करने का प्रयत्न किया गया। जैसे-जैसे हम विस्तृत पहुँच के लिए अपने कार्यक्रमों का विस्तार कर रहे हैं, राष्ट्रीय बाल भवन की टीम रचनात्मकता, समावेशिता और उत्कृष्टता के हमारे मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सब साथ मिल कर, एक बदलाव ला सकते हैं तथा अपने देश के भविष्य को एक सुखद आकार दे सकते हैं।

शुभकामनाओं सहित,

अप्रैल, 2024
नई दिल्ली

मुक्ता अग्रवाल
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2024 को

1. श्री विपिन कुमार — **अध्यक्ष**
   अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   अपर सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

2. श्री आनन्द प्रकाश — **सदस्य**
   उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   आर–2/83, राज नगर
   गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

3. शोभित गुप्ता — **सदस्य**
   निदेशक वित्त, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

4. श्री शंखा राय — **सदस्य**
   उप सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

5. श्रीमती मुक्ता अग्रवाल — **सदस्य सचिव**
   निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली–110002

हम साथ-साथ चलें, हम साथ-साथ बढ़ें,
हम साथ-साथ सोंचे, हम मिलकर समाधान करें,
और हम साथ मिलकर इस देश को आगे ले जाएँ।

– श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री जी

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। यह संस्था 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक गैर-औपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी। बच्चों की सोच, कल्पना तथा सृजनात्मक व आमोदपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उन्मुक्त प्रदर्शन के स्वप्न को केन्द्र में रखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसकी नींव रखी गई। बाल भवन देश के चारों कोनों में 141 मान्यता प्राप्त बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले चुका है। इसके अलावा 40 बाल भवन केन्द्र और दिल्ली के माण्डी गाँव में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन भी कार्यरत है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न गतिविधियां एवं अवसर उपलब्ध कराकर बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का सामूहिक मंच उपलब्ध कराता है। यह संस्था बच्चों को किसी भी प्रकार के भय अथवा तनाव से मुक्त वातावरण में, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर प्रकार से संभावनाएं प्रदान करती है। राष्ट्रीय बाल भवन व इसकी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में बच्चों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के लिए नियमित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

प्रत्येक वर्ष हज़ारों की संख्या में बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 40 बाल भवन केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये बाल भवन केन्द्र सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र, देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

जिज्ञासा एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य है, बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि के शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दर्शन का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य

1 बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।

2 बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।

3 स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षिक सेवाएं प्रदान करना।

4 कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।

5 मनोविनोद गतिविधियों से जुड़े कामगारों और बाल संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।

6 राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।

7 मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।

8 सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।

9 बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत का विकास करने में सहायक हों।

10 उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

सदस्यता संख्या 2023-24

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 40 बाल केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं। इस वर्ष 3225 (1639 - लड़के, 1586 - लड़कियों सहित) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन तथा 1152 जवाहर बाल भवन माण्डी में और 5407 बच्चों ने दिल्ली के 40 बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगींण विकास हेतु तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों, दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के बच्चों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती हैं तथा अन्य बच्चों से 200 रूपये प्रति बच्चा प्रतिवर्ष सदस्यता शुल्क लिया जाता है।

सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं –

क्र.सं	बाल भवन	पंजीकरण
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	3419
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	1013
3.	बाल भवन केन्द्र	4726

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या –

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल एवं गैर सरकारी संस्थान	नि:शुल्क संस्थाएँ
1	41	14

नोट :

1. **प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 5 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए सदस्यता शुल्क 200 रूपये है।**
2. **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग बच्चों के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर सदस्यता शुल्क नि:शुल्क है।**
3. **पब्लिक स्कूलों व गैर सरकारी संस्थानों से सदस्यता शुल्क 1000 रूपये प्रति वर्ष लिया जाता है।**
4. **राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क सदस्यता प्राप्त है।**

सदस्य स्कूल/संस्था (सत्र 2022-23)

1 बाबू राम हैप्पी स्कूल, 1192, गली बाबू राम, कूचा पाटी राम, बाजार सीता राम, दिल्ली-06

2 भारत नेशलन पब्लिक स्कूल, राम विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली-92

3 आस एसोसिएशन फॉर स्कूल वैलफेयर, बी-188, कटरा मशरू, दरीबाकलां, दिल्ली-06

4 न्यू होरिज़न स्कूल, हज़रत निज़ामुद्दीन, नॉर्थ ऑफ हुमायूंस टॉम्ब, मथुरा रोड, नई दिल्ली-13

5 हीरा स्कूल, नर्सरी मस्जिद, एलएनजेपी हॉस्पीटल, मीरदर्द रोड़, नई दिल्ली-110002

6 वायु सेना स्कूल, बागडोगरा

7 वायु सेना स्कूल, कलईकुन्डा

8 वायु सेना स्कूल, अम्बाला

9 वायु सेना स्कूल, श्रीनगर

10 वायु सेना स्कूल, हलवाड़ा

11 वायु सेना स्कूल, विमान नगर

12 वायु सेना स्कूल, पंचवटी

13 वायु सेना स्कूल, गुरूग्राम

14 वायु सेना स्कूल, तेजपुर

15 वायु सेना स्कूल, बराकपोर

16 वायु सेना स्कूल, जामनगर

17 वायु सेना स्कूल, जोधपुर

18 वायु सेना स्कूल, भुज

19 वायु सेना स्कूल, हेब्बल

20 वायु सेना स्कूल, बिदर

21 वायु सेना स्कूल, बेगमपेठ

22 वायु सेना स्कूल, कोयम्बटूर

23 वायु सेना स्कूल, जलाहल्ली

24 वायु सेना स्कूल, येहलंका

25 वायु सेना स्कूल, हसीमारा

26 वायु सेना स्कूल, जोरहट

27 वायु सेना स्कूल, आगरा

28 वायु सेना स्कूल, जयपुर

29 वायु सेना स्कूल, एएसटीई

30 वायु सेना बाल भारती स्कूल, लोधी रोड़, दिल्ली

31 वायु सेना गोल्डन जुबली इंस्टीट्यूट, सुब्रोतो पार्क, नई दिल्ली

32 वायु सेना स्कूल, सुब्रोतो पार्क, नई दिल्ली

33 वायु सेना स्कूल, ग्वालियर

34 वायु सेना स्कूल, सरसावा

35 वायु सेना स्कूल, जैसलमेर

36 विद्या भारती स्कूल, सी-ब्लॉक, सूर्या नगर, गाजियाबाद-201011

37 सबकी पाठशाला ट्रस्ट, प्रगति मैदान, नई दिल्ली-110002

38 सैन्ट स्टीफन हास्पिटल, तीस हजारी, दिल्ली-110054

39 जी.डी. गोयैंका पब्लिक स्कूल, राज नगर एक्स., गाजियाबाद

40 भारत राम ग्लोबल स्कूल, प्लाट नं. 5, के.पी. 3, ग्रेटर नोएडा-201310

41 सोफिया पब्लिक स्कूल, पनसोडा, लोनी रोड़, साहिबाबाद गाजियाबाद, यू.पी.201005

निःशुल्क संस्थाएं

42 रामजस गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

43 जवाहर नवोदय विद्यालय, ग्राम मोथुका, पो. चानपुर, बल्लभगढ़, फरीदाबाद

44 जवाहर नवोदय विद्यालय, ग्राम मोहम्मदपुर, फरूख नगर, गुरूग्राम

45 जवाहर नवोदय विद्यालय, झज्जर, गुड़गांव रोड़, हरियाणा

46 जवाहर नवोदय विद्यालय, नूहं, बाई, हरियाणा

47 जवाहर नवोदय विद्यालय, पलवल, पृथला, हरियाणा

48 जवाहर नवोदय विद्यालय, अमीरपुर गाजियाबाद

49 जवाहर नवोदय विद्यालय, धूम, मणिकपुर, दादरी, गौतमबुद्ध नगर, यू.पी.

50 जवाहर नवोदय विद्यालय, बागपत, सरफाबाद, यू.पी.-250601

51 जवाहर नवोदय विद्यालय, मुंगेशपुर, बवाना, नई दिल्ली-39

52 जवाहर नवोदय विद्यालय, जफरपुरकलां, साउथ वैस्ट दिल्ली, नई दिल्ली-73

53 गवर्नमैंट मॉडल संस्कृत स्कूल, डी.एल.एफ., फेस-1, गुरूग्राम, हरियाणा

54 गवर्नमैंट प्राईमरी स्कूल, साईट नं. 1105, गुरूग्राम-122002

55 आंध्रा एजूकेशन सोसायटी, डॉ, दुर्गाबाई देशमुख मेमोरियल सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002

नोट : राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को निःशुल्क सदस्यता प्राप्त है।

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया है।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग, सभी आयु वर्ग के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले विशेषतः छोटी आयुवर्ग के बच्चे आमतौर पर परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं। यह एक बहुमाध्यम अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक माध्यम से दूसरे माध्यम पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परम्परागत लोक कला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं। यह विभाग बच्चों को मेहंदी कला, मधुबनी व वर्ली कलाओं से भी परिचित करवाता है।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर, और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे आकृति बनाने, रेखा-चित्र, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती हैं।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधियाँ विशेष हैं क्योंकि इसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुरानी पत्रिकाएँ, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, गत्ते के खाली डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकोल, पुराने अखबार इत्यादि के साथ प्रयोग करने की खुली

छूट मिलती है। काम न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

बुनाई गतिवधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे बुनाई की विभिन्न तकनीकों द्वारा कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे – वॉल हैंगिंग, दृश्यावली, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, इत्यादि बनाते हैं। उन्हें सुंदर वस्तुओं के निर्माण की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई के डिज़ाइन सीखते हैं और दृश्यावली, आसन, तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग की गतिविधियों में मैक्रामे, क्रोशिया, सिलाई-कढ़ाई, कठपुतली बनाने, खिलौने बनाने, इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाइन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चे तरह-तरह के हैंगिंग्स बनाने और विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त करते हैं जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का कार्य

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है, जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी मदद करती है। यहाँ बच्चे मुख, जानवर, चेहरे, दृश्य व मिट्टी की मानव आकृतियाँ एवं डिज़ाईन इत्यादि बनाना सीखते हैं और साथ ही मिट्टी, पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पैरिस के सांचे बनाने के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने का प्रयास करता है।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा काष्ठ कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान दिया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनके टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, बुरादे से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, पेन होल्डर, डिब्बे, पॉट कवर, इत्यादि निर्मित करना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें

भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के टुकड़ों व बुरादे को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

विज्ञान अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं, जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, 'क्यों और कैसे क्लब' और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और विज्ञान से संबंधित फिल्म शो आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उनमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं –

विज्ञान अनुभाग के निम्न उप अनुभाग हैं –

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान (कैसे और क्यों क्लब)

कैसे और क्यों क्लब अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए इस क्लब का सृजन किया गया था। शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, प्रयोग करना आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं, जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं। विषयक कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

अन्वेषक क्लब

अन्वेषक क्लब अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, यहाँ वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्तत: निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं का ज्ञानवर्द्धन करते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्लस अनुभाग में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के

साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप सिखाए जाते हैं। यहां बच्चे डिजिटल परियोजनाओं और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की गई है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एअॅरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों हेतु एअॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं। इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को यहाँ सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम संचारी प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। यहाँ बच्चे "फोटोशाप" एवं "डिजिटल प्रिटिंग" तकनीकें भी सीखते हैं। साइबर सुरक्षा के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया जाता है।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति एवं जीव के अनुरक्षण के साथ-साथ संस्कृति, हस्तशिल्प, लोककला, साहित्य स्मारकों आदि के बचाव के लिए भी पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता फैलाई जाती है। वर्षा जल संरक्षण एवं सौर उर्जा संबंधी प्रोजेक्टों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि का पुनरावर्तन जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति जागरूक किया जाता है। अधिक से अधिक बच्चों में जागरूकता फैलाने

हेतु वर्ष 1990 से अभी तक प्रति वर्ष युवा पर्यावरण वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। देश के विभिन्न भागों से बच्चे देश की किसी भी एक चयनित जगह पर एकत्रित हो पर्यावरण के विभिन्न सामाजिक, भावनात्मक एवं सांस्कृतिक पहलूओं पर विचार-विमर्श करते हैं।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे है। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। राष्ट्रीय बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए उत्सुक रहते हैं। कुछ वर्ष पहले विभाग द्वारा दिल्ली के बच्चों हेतु एवं सार्क (SAARC) देशों के बच्चों हेतु "दूरबीन बनाने की कार्यशाला" भी आयोजित की गई।

मछली घर तथा जीव-जन्तु कार्नर

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा अपना मछलीघर बनाएं, जीवजन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अनुकूलन, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों के संरचनात्मक गुणों, आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय

राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय में बच्चों के लिए ढेर सारी मनोरंजक पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर हैं। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रों का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं –

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन

- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे- छायांकन का इतिहास, डिजिटल कैमरे व साधारण कैमरे के विभिन्न अंग, उन्हें व्यवहार में प्रयोग करने की तकनीक आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि की फोटो खींचने के साथ-साथ उनके विषय में जानकारी भी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। बच्चे फोटोशाप की सहायता से काफी टेबल पुस्तक बनाना भी सीखते हैं।

इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं, जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- डिजिटल फोटोग्राफी
- फोटोशॉप तकनीक द्वारा डिजिटल एनहेंसमेंट
- प्रकृति, स्मारक आदि की तस्वीरें लेने हेतु भ्रमण यात्रा एवं विरासत वाक
- फोटो प्रदर्शनी
- फोटोग्राफी ट्रेनिंग
- वयस्कों हेतु कार्यक्रम

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला अनुभाग की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप–अनुभाग हैं –

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत – (सितार, तबला एवं हारमोनियम)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ सभी आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन का शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे :- टेबल–टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग आदि। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय

स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवतः यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, यहां अंतरविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ, ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है। हाल में ही निशानेबाजी एवं कैरम की गतिविधियाँ भी आरंभ की गई हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल, निशानेबाजी, चैस, कैरम)
- जूडो
- स्केटिंग
- व्यायामशाला (आंतरिक एवं बाह्य)

गृह प्रबंधन

गृह प्रबंधन विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थो की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है –

- गृह-प्रबंधन
- पाक-कला, बेकिंग
- भोजन-परिरक्षण
- पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय पूरे भारतवर्ष में अद्वितीय बाल संग्रहालय है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब",

जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिसमें प्रमुख है बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराना। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विनिमय
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- फील्ड कार्य

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है, जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति, युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोपोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाया गया है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि की जानकारी दी गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है। तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
29,427	7,273	311

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

इस अनुभाग का उद्देश्य शिक्षकों एवं व्यस्कों को सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्षण भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व का सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

हमारे कार्यक्रम

देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था राष्ट्रीय बाल भवन है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 127 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 14 बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 40 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यह संस्थाएँ उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं जो दूरदराज के क्षेत्रें में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। अतः राष्ट्रीय बाल भवन शैक्षिक व मनोरंजक तथा सृजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कोशिश करता है बल्कि विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने का एक संसाधन केंद्र है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

उल्लेखनीय कार्यक्रम 2023-24

क्र.सं.	तिथि	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/अध्यापकों की संख्या
1.	11.04.2023-15.04.2023	एअर फोर्स स्कूल के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ	बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न विभिन्न कलाओं से अवगत कराना।	200 बच्चे एवं 30 अध्यापक
2.	21.04.2023	पृथ्वी दिवस कार्यक्रम	पृथ्वी से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराना था।	35 बच्चे
3.	25.04.2023-27.04.2023	सिलाई कार्यशाला	कपड़े से फूल व फूलदान बनाना सिखाना था।	20 बच्चे

4.	25.04.2023-29.04.2023	एअर फोर्स स्कूल के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ	बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न विभिन्न कलाओं से अवगत कराना।	200 बच्चे
5.	9.05.2023	रविन्द्र नाथ जयंती के अवसर पर कार्यक्रम	उनकी विरासत को सम्मान देना था।	150 सहभागी
6.	18.05.2023-19.05.2023	कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम	इंटरनेट के उपयोग से सम्बंधित लाभ और हानि से अवगत कराना था।	50 बच्चे
7.	23.05.2023-25.05.2023	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को बेसिक टाँके एवं तुरपाई करना सिखाना था।	32 बच्चे
8.	24.05.2023-25.05.2023	जानवरों के प्रागैतिहासिक जीवन पर कार्यशाला	जानवरों के प्रागैतिहासिक जीवन के बारे में जानकारी प्रदान करना था।	26 बच्चे
9.	25.05.2023-27.05.2023	इलैक्ट्रॉनिक गैजेट्स एवं घरेलू वायरिंग पर कार्यशाला	नवीन तरीके से घरेलू वायरिंग का निर्माण करना सिखाना था।	30 बच्चे
10.	26.05.2023-2.06.2023	सिलाई कार्यशाला	बच्चों को रंग-बिरंगी कढ़ाई के धागों से अनेक प्रकार की कढ़ाई के टाँके सिखाना था।	100 बच्चे
11.	मई, 2023	जल एक अनमोल रत्न पर एक कार्यशाला	बच्चों को पानी की महत्वता और उनके प्राकृतिक परिवेश के बारे में जागरूक करना था।	30 बच्चे
12.	23.05.2023-21.06.2023	ग्रीष्मोत्सव समारोह कार्यक्रम	बच्चों में छिपी प्रतिभा को उभारना था।	3000 बच्चे
13.	27.05.2023	ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम	बच्चों में छिपी प्रतिभा को उभारना था।	2500 बच्चे
14.	2.06.2023	मौसम भवन का बच्चों द्वारा भ्रमण	ज्ञान को बढ़ाने और कंप्यूटर पीढ़ियों के बारे में जागरूक करना था।	35 बच्चे, 3 अनुरक्षक
15.	3.06.2023	ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम	बच्चों में छिपी प्रतिभा को उभारना था।	2500 बच्चे
16.	10.06.2023	ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम	बच्चों में छिपी प्रतिभा को उभारना था।	3000 बच्चे
17.	06.06.2023-09.06.2023	सिलाई कार्यशाला	कपड़े से बुकमार्क बनाना सिखाना था।	40 बच्चे
18.	06.06.2023-10.06.2023	हमारे संग्रहालय-हमारी विरासत पर कार्यशाला	बच्चों को संग्रहालय, स्थिरता, विरासत के महत्व के बारे में जागरूक करना था।	30 बच्चे

19.	07.06.2023-09.06.2023	पोट पेंटिंग पर कार्यशाला	बच्चों को पोट पेंटिंग की कला से अवगत कराना था।	18 बच्चे
20.	07.06.2023-09.06.2023	ऑयल पेस्टल पेंटिंग पर कार्यशाला	बच्चों को ऑयल पेस्टल पेंटिंग की कला से अवगत कराना था।	15 बच्चे
21.	08.06.2023-10.06.2023	रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स पर कार्यशाला	बच्चों को घरेलू वायरिंग परियोजनाओं के चरण सिखाना था।	108 बच्चे
22.	13.06.2023-14.06.2023	पर्यावरण एवं मछली घर पर कार्यशाला	छोटे जानवरों, कीड़ों और मछलियों की जीवन शैली के बार में जानकारी प्रदान करना था।	35 बच्चे
23.	13.06.2023-16.06.2023	ड्राई पेस्टल पेटिंग पर कार्यशाला	ड्राई पेस्टल पेटिंग की जानकारी प्रदान करना था।	18 बच्चे
24.	16.06.2023	साइबर सुरक्षा कार्निवाल कार्यक्रम	बच्चों को साइबर सुरक्षा के लाभ और हानि की जानकारी देना।	250 बच्चे
25.	17.06.2023	ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम	बच्चों में छिपी प्रतिभा को उभारना था।	2500 बच्चे
26.	17.06.2023-22.06.2023	पुणे कें जी-20 कार्यक्रम में बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई।	बच्चों में नई शिक्षा नीति से अवगत कराना था।	27 बच्चे व 11 अनुरक्षक
27.	19.06.2023	बच्चों द्वारा आम के बगीचों का भ्रमण	पके और मीठे आमों का चयन करने की जानकारी प्रदान कराना।	40 बच्चे
28.	21.06.2023	ग्रीष्मोत्सव समापन समारोह	बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी से बच्चों का उत्साह बढ़ाने हेतु।	3000 बच्चे
29.	21.06.2023	9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	सहभागियों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।	3000 बच्चे
30.	29.06.2023	हिंदी कार्यशाला	कर्मचारियों को प्रशासनिक कामकाज की मानव शब्दावली से अवगत कराना था।	20 कर्मचारी
31.	01.07.2023-08.07.2023	"समुद्र" विश्व महासागर दिवस पर कार्यशाला	हमारे महासागरों के महत्व और बच्चों की भूमिका के बारे में बच्चों में जागरूकता फैलाना था।	17 बच्चे
32.	06.07.2023-08.07.2023	मिट्टी कला कार्यशाला	मिट्टी को विभिन्न वस्तुओं में ढाल कर अपने जीवन में प्रयोग करने की जानकारी देना था।	15 बच्चे
33.	06.07.2023-08.07.2023	बुनाई कार्यशाला	बुनाई की कला से अवगत कराना।	15 बच्चे

34.	13.07.2023–15.07.2023	मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला	मिले-जुले कला सम्बंधी जानकारी देना था।	20 बच्चे
35.	20.07.2023–22.07.2023	मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला	मिले-जुले कला सम्बंधी जानकारी देना था।	20 बच्चे
36.	11.07.2023–13.07.2023	प्लास्टिक कैनवास पर कढ़ाई करने की कार्यशाला	प्लास्टिक कैनवास पर कढ़ाई करने का ज्ञान प्रदान करना था।	25 बच्चे
37.	14.07.2023–25.07.2023	ऊन का क्राफ्ट कार्यशाला	ऊन का क्राफ्ट से अवगत करना था।	20 बच्चे
38.	26.07.2023–28.07.2023	चेन बनाने की कार्यशाला	कैनवास पर चेन की कढ़ाई की कला से अवगत कराना था।	20 बच्चे
39.	26.07.2023–28.07.2023	सौर मण्डल पर कार्यशाला	बच्चों को सभी ग्रहों की जानकारी देना था।	7 बच्चे
40.	2.08.2023–4.08.2023	जी-20 का समापन समारोह में सांस्कृतिक शक्ति का प्रदर्शन नृत्य कार्यक्रम	बच्चों को महिला शक्तिकरण से अवगत कराना था।	27 बच्चे एवं 11 अनुरक्षक
41.	03.08.2023	आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "अंगदान महोत्सव" पर अंगदान प्रतिज्ञा समारोह कार्यक्रम	स्वस्थ जीवन शैली और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित करना था।	75 बच्चे एवं 77 कर्मचारी
42.	03.08.2023	आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "अंगदान महोत्सव" पर चित्रकला गतिविधि	स्वस्थ जीवन शैली और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित करना था।	18 बच्चे
43.	03.08.2023	आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "अंगदान महोत्सव" पर हस्तकला गतिविधि	स्वस्थ जीवन शैली और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित करना था।	30 बच्चे
44.	03.08.2023	आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "अंगदान महोत्सव" पर नाट्कीय गतिविधि	स्वस्थ जीवन शैली और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित करना था।	20 बच्चे
45.	03.08.2023	आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "अंगदान महोत्सव" परपर्यावरण गतिविधि	स्वस्थ जीवन शैली और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित करना था।	7 बच्चे
46.	09.08.2023–30.08.2023	आज़ादी के अमृत महोत्सव हेतु "मेरी माटी मेरा देश अभियान" के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को सर्वोच्च बलिदान देने वाले "वीरों" को याद कराना था।	50 कर्मचारी एवं लगभग 1000 बच्चे
47.	9.08.2023–11.08.2023	सादा शमीज़ की कार्यशाला	बच्चों को सादा शमीज़ के लिए शारीरिक नाप, कपड़े की कटिंग व सिलना सिखाना था।	20 बच्चे

48.	11.08.2023-12.08.2023	सूर्य घड़ी की कार्यशाला	बच्चों को सूर्य की किरणों के द्वारा बनने वाली परछाई से समय का ज्ञान प्राप्त कराना था।	11 बच्चे
49.	16.08.2023-22.08.2023	कुचिपुड़ी नृत्य कार्यशाला	बच्चों को कुचिपुड़ी नृत्य से अवगत कराना था।	30 बच्चे
50.	17-19 एवं 23-25 अगस्त, 2023	तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला	बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना था।	1094 बच्चे
51.	17.08.2023-19.08.2023	तीन दिवसीय शैक्षणिक यात्रा गतिविधि	युवा मन में देशभक्ति, बड़ी मेहनत की भावना पैदा करना और उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व महसूस करने के लिए प्रेरित करना तथा उनके मन में ज्ञान प्रदान कराना था।	60 बच्चे
52.	22.08.2023-24.08.2023	फूल बनाने की कार्यशाला	बच्चों को कागज़ से विभिन्न प्रकार के फूल बनाना सिखाना था।	21 बच्चे
53.	22.08.2023-24.08.2023	जूट के पाऊच / थैली बनाने की कार्यशाला	बच्चों को जूट के कपड़े एवं उसके उपयोग की जानकारी देना था	20 बच्चे
54.	22.08.2023-26.08.2023	ओरिगामी क्राफ्ट की तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों को शिक्षा नीति के तहत गणितय ज्ञान की जानकारी देना था।	20 बच्चे
55.	25.08.2023-29.08.2023	जूट पर कढ़ाई करने की कार्यशाला	बच्चों को जूट के कपड़े पर ऊन की कढ़ाई के टाँके बनाना सिखाना था।	20 बच्चे
56.	26.08.2023-28.08.2023	सौर मंडल कार्यशाला	बच्चों को ग्रहों की विशेषताओं की जानकारी से अवगत कराना।	7 बच्चे
57.	2.08.2023	राष्ट्रीय बाल भवन का सदस्य हेरा स्कूल के बच्चों द्वारा दौरा	राष्ट्रीय बाल भवन की अनेकों गतिविधियों से अवगत कराना था।	100 बच्चे
58.	2.08.2023	राष्ट्रीय बाल भवन का सदस्य बाबू राम स्कूल के बच्चों द्वारा दौरा	राष्ट्रीय बाल भवन की अनेकों गतिविधियों से अवगत कराना था।	20 बच्चे
59.	12.09.2023-16.09.2023	मोज़ेक आर्ट कार्यशाला	बच्चों को मोज़ेक आर्ट के परिचय से अवगत कराना था।	20 बच्चे
60.	12.09.2023-14.09.2023	कपड़े से थैले बनाने की कार्यशाला	बच्चों को कपड़े से थैले बनाने का ज्ञान प्रदान करना था।	20 बच्चे
61.	15.09.2023-16.09.2023	साइबर सुरक्षा कार्निवाल कार्यशाला	बच्चों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक करना था	10 बच्चे एवं 9 कर्मचारी

62.	16.09.2023-04.10.2023	हिंदी पखवाड़ा	कर्मचारियों द्वारा हिंदी को बढ़ावा देना देने हेतु जागरूक करना था।	लगभग 20 कर्मचारी प्रतिदिन
63.	13.09.2023-15.09.2023	तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला	बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों से अवगत कराना था।	200 बच्चे
64.	16.09.2023	भारत के शिक्षा मंत्री जी एवं अन्य गणमान्यों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा	गणमान्य अतिथियों को राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों की बगिया से अवगत करना था।	400 बच्चे, 50 अभिभावक एवं 100 कर्मचारी
65.	21.08.2023-23.08.2023	सितार एवं गिटार पर कार्यशाला	बच्चों को सितार, उत्पत्ति एवं रख-रखाव तथा "जयपुर सेनिया घराना" से अवगत कराना था।	20 बच्चे
66.	22.09.2023-23.09.2023	चन्द्रयान-3 की कार्यशाला	चन्द्रयान-3 की जानकारी देना था।	30 बच्चे
67.	26.09.2023-29.09.2023	डोर हैंगिंग बनाने की कार्यशाला	बच्चों को अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी वस्तु बनाना सिखाना था।	20 बच्चे
68.	26.09.2023	भारत मंडपम से जी-20 कनेक्शन	बच्चों को प्रधानमंत्री जी का भाषण सुनाना था।	50 बच्चे
69.	01.10.2023	स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम	बच्चों को स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु प्रेरित करना था।	135 बच्चे
70.	03.10.2023-31.10.2023	स्वच्छता विशेष अभियान 3.0 गतिविधि कार्यक्रम	बेकार की चीज़ों से उत्तम चीज़ बनाने की जानकारी देना था।	150 सहभागी
71.	04.10.2023	विश्व पशु दिवस कार्यशाला	बच्चों को पशुओं के प्रति जागरूक करना और पशु कल्याण के बारे में शिक्षित करना था।	21 बच्चे
72.	05.10.2023-28.10.2023	डिजिटल ग्राफिक डिज़ाईनिंक कार्यशाला	बच्चों को डिजिटल तकनीक से अवगत कराना था।	20 बच्चे
73.	05.10.2023-14.10.2023	तीन सदस्यत स्कूलों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता	राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना था।	1090 बच्चे
74.	10.10.2023-12.10.2023	मिस्टर पोटली टॉय बनाने की कार्यशाला	अनुपयोगी सामान से खिलौने बनाना सिखाना था।	20 बच्चे
75.	11.10.2023-13.10.2023	तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला	ब्च्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना था।	800 बच्चे
76.	12.10.2023-14.10.2023	नाट्कीय अनुभाग द्वारा कार्यशाला	मानव जीवन में लोककथाओं के महत्व और विशेषताओं की जानकारी प्रदान करना था।	300 बच्चे

77.	14.10.2023	सदस्य बच्चों द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र और राष्ट्रीय प्राणी उद्यान का अध्ययन दौरा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विरासत तथा जानवरों के सामान्य आवास और खान-पान की आदतों की जानकारी देना था।	25 बच्चे
78.	18.10.2023-2010.2023	आदित्य एल-1 की कार्यशाला	आदित्य एल-1 की जानकारी देना	35 बच्चे
79.	26.10.2023-28.10.2023	पपेट बनाने की कार्यशाला	बेकार कपड़ों से पपेट बनाना सिखाना था।	20 बच्चे
80.	27.10.2023	संयुक्त सचिव द्वारा विभिन्न गतिविधियों का दौरा।	राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों से अवगत कराया गया।	70 कर्मचारी एवं 50 सदस्य बच्चे
81.	30.10.2023-05.11.2023	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	सभी कर्मचारियों को सर्तक रहने की जानकारी प्रदान करना था।	20 बच्चे और 50 कर्मचारी
82.	31.10.2023	राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम	बच्चों एवं कर्मचारियों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करना था।	50 कर्मचारी
83.	02.11.2023	सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा "शंकर इंटरनेशनल डॉल म्यूज़ियम" का शैक्षिक भ्रमण	बच्चों को देश-विदेश के पारंपरिक परिधानों और संस्कृति की जानकारी देना था।	30 बच्चे
84.	17.11.2023-19.11.2023	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर कार्यक्रम	बच्चों को अपने देश की समृद्ध संस्कृति की जानकारी देना था।	2000 बच्चे
85.	21.11.2023 23.11.2023	जुराब से गुड़िया बनाना	बच्चों को जुराब से गुड़िया बनाने की जानकारी देना था।	20 बच्चे
86.	22.11.2023 24.11.2023	तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला	बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों से अवगत कराना था।	393 बच्चे
87.	25.11.2023	संविधान दिवस कार्यक्रम	भारतीय संविधान में पारित मौलिक अधिकारों से अवगत कराना था।	70 सहभागी50 बच्चे
88.	30.11.2023	हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का ''पुरस्कार वितरण समारोह''	बच्चों एवं स्टाफ को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित करना था।	50 कर्मचारी एवं 35 बच्चे
89.	30.11.2023	सदस्य स्कुल के बच्चों का दौरा	राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों से अवगत कराना था।	68 बच्चे
90.	21.11.2023-29.11.2023	कठपुतली कार्यशाला	विभिन्न प्रकार की कठपुतलियों की जानकारी देना था।	30 बच्चे एवं 5 अनुरक्षक
91.	02.12.2023	विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस कार्यक्रम	कम्प्यूटर की भूमिका, वायरस, साइबर सेफ्टी आदि की जानकारी देना था।	40 बच्चे
92.	06.12.2023-08.12.2023	झपताल एवं इसका बाज कार्यशाला	झपताल एवं इसके बाज से अवगत कराना था।	20 बच्चे

93.	5.12.2023–9.12.2023	फिट इंडिया वीक कार्यक्रम	अपने जीवन शैली को फिट और स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहित करना था।	30 कर्मचारी एवं 320 बच्चे
94.	06.12.2023–08.12.2023	ड्रीम कैचर बनाने की कार्यशाला	ऊन व एल्यूमीनियम रिंग से ड्रीम कैचर बनाने की जानकारी देना था।	20 बच्चे
95.	15.12.2023–17.12.2023	लोक संगीत कार्यशाला	विभिन्न प्रांतों के पारंपरिक लोक गीतों व तालों से अवगत कराना था।	30 बच्चे
96.	20.12.2023–22.12.2023	तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला	बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों से अवगत कराना था।	880 बच्चे
97.	21.12.2023	हिंदी कार्यशाला	प्रशासनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की जानकारी देना था।	15 कर्मचारी
98.	22.12.2023	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक	प्रशासनिक उपयोगिता, कार्यालयी हिंदी के स्वरूप आदि की जनकारी देना था।	15 कर्मचारी
99.	21.12.2023–26.12.2023	वीर बाल दिवस कार्यक्रम	साहिबज़ादों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु।	250 बच्चे
100.	27.12.2023–28.12.2023	तारामंडल कार्यशाला	10 तारामंडलों की जानकारी देना।	15 बच्चे
101.	3.01.2024	आमोद दिवस	सहभागियों को अनेकता में एकता का ज्ञान अर्जित कराना था।	300 सहभागी
102.	13.01.2024	लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम	बच्चों को भारतय संस्कृति से अवगत कराना एवं भाई चारे की भावना का संचार करना।	300 सहभागी
103.	4.01.2024–7.01.2024	सादा फ्रॉक बनाने की कार्यशाला	सादा फ्रॉक बनाना सिखाना था।	10 बच्चे
104.	17.01.2024–19.01.2024	तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला	राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना था।	823 बच्चे
105.	20.01.2024–21.01.2024	तारामंडल की कार्यशाला	सूर्य ग्रहण एवं चन्द्र ग्रहण की जानकारी देना था।	12 बच्चे
106.	20.01.2024	सदस्य विद्यालय जी.डी. गोएंका के लिए सृजनात्मक गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को सृजनात्मक गतिविधियों की जानकारी देना था।	27 बच्चे
107.	21.01.2024	महा मानव की महान रचना नाट्कीय रूपांतरण	डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने अपने सर्वोच्च बलिदानों से लोगों को अधिकार दिलाए बताना था।	200 बच्चे

108.	23.01.2024–25.01.2024	29वाँ राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन	प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के तरीकों से अवगत कराना था।	
109.	25.01.2024	14वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम	वोट डालने के लिए प्रेरित करना था।	50 सहभागी
110.	29.0102024	परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में सहभागिता	देशभक्ति गीतों द्वारा देशभक्ति की ओर प्रेरित करना था।	42 सदस्य बच्चे एवं कर्मचारी
111.	14.02.2024	स्वच्छता प्रदर्शनी का उद्घाटन कार्यक्रम	स्वच्छता के महत्व को उजागर करना।	
112.	14.02.2024	बसंत पंचमी	बसंतोत्सव के पावन अवसर पर माँ सरस्वती की आराधना करना।	लगभग 200 प्रतिभागी
113.	7.02.2024–9.02.2024	तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना था।	1050 बच्चे
114.	7.02.2024–9.02.2024	संग्रहालय अनुभाग द्वारा "हमारा स्वास्थ्य-हमारा अभिमान" की कार्यशाला	बच्चों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं में अपने स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक करना।	30 बच्चे प्रतिदिन
115.	7.02.2024–10.02.2024	सिलाई अनुभाग द्वारा "सादा प्लाज़ो" बनाने की कार्यशाला	सादा प्लाज़ो की ड्राफ्टिंग एवं सिलना सिखाना।	10 बच्चे प्रतिदिन
116.	21.02.2024–23.02.2024	तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना था।	300 बच्चे
117.	28.02.2024	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम	प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में जागरूक करना।	36 कर्मचारी एवं 30 बच्चे
118.	21.03.2024	हिंदी कार्यशाला	राजभाषा हिंदी का शुद्ध रूप में प्रयोग करना	01 अधिकारी एवं लगभग 24 कर्मचारी
119.	22.03.2024	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक	प्रशासनिक हिंदी की उपयोगिता, कार्यालयी हिंदी का स्वरूप आदि पर चर्चा करना।	10 कर्मचारी
120.	22.02.2024	होली महोत्सव कार्यक्रम	पारंपरिक त्यौहारों के महत्व को समझाना।	लगभग 300 सहभागी

विशेष उपलब्धियाँ

- दिनाँक 11 से 15 अप्रैल, 2023 एवं 25 से 29 अप्रैल, 2023 तक भारतवर्ष से आए वायु सेना विद्यालयों के 400 बच्चों के लिए राष्ट्रीय बाल भवन में विभिन्न प्रकार की सृजनात्मक व अद्‌भुत गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- दिनांक 2 जून 2023 को 35 सदस्य बच्चों के लिए मौसम भवन का एक शैक्षिक दौरे का आयोजन किया गया जिसका उद्‌देश्य प्रौद्योगिकियों के प्रति बच्चों के ज्ञान को बढ़ाना और अब तक विकसित हो रही कंप्यूटर पीढ़ियों के बारे में जागरूक करना था।
- राष्ट्रीय बाल भवन ने पुणे में जी-20 कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा नई शिक्षा नीति विषय पर बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई । प्रदर्शनी में राष्ट्रीय बाल भवन के विभिन्न अनुभागों की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया जिसके माध्यम से बताया गया कि राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे खेल-खेल में कला के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करते हैं।
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा गुजरात राज्य के गाँधी नगर में प्रसिद्ध महात्मा मंदिर में आयोजित **जी-20 कार्यक्रम के प्रतिष्ठित समापन समारोह** में राष्ट्रीय बाल भवन के भरतनाट्‌यम और कंठ संगीत अनुभाग के सदस्य बच्चों ने दिनाँक 3 अगस्त, 2023 को **विषय : 'महिला सशक्तिकरण'** पर सांस्कृतिक प्रस्तुती दी। बच्चों ने नृत्य द्वारा सशक्तिकरण का प्रदर्शन किया जो लोगों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करता है जिसकी सराहना समारोह में उपस्थित सभी जन द्वारा दी गई।
- "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर दिनाँक 3 अगस्त, 2023 को **"अंगदान महोत्सव"** कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ जीवन शैली और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित करना था।
- "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के अंतर्गत दिनाँक 9 से 30 अगस्त, 2023 को **"मेरी माटी मेरा देश अभियान"** कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले "वीरों" को श्रद्धांजलि देना था।
- दिनाँक 16 से 19 एवं 22 अगस्त, 2023 को कुचीपुड़ी नृत्य विशेषज्ञ द्वारा कूचिपूड़ी नृत्य की पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय बाल भवन में किया गया जिसमें बच्चों को कूचिपूड़ी नृत्यांगना सुश्री आयना मुखर्जी द्वारा कुचिपुड़ी नृत्य से अवगत कराया गया।
- दिनाँक 17 से 19 अगस्त, 2023 को संग्रहालय कनिष्ठ कलाकार ने सदस्य बच्चों के लिए तीन दिवसीय शैक्षणिक यात्रा गतिविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संग्रहालय कनिष्ठ कलाकार ने बच्चों को तीन संग्रहालय - राष्ट्रीय समर स्मारक संग्रहालय, राष्ट्रीय गाँधी संग्रहालय, राष्ट्रीय हस्तशिल्प और हथकरघा संग्रहालय की यात्रा कराई। शैक्षणिक यात्रा कराने का उद्देश्य :- युवा मन में देशभक्ति, कड़ी मेहनत की भावना पैदा करना और उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व महसूस करने के लिए प्रेरित करना तथा उनके मन में ज्ञान प्रदान कराना था।

- दिनाँक 16 सितम्बर, 2023 को **श्री धर्मेंद्र प्रधान जी** – भारत के शिक्षा एवं कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री, **श्री संजय कुमार** – सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, **श्री विपिन कुमार** – राष्ट्रीय बाल भवन के अध्यक्ष, अपर सचिव, शिक्षा मंत्रालय, डॉ. अमरप्रीत दुग्गल – संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार, प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी – निदेशक, एनसीईआरटी तथा शिक्षा मंत्रालय एवं एनसीईआरटी से अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा।
- दिनाँक 26, सितम्बर, 2023 को भारत मंडपम से जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट आयोजन जिसमें प्रधानमंत्री-श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का सीधा प्रसारण राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों को दिखाया गया।
- शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2023 कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय बाल भवन में स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए दिनाँक 1 अक्टूबर, 2023 (रविवार) को एक **स्वच्छता अभियान** के अंतर्गत लोक नायक उद्यान, बाल्मीकि बस्ती, फिरोज़ शाह कोटला, विक्रम नगर, नई दिल्ली-02 में **श्रम-दान** कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वच्छता विशेष अभियान 3.0 – तत्संबंधी कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 3 से 31 अक्टूबर, 2023 तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत गतिविधि रोस्टरानुसार स्थाई, अस्थाई बेकार सामग्री, पुरानी फाईलों को निरस्त किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे नियमित रूप से बड़े पैमाने पर अपशिष्ट पदार्थों का पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग करके सुंदर कलाकृतियाँ एवं उपयोगी वस्तुएँ तैयार करते हैं। "बेकार की चीजों से उत्तम चीज बनाना" विशेष अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में इन वस्तुओं की एक झलक "एक विशेष प्रदर्शनी" के रूप में दिनाँक 18 से 20 अक्टूबर, 2023 तक प्रदर्शित की गई।
- दिनाँक 14 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के विज्ञान विभाग के सदस्य बच्चों ने राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र और राष्ट्रीय प्राणी उद्यान का अध्ययन दौरा किया। राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र में जल, जीवन का अमृत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विरासत, मानव जीव विज्ञान, प्रागैतिहासिक जीवन, मनोरंजन विज्ञान, परमाणु ऊर्जा का हॉल और सरदार पटेल गैलरी आदि शामिल थीं। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान की यात्रा के दौरान, सदस्य बच्चों ने पक्षियों, स्तनधारियों और सरीसृपों की विभिन्न विदेशी और लुप्तप्राय प्रजातियों को देखा। जानवरों के सामान्य आवास और खान-पान की आदतों के बारे में जाना।
- दिनाँक 27 अक्टूबर, 2023 को श्री आनन्दराव विष्णु पाटिल, संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों का दौरा किया।
- दिनाँक 2 नवम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा बच्चों को **शंकर इंटरनेशनल डॉल म्यूज़ियम** का दौरा कराया गया। बच्चों ने अनेक देशों जैसे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपिंस, न्यूजीलैंड, जापान, कोरिया, पाकिस्तान, अफ्रीका एवं अनेकों देशों के साथ-साथ भारत के प्रत्येक राज्य की वेशभूषा से सुशोभित गुड़ियाओं का संग्रह देखा, जिन्हें देखकर बच्चों ने देश-विदेश के पारंपरिक परिधानों और संस्कृति के बारे में जाना।
- भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के आदेशानुसार दिनाँक 5 से 9 दिसम्बर, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में **"फिट इंडिया वीक"** कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत बच्चों एवं स्टॉफ के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के आदेशानुसार दिनाँक 21 से 26 दिसम्बर, 2023 तक सिखों के दसवें गुरू श्री गुरू गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में

"वीर बाल दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में दिनाँक 25 जनवरी, 2024 को "वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम" के विषय पर 14वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनाँक 29 जनवरी, 2024 को "भारत मण्डपम" प्रगति मैदान में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एक रोमांचित संस्करण – परीक्षा पे चर्चा 2024 में माननीय प्रधानमंत्री- श्री नरेंद्र मोदी जी ने छात्रों के साथ परीक्षा से सम्बंधित बातचीत की। राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने इस कार्यक्रम में देशभक्ति पर आधारित गीतमाला व नृत्य का प्रस्तुतीकरण कर सभी का मन मोह लिया एवं श्रीमती नेहा वत्स खंकरियाल ने समूह गान भी करवाया।
- राष्ट्रीय बाल भवन में स्वच्छता के महत्व को उजागर करने के लिए एक प्रदर्शनी स्थापित की गई जिसका उद्घाटन 14 फरवरी, 2024 को माननीय अतिथि श्री विपिन कुमार-अपर सचिव, शिक्षा मंत्रालय व अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन के कर कमलों द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी का मूल उद्देश्य सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

स्टॉफ सदस्यों के लिए कार्यक्रम

- राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 29 जून, 2023 को गूगल मीट द्वारा "प्रशासनिक कामकाज की मानक शब्दावली" विषय पर "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य-कार्यालयी कार्यो में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी का प्रयोग करना था। इस बैठक में लगभग 20 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के तहत दिनाँक 3 अगस्त, 2023 को **"अंगदान महोत्सव"** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत लगभग 77 कर्मचारियों ने **"अंगदान"** प्रतिज्ञा ली।
- "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर दिनाँक 9 से 30 अगस्त, 2023 को **"मेरी माटी मेरा देश अभियान"** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत कर्मचारियों ने अपने देश की मिट्टी हाथ में लेकर **"पंच प्रण"** प्रतिज्ञा ग्रहण की।
- दिनाँक 16 सितम्बर से 4 अक्तूबर, 2023 तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य - हिंदी को बढ़ावा देना था ताकि समस्त कर्मचारी अपना समस्त कार्यालयी कार्य हिंदी में कर सकें। इस संदर्भ में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं - नोटिंग-ड्राफ्टिंग, सामान्य ज्ञान, स्वरचित काव्य रचना, निबंध लेखन, हिंदी टंकण, आशुलेखन तथा श्रुतलेखन, हिंदी कार्यशाला आदि आयोजित की गई।
- राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 30 अक्तूबर से 5 नवम्बर, 2023 तक सर्तकता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गय जिसमें सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ग्रहण की तथा उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी कर्मचारियों को अपने कार्य निष्पादन हेतु एवं अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क रहने हेतु प्रोत्साहित किया।
- दिनाँक 31 अक्टूबर, 2023 को स्टाफ कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस की ग्रहण की। तत्पश्चात् एकता दौड़ का आयोजन किया जिसमें सभी कर्मचारियों व सदस्य बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।
- राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में दिनाँक 25 नवम्बर, 2023 को सभी कर्मचारियों के लिए संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के आदेशानुसार दिनाँक 5 से 9 दिसम्बर, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में "फिट इंडिया वीक" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह हेतु विभिन्न व्यापक खेल, फिटनेस, ध्यान एवं योगाभ्यास गतिविधियाँ आयोजित की गई।
- दिनाँक 21 दिसम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन में कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला "गूगल मीट" के माध्यम से आयोजित की गई।
- दिनाँक 22 दिसम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम द्वारा आयोजित की गई। इस राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में प्रशासनिक हिंदी की उपयोगिता, कार्यालयी हिंदी का स्वरूप आदि पर चर्चा की गई।
- नए साल के आगमन परं राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में 3 जनवरी, 2024 को "आमोद दिवस" कार्यक्रम का आयोजन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। जिसमें सभी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

- दिनाँक 21 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन में कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला "गूगल मीट" के माध्यम से आयोजित की गई। कार्यशाला का नेतृत्व डॉ. श्याम सुंदर कथूरिया (बाहरी विशेषज्ञ) द्वारा किया गया।
- दिनाँक 22 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन में अधिकारियों के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम से आयोजित की गई।

विस्तृत रिपोर्ट

वायु सेना विद्यालयों के 400 बच्चों हेतु विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ

दिनाँक 11 से 15 अप्रैल, 2023 एवं 25 से 29 अप्रैल, 2023 तक दो समूहो में पूरे भारतवर्ष से आए वायु सेना विद्यालयों के 400 बच्चों के लिए राष्ट्रीय बाल भवन में विभिन्न प्रकार की सृजनात्मक व अद्‌भुत गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनका बच्चों ने भरपूर लाभ उठाया, जिसमें से प्रमुख है - हस्तकला, पेपर मैशी, मिले-जुले क्रियाकलाप, चित्रकला, सिलाई, शारीरिक-शिक्षा, लोक-नृत्य, लोक-संगीत, कंठ-संगीत, वायु सेना गैलरी, ड्रोन तकनीक, संग्रहालय, रेडियों एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, पर्यावरण आदि। इन सभी गतिविधियों में पूरे भारतवर्ष से आए वायु सेना विद्यालयों के बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और बहुत कुछ सीखा। सभी प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों ने रेलगाड़ी की सवारी का भी आनन्द लिया।

समापन समारोह

प्रथम समूह का समापन समारोह दिनांक 15.04.2023 को तथा द्वितीय समूह का समापन समारोह दिनांक 29.04.2023 को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एअर वाईस मार्शल - श्री राजीव शर्मा (सहायक चीफ ऑफ एअर स्टाफ, भारतीय वायु सेना), एअर वाईस मार्शल श्री पी एस करकरे, श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, (निदेशक, रा.बा.भ.), श्री मुकेश गुप्ता, उपनिदेशक (प्रशासन-रा.बा.भ) उपस्थित थे। कार्यशालाओं के दौरान बच्चों द्वारा किए कार्यो की संग्रहालय द्वारा समापन समारोह में प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्‌घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया एवं उसकी सभी ने प्रशंसा की। समारोह की शुरूआत मेखला झा सभागार में वायु सेना विद्यालयों के बच्चों के समूह गान द्वारा की गई जिसके पश्चात् कार्यशालाओं के दौरान सीखी गई विधाओं जैसे बाल गीत, लोक गीत एवं लोक नृत्य आदि की भी मंच पर प्रस्तुति दी गई। सभी अतिथियों द्वारा बच्चों के कार्यक्रम की अत्यंत सराहना की गई और उन्हें प्रोत्साहित किया।

पृथ्वी दिवस कार्यक्रम

दिनाँक 21 अप्रैल, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के मेखला झा सभागार में पृथ्वी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय 'हमारे ग्रह में निवेश' था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. रतन के. दत्ता

(निदेशक, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग) थे। मुख्य अतिथि ने बच्चों से विषय से संबधित चर्चा की और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस विषय पर बच्चों को एक लघु फिल्म दिखाई गई तथा बच्चों ने इस विषय पर अपने विचार, कविता और गीत के रूप में प्रस्तुत किए।

सिलाई कार्यशाला

दिनाँक 25 से 27 अप्रैल, 2023 तक बच्चों के लिए सिलाई कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को "कपड़े से फूल व फूलदान", बेकार के सामान से "फैब्रिक फ्लॉवर पॉट" बनाने की तकनीक सिखाना था। जिसमें लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।

रविन्द्र जयंती कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के मेखला झा सभागार में रविन्द्र जयंती के अवसर पर दिनाँक 9 मई, 2023 को गुरू रविन्द्रनाथ टैगोर की रचनाओं पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें वाद्ययंत्र अनुभाग के बच्चों द्वारा 'एकला चलो' गीत का प्रदर्शन, कंठ संगीत अनुभाग के बच्चों द्वारा 'पगली हवा' गीत की प्रस्तुती, भरतनाट्यम अनुभाग के बच्चों द्वारा 'मेरे चित में' गीत पर आधारित नृत्य तथा नाट्यकला अनुभाग के बच्चों द्वारा 'छुट्टी' कहानी पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी गई।

कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा दिनाँक 18 से 19 मई, 2023 तक "कम्प्यूटर जागरूकता" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चों के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गई :-

1. कम्प्यूटर मल्टीमिडिया, ऑडियो और वीडियो द्वारा साइबर सुरक्षा।
2. कम्प्यूटर, एंड्रॉइड मोबाइल आदि का उपयोग करके इंटरनेट का वर्तमान परिदृश्य।
3. ऑनलाइन एटीएम धोखाधड़ी, साइबरबुलिंग, एनीमेशन और डीएनए की मल्टीमीडिया प्रस्तुति।
4. ऑनलाइन शॉपिंग-फायदे और नुकसान नामक वाद-विवाद कार्यक्रम।

इस अवसर पर बच्चों को 'इंटरनेट का बवाल' एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। इस कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया।

"बेसिक टाँके एवं तुरपाई" पर कार्यशाला

दिनाँक 23 से 25 मई, 2023 तक "बेसिक टाँके एवं तुरपाई" पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों को बेसिक टाँकें लगाना एवं तुरपाई करना सिखाया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने पूर्ण रूचि के साथ भाग लिया।

“जानवरों का प्रागैतिहासिक जीवन” पर कार्यशाला

पर्यावरण अनुभाग द्वारा दिनाँक 24 से 25 मई, 2023 तक 'जानवरों का प्रागैतिहासिक जीवन' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को जानवरों के प्रागैतिहासिक जीवन से अवगत करना था। जिसमें बच्चों को जानवरों के रहन-सहन और खान-पान के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों के लिए पशु चित्रकारी गतिविधि और प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में जानवरों के विशेषज्ञ-डॉ. शाहकूल खान आमंत्रित किए गए। इस कार्यशाला में लगभग 26 बच्चों ने भाग लिया।

“इलैक्ट्रॉनिक गैजेट्स एवं घरेलू वायरिंग” पर कार्यशाला

दिनाँक 25 से 27 मई, 2023 तक “इलैक्ट्रॉनिक गैजेट्स एवं घरेलू वायरिंग” पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य तार प्रणाली की बेहतर समझ के लिए नवीन तरीके से घरेलू वायरिंग करना था। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला में बच्चों को आवश्यक सावधानियां बरतने और बिजली के संभावित खतरों के बारे में और बिजली के उपकरणों को संभालने का निर्देश दिया गया तथा विभिन्न घटकों और उनके कार्य, कार्यशाला अवधि के दौरान उपयोग किए जाने वाले उपकरणों की पहचानने के बारे में बताया गया। सहभागियों ने बिजली की बुनियादी जानकारी को समझा एवं उन्होंने एक स्विच, सीरीज कनेक्शन, समानांतर कनेक्शन के साथ एक बल्ब को जोड़ा। सीढ़ी-केस वायरिंग और एक्सटेंशन बोर्ड के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

“रंग-बिरंगे धागों की दुनिया” पर कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा दिनाँक 26 मई, 2023 से 2 जून, 2023 तक “रंग-बिरंगे धागों की दुनिया” पर छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को रंग-बिरंगी कढ़ाई के धागों से अनेकों प्रकार की कढ़ाई के टाँके जैसे - असमानांतर/समानांतर कच्चा, बैक स्टिच, डंडी टाँका, चेन टाँका, डबल चेन टाँका, लेजी-डेजी टाँका, थरेड मार्का टाँका, फिशबोन टाँका, हैरिंग बोन, ऐरोहैड टाँका, ब्लैंक्टि टाँका, डिजाइनर ब्लैंक्टि स्टिच, क्रॉस टाँका, फैदर टाँका, फैन्सी बार्डर, नेस्ट टाँका, ब्रिक टाँका, बुल्यिन टाँका, बटन होल टाँका आदि की जानकारी बच्चों को दी गई। इस कार्यशाला में बच्चों ने पूर्ण रूचि के साथ भाग लिया। कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

“जल एक अनमोल रत्न” पर एक कार्यशाला

संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए “जल एक अनमोल रत्न” आधारित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को पानी की महत्ता और उसके प्राकृतिक परिवेश के बारे में जागरूक करना था। कार्याशाला के दौरान पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जल चक्र, भोजन संध्या, प्रकाश संश्लेषण पर चर्चा की गई कि जल क्यों आवश्यक है? पृथ्वी पर कितना पानी उपलब्ध है? हमारे शरीर में कितना पानी उपलब्ध है? हमारे शरीर को कितने पानी की आवश्यकता है? विभिन्न महासागर,

जल निकाय, पानी का उपयोग, जल में रहने वाले जंतुओं के प्रकार, जल पर उनकी अन्योन्याश्रयता, पानी को बचाने और हमारी पृथ्वी को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए किए जाने वाले उपाय आदि के बारे में समझाया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को शैक्षिक भ्रमण के लिए राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र ले जाया गया, जहां उन्होंने सीखा कि वर्षा जल का संरक्षण कैसे करें।

ग्रीष्मोत्सव समारोह कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में पूरे जोश और उत्साह के साथ दिनांक 23 मई से 21 जून 2023 तक ग्रीष्मकालीन सत्र का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए प्रत्येक शनिवार खुले रंगमंच में बाल सभा का आयोजन किया गया। ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान बच्चों ने कई नई तथा सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखी। 21 मई 2023 को ग्रीष्मकालीन

सत्र के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पद्मभूषण पण्डित साजन मिश्र उपस्थित थे। राष्ट्रीय बाल भवन के अध्यक्ष महोदय श्री विपिन कुमार, निदेशक श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, उपनिदेशक (प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष संग्रहालय द्वारा एक प्रदर्शनी के माध्यम से राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों की झलकियाँ प्रस्तुत की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत वाद्यवृन्द, राग मियां मल्हार (गीत), राजस्थानी लोक नृत्य (चरी), पंजाबी लोक गीत तथा वंदे मातरम् (भरतनाट्यम) की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस सभा में लगभग 3000 बच्चों ने भाग लिया। ग्रीष्मोत्सव के दौरान बच्चों के लिए विभिन्न नवीन कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे कहानी सुनना-सुनाना, कैलीग्राफी कार्यशाला आदि।

बच्चों में अन्य विषयों में रूचि जगाने के लिए टाई एंड डाई कला, पेपर मैशी, मिट्टी के बरतन तथा मधुबनी कला, बाँस कला आदि सिखाए गए। ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान बच्चों के लिए जलपान एवं कैट्स एम्बूलैसं की व्यवस्था कराई गई।

ग्रीष्मोत्सव के दौरान बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में चल रहीं 40 गतिविधियाँ जैसे - विज्ञान गतिविधियाँ, शिल्प एवं कला, चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ कला, मिट्टी का काम, जिल्दसाजी, टाई एण्ड डाई, भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), आविष्कारक क्लब, रेडियो एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब, एॅअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, पर्यावरण, खगोल विज्ञान, मछलीघर, जीव एवं विज्ञान पार्क से संबंधित गतिविधियों इत्यादि में भाग लिया।

विशेष गतिविधि

5 से 8 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए 'लिटिल वंस' गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य छोटे बच्चों में दृढ़ता, अवलोकन और ध्यान केंद्रित करने के कौशल को विकसित करना था। इन गतिविधियों से बच्चों में रचनात्मकता और कल्पना शक्ति विकसित होती है और उनमें आत्मविश्वास बनता है। इस गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को नैतिक मूल्यों पर आधारित विभिन्न कहानियाँ सुनाई गई और उनके पात्रों को चित्रित करना सिखाया गया। यह कहानियाँ हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सुनाई गई। छोटे बच्चों के लिए हाथ से छाप कर पेंटिंग करने की गतिविधि भी आयोजित की गई। **'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'** के अवसर पर योग ध्यान सत्र चलाया गया और योग मुद्राओं का चित्रण करना सिखाया गया।

बच्चों को दिल्ली के विभिन्न स्मारकों के स्केच बनाना और पेंट करना सिखाया गया जैसे जंतर मंतर, लाल किला, लोटस टेंपल, इंडिया गेट आदि। बाल भवन के मेखला झा सभागार में नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए दिनांक 26 मई को एक एनिमेटेड फिल्म 'द क्रूड्स – ए न्यू एज' तथा दिनांक 2 जून को 'स्पिरिट अन्टेम्ड' दिखाई गई।

कठपुतली गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को अनेक जानवरों की उंगली कठपुतली बनाना सिखाया गया। दिनांक 9 जून को 'महासागर दिवस' के अवसर पर एक एनिमेटेड फिल्म 'द सी बीस्ट' दिखाई गई। बच्चों को लैंडस्केप कला गतिविधि भी कराई गई। टेबल मैट, ग्रीटिंग कार्ड बनाने के लिए 'ड्रिप तकनीक' सिखाई गई। मुखौटे बनाने की गतिविधि में बच्चों ने जिराफ, हाथी, बंदर, खरगोश, दरियाई घोड़ा आदि जैसे जंगली जानवरों के चेहरे बनाने सीखे। पक्षी और ऑक्टोपस बनाने के लिए कागज शिल्प गतिविधि कराई गई। थ्रेड आर्ट तकनीक द्वारा कार्ड बनाने की गतिविधि और पक्षियों और जानवरों की पेंटिंग बनाना सिखाया गया। बच्चों को कोलाज आर्ट के माध्यम से विभिन्न प्रकार के ऑटोमोबाइल जैसे कार, स्कूटर, हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज, बस, ट्रक, पनडुब्बी आदि बनाने सिखाए गए। कुछ विशेष गतिविधियाँ जैसे दंत कथाएं और रंग, अंगूठे से पेंटिंग, पेपर एलिवेशन पेंटिंग आदि भी कराए गए।

ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा

दिनांक 27 मई 2023 को प्रथम शनिवार के दिन, राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंगमंच में 'ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा' का आयोजन किया गया जिसमें सदस्य बच्चों ने समूह गान तथा तबला वादन का प्रस्तुतीकरण किया।

कार्टून और पेंटिंग चित्रण विशेषज्ञ श्री उदय शंकर जी द्वारा एक मनमोहक कार्टून बनाने का रोचक प्रदर्शन भी किया गया। इसके साथ ही कहानी विशेषज्ञ श्रीमती उषा छाबड़ा द्वारा बच्चों को रोचक कहानियाँ सुनाई गई जिसका बच्चों ने बहुत आनंद उठाया। इस बाल सभा में लगभग 2500 बच्चों ने भाग लिया।

मौसम भवन का बच्चों द्वारा भ्रमण

दिनांक 2 जून 2023 को संगणक अनुभाग द्वारा सदस्य बच्चों के लिए मौसम भवन की एक अध्ययन यात्रा का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकियों के प्रति बच्चों के ज्ञान को बढ़ाना और अब तक विकसित हो रही कंप्यूटर पीढ़ियों के बारे में जागरूक करना था। इस ज्ञानवर्धक दौरे में बच्चों ने मिनी सुपर कंप्यूटर और उपग्रह, रडार, थर्मोग्राफी, आरपीसी की मैटेलिक स्ट्रिप इत्यादि विभिन्न प्रकार के उपकरणों के उपयोग आदि को देखा। बच्चों ने जाना कि यह उपकरण कैसे काम करते हैं,आद्रता और तापमान मैप क्या है, मौसम की भविष्यवाणी कैसे काम करती है, कितने प्रकार के उपग्रह हैं और हर घंटे में प्रत्येक उपग्रह से चार तस्वीरें कैसे प्राप्त कर सकते हैं इत्यादि। बच्चों को हवा की गति मापने की जानकारी दी गई तथा रडार कैसे कार्य करता है यह भी बच्चों को समझाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 35 बच्चों एवं तीन अनुरक्षकों ने भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा

दिनांक 3 जून 2023 राष्ट्रीय बाल भवन परिसर में 'विश्व पर्यावरण दिवस' के रूप में मनाया गया। इस बाल सभा के अंतर्गत पर्यावरण अनुभाग के सदस्य बच्चों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर भाषण प्रस्तुत किया। प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने पर्यावरण से संबंधित एक मधुर गीत तथा एक नाटक का प्रदर्शन किया। मणिपुरी नृत्य की एक विशेष टीम ने मनमोहक मणिपुरी नृत्य का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 2500 बच्चों ने भाग लिया।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिनके माध्यम से प्लास्टिक की थैलियों को अखबार की थैलियों से बदलने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। साथ ही पोस्टर मेकिंग तथा नारा लेखन गतिविधियों के माध्यम से पृथ्वी के संसाधनों को संरक्षित करने के उपायों तथा पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों के प्रभावों के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया गया। इन सभी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने के बारे में सीखा। इस अवसर पर सहभागियों ने वृक्षारोपण भी किया।

ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम

तृतीय शनिवार 10 जून 2023 को ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम का आरंभ समूह गान के साथ हुआ जिसके बाद प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने राजस्थान के लोक नृत्य तथा भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुतियां दी। तत्पश्चात एक विशेष सांगीतिक

बैंड के द्वारा बच्चों के लिए उत्साहवर्धक और देशभक्ति के प्रेरक गीतों की प्रस्तुति एक कंसर्ट के रूप में दी गई। इन गीतों को सभागार में उपस्थित सभी बच्चों ने पूरे जोश के साथ गाया और खूब आनंद उठाया।

कपड़े के बुकमार्क बनाने की कार्यशाला

दिनांक 6 से 9 जून तक 'कपड़े के बुकमार्क' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों ने फेल्ट कपड़े व आइसक्रीम स्टिक का इस्तेमाल करके अलग-अलग डिज़ाइन के बुकमार्क बनाने सीखे। इस कार्यशाला में लगभग 40 बच्चों ने भाग लिया।

हमारे संग्रहालय हमारी विरासत पर कार्यशाला

दिनांक 6 से 10 जून तक 'हमारे संग्रहालय हमारी विरासत' पर एक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।

कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को संग्रहालय के महत्व के बारे में जागरूक करना था। बच्चों को विभिन्न प्रकार के संग्रहालयों के विषय में अवगत कराने के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और इसे भावी पीढ़ियों तक स्थानांतरित करने में संग्रहालय के महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'जल एक अनमोल रत्न' कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य बच्चों को पानी के अमूल्य होने और उसके प्राकृतिक परिवेश के बारे में जागरूक करना था। कार्यशाला के दौरान पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के द्वारा जल चक्र, भोजन चक्र, प्रकाश संश्लेषण, पृथ्वी पर और हमारे शरीर मे कितना जल उपलब्ध है, जल निकाय, पानी में रहने वाले जानवरों के प्रकार आदि के विषय में बताया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में शैक्षिक भ्रमण के लिए ले जाया गया, जहाँ उन्होंने सीखा कि वर्षा जल संरक्षण कैसे किया जाता है। साथ ही बच्चों को राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, राष्ट्रीय हस्तशिल्प और हथकरघा संग्रहालय तथा अंतर्राष्ट्रीय गुड़िया संग्रहालय का भी दौरा कराया गया व इनसे संबंधित मनोरंजक गतिविधियाँ कराई गई। कार्यशाला के दौरान बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

पॉट पेंटिंग पर कार्यशाला

दिनांक 7 से 9 जून 2023 तक 'पॉट पेंटिंग' की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 18 बच्चों ने भाग लिया।

ऑयल पेस्टल पेंटिंग पर कार्यशाला

दिनांक 7 से 9 जून 2023 तक ऑयल पेस्टल पेंटिंग की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 15 बच्चों ने भाग लिया।

रेडियो एवं इलेक्ट्रॉनिक पर कार्यशाला

दिनांक 8 से 10 जून 2023 तक रेडियो एवं इलेक्ट्रॉनिक की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 108 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में बच्चों को आवश्यक सावधानी बरतने के बारे में बताया गया तथा घरेलू वायरिंग परियोजनाओं के चरण सिखाए गए जैसे:- सुरक्षा सावधानी सीखना, विद्युत पारेषण एवं वितरण घटकों, उपकरणों और सामान्य प्रतीकों की पहचान करना, एक लैंप को स्विच से जोड़ना, श्रृंखला एवं समानांतर कनेक्शन, सीढ़ी केस वायरिंग, एक्सटेंशन बोर्ड आदि। विभिन्न प्रकार की बिजली और कंप्यूटर के ब्लॉक आरेख के साथ कंप्यूटर के बारे में समझाया गया। डिजिटल सिद्धांतों और अनुप्रयोग कंप्यूटर सिस्टम आर्किटेक्चर पर आधारित कंप्यूटर सिस्टम की आंतरिक कार्य प्रणाली की जानकारी दी गई। मदरबोर्ड और उसके विभिन्न घटक जैसे सीपीयू, विभिन्न मेमोरी जैसे रैम और रोम, बुनियादी इनपुट और आउटपुट सिस्टम, मदरबोर्ड, रैम, हार्ड डिस्क ड्रॉइव, डीवीडी रोम ड्राइव पर बिजली आपूर्ति, माइक्रोप्रोसेसर की स्थापना और डाटा केबल एवं अन्य कनेक्टरर्स को कनेक्ट करना सिखाया गया।

पर्यावरण एवं मछली घर पर कार्यशाला

दिनाँक 13 से 14 जून, 2023 तक पर्यावरण अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला "जीवित छोटे जानवर, पक्षी और मछलियों" पर आधारित थी। कार्यशाला का उद्देश्य छोटे जानवरों, कीड़ों और मछलियों की जीवन शैली के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री राजीव कुमार (मछलियों के विशेषज्ञ) को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। इस दौरान बच्चों को रेखाचित्र बनाना और उनमें रंग भरना सिखाया गया। बच्चों को विभिन्न जानवरों की आवाज़ तथा "एक्वेरियम में मछलियाँ अधिक समय तक कैसे जीवित रहती हैं" पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में जीवित जानवरों, पक्षियों और मछलियों पर प्रस्तुति दी गई। बच्चों के लिए एक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 35 बच्चों ने भाग लिया।

"ड्राई पेस्टल पेंटिंग" पर कार्यशाला

दिनाँक 13 से 16 जून, 2023 तक चित्रकला अनुभाग द्वारा "ड्राई पेस्टल पेंटिंग" की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों ने विभिन्न प्रकार की परिकल्पना को कागज पर उकेरा। कार्यशाला में लगभग 18 बच्चों ने भाग लिया।

साइबर सुरक्षा कार्निवल कार्यक्रम

दिनाँक 16 जून, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के संगणक अनुभाग में बच्चों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के बारे में ज्ञान विकसित कराने हेतु साइबर सुरक्षा कार्निवल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साइबर सुरक्षा कार्निवाल में 'साइबर शांति'

संगठन ने बच्चों को साइबर सुरक्षा का ज्ञान प्रदान किया। जिसमें वास्तविक जीवन की भूमिका निभाई गई। इस अवसर पर साइबर सुरक्षा कार्निवल पर नारे और हाथ में तख्ती लिए एक महत्वपूर्ण रैली भी निकाली गई। तत्पश्चात् बच्चों ने बाल भवन की साइबर सेफ्टी ट्रेन में सवारी की। साइबर सुरक्षा क्लब के छात्रों द्वारा साइबर सुरक्षा पर दो नाटक प्रस्तुत किए गए। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों को 'साइबर शांति' द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए और राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। 'इंटरनेट का बवाल' पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। इस कार्यक्रम में लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव विशेष बाल सभा कार्यक्रम

ग्रीष्मकालीन सत्र के चतुर्थ शनिवार दिनांक 17 जून 2023 को आयोजित विशेष बाल सभा के दौरान सुश्री शुभांगी गोयल द्वारा कथक नृत्य का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रदर्शन कला अनुभाग के बच्चों द्वारा हारमोनियम पर देशभक्ति गीत, कत्थक एवं ओडिसी नृत्य, ताल वाद्य कचहरी आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस सभा के दौरान बच्चों के लिए जादू विशेषज्ञ द्वारा एक मैजिक शो भी प्रदर्शित किया गया तथा कठपुतली के विशेषज्ञ द्वारा कठपुतली शो का भी आयोजन किया गया। इस सभा में लगभग 2500 बच्चों ने भाग लिया और पूरे कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।

पुणे में जी-20 कार्यक्रम

पुणे में जी-20 कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संस्थाओं के बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य था – नई शिक्षा नीति। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन ने भी भाग लिया। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय बाल भवन के विभिन्न अनुभागों की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया जिसके माध्यम से बताया गया कि राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे खेल-खेल में कला के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करते हैं। प्रदर्शनी में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को हस्तकला अनुभाग की विभिन्न गतिविधियाँ भी कराई गई। विभिन्न गतिविधियों में लगभग 700 बच्चों (प्रति दिन 100-120 बच्चे) ने भाग लिया।

बच्चों द्वारा आम के बगीचों का शैक्षिक भ्रमण

दिनाँक 19 जून, 2023 को मदर डेयरी की ओर से बच्चों को उत्तर प्रदेश के बागपत गाँव में आम की विभिन्न किस्मों के बारे में जानकारी देने के लिए आम के बगीचे का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। जिसमें राष्ट्रीय बाल भवन के लगभग 40 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। मदर डेयरी के एक कर्मचारी ने सभी बच्चों को किसान का संक्षिप्त परिचय, किसान से परिचय और बगीचे के विस्तृत भ्रमण से पहले सभी बच्चों को जलपान वितरित किया गया।

किसान ने सभी बच्चों का अभिनन्दन किया और विभिन्न किस्मों के आमों की जानकारी दी। बच्चों ने विभिन्न आम जैसे :- दशहरी, चौसा, लंगड़ा, गुलाब खौस आदि की जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने किसान से कई प्रश्न भी पूछे। किसान ने आम को स्पर्श और दृश्य निरीक्षण की मदद से सबसे पके और मीठे आमों का चयन करने की जानकारी दी। बच्चे अपने घर के बगीचे में स्वयं के आम के पेड़ को उगाने के तरीके के बारे में सीखकर प्रकृति के साथ अपने बंधन को फिर से स्थापित करने के लिए प्रेरित हुए।

अंत में बच्चों ने अपने अनुभव के बारे में अपनी प्रतिक्रिया साझा की और साथ ही यह भी बताया कि कैसे इस यात्रा ने उन्हें अपार ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ यह देखने में मदद की कि एक बगीचे में आम कैसे उगाए जाते हैं। आम के साथ उन्हें कटहल के विभिन्न पोषण संबंधी लाभों के बारे में भी जानकारी मिली। बच्चों ने यह भी साँझा किया कि विभिन्न प्रकार के आमों को उनकी भौतिक विशेषताओं, रंग और गंध के आधार पर कैसे पहचाना और अलग किया जाता है। बच्चों ने यह जाना कि "सफल" द्वारा प्रदान किए गए आम रसायन मुक्त और उपयोग के लिए सुरक्षित हैं।

ग्रीष्मोत्सव समापन समारोह एवं 9वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनाँक 21 जून, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंग मंच में ग्रीष्मोत्सव समापन समारोह एवं 9वाँ अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कंठ संगीत द्वारा गायन के प्रदर्शन से हुई। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से पेड़ लगाने का आग्रह किया ताकि पर्यावरण को विनाशकारी मानवीय गतिविधियों से उबरने में मदद मिल सके। इस अवसर पर बच्चों ने योग से संबंधित श्लोक प्रस्तुत किए। भरतनाट्यम अनुभाग के बच्चों ने नृत्य के साथ संगीत लय पर योग के विभिन्न आसन प्रस्तुत किए। तत्पश्चात् शारीरिक शिक्षा अनुभाग के प्रशिक्षक द्वारा योगासन जैसे :- नमस्कार चक्रासन, सर्वांगासन आदि योगासन कराए गए जिनका बच्चों ने स्केटिंग के साथ प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 3000 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिंदी कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 29 जून, 2023 को गूगल मीट द्वारा "प्रशासनिक कामकाज की मानक शब्दावली" विषय पर "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य-कार्यालयी कार्यों में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी का प्रयोग करना था। "गूगल मीट द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक" का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कार्यालय प्रमुख द्वारा की गई। इस बैठक में लगभग 20 कर्मचारियों ने भाग लिया।

"समुद्र" विश्व महासागर दिवस पर कार्यशाला

दिनाँक 1 से 8 जुलाई, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के संग्रहालय अनुभाग में विश्व महासागर दिवस पर आठ दिवसीय कार्यशाला "समुद्र" का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य : हमारे महासागरों के महत्व और

बच्चों की भूमिका के बारे में बच्चों में जागरूता फैलाना था। बच्चों को खेल के द्वारा बताया कि एक स्वस्थ ग्रह को बनाए रखने में वे क्या भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों ने विभिन्न भारतीय पौराणिक कहानियों के बारे में जाना और उनका चित्रण किया। बच्चों ने पंचतंत्र में वर्णित समुद्र या जलस्त्रोतों से संबंधित कहानियाँ भी सुनीं। बच्चों को समुद्र को समझने और विश्व महासागर दिवस क्यों मनाते हैं इस पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिखाया गया और उनके साथ "पुनरोद्धार" के महत्व पर सामूहिक चर्चा की गई। बच्चों को समुद्र से संबंधित पौराणिक कहानियाँ सुनाई गई जैसे :- समुद्र मंथन, मत्स्य अवतार, कुर्म अवतार, वराह अवतार, देवी सरस्वती ने वडवाग्नि को समुद्र में जमा किया, हनुमान उड़कर समुद्र पार करते हैं, श्री राम ने समुद्र से राम सेतु बनाने का अनुरोध किया आदि। अगले दिन बच्चे राष्ट्रीय संग्रहालय का दौरा करने गए। तीसरे दिन बच्चों को पारंपरिक लोककला और कला-रूपों जैसे मधुबनी, पट्टचित्र का वर्णन, कांगड़ा कला, गोंड कला, मुगल कला जो भारत के विभिन्न क्षेत्रों जैसे बिहार, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान आदि में प्रचलित हैं, के बारे में व्याख्यान-सह-प्रदर्शन किया गया और बच्चों ने अपनी पसंद से चुनकर पारंपरिक पेंटिंग बनाई। पंचतंत्र की कहानियाँ :- "खारा सागर", "बगुला और केकड़ा" सुनाई गई और उनके नैतिक मूल्यों से अवगत कराया गया। बच्चों को बताया गया कि कही सुनी बातों पर विश्वास न करें और हमेशा आकलन करने का प्रयास करें। बच्चों को पंचतंत्र की कहानियों से संदेश दिया गया कि जो परिवर्तन को स्वीकार नहीं करता वह नष्ट हो जाता है। उन्हें समुद्री जीव जैसे :- व्हेल, सील, स्कविड आदि का रेखाचित्र बनाना सिखाया गया। कैसे संग्रहालय वैश्विक स्तर पर हमारी प्राकृतिक विरासत की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इस विषय पर पावरप्वाइंट प्रेसेनटेशन दिखाया गया। कार्यशाला में बच्चों को बुकमार्क की गतिविधि भी कराई गई। बच्चों द्वारा बनाए गई पेंटिंग, पेपर मैशी वस्तुओं और बुकमार्क आदि का प्रदर्शन किया गया। बच्चों के लिए विभिन्न महासागरों, समुद्री जानवरों, ध्रुवों आदि पर एक प्रश्नोत्तरी आरंभ की गई। इस कार्यशाला में लगभग 17 बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

मिट्टी कला कार्यशाला

दिनाँक 6 से 8 जुलाई, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के मिट्टी कला अनुभाग में तीन दिवसीय "क्ले मॉडलिंग" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को विभिन्न प्रकार के जानवरों की आकृतियाँ बनाना सिखाया गया। कार्यशाला में लगभग प्रतिदिन 15 बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

बुनाई कार्यशाला

दिनाँक 6 से 8 जुलाई, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के बुनाई अनुभाग में तीन दिवसीय "बुनाई" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को विभिन्न प्रकार के मैट, छोटी दरी, ब्रेसलेट आदि बनाना सिखाया गया। कार्यशाला में लगभग 15 बच्चों ने प्रतिदिन भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला

दिनाँक 13 से 15 जुलाई, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले कार्यकलाप अनुभाग में तीन दिवसीय "पेपर मास्क" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को पेपर मास्क, व विभिन्न प्रकार के मुखौटे बनाना सिखाया गया। कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने प्रतिदिन भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

दिनाँक 20 से 22 जुलाई, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के मिले-जुले कार्यकलाप अनुभाग में तीन दिवसीय "पारंपरिक लकड़ी के खिलौने" बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को पारंपरिक लकड़ी के विभिन्न प्रकार के खिलौने एवं कछुए बनाना सिखाया गया। कार्यशाला में लगभग प्रतिदिन 20 बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

प्लास्टिक कैनवास पर कढ़ाई करने की कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 11 से 13 जुलाई, 2023 तक प्लास्टिक कैनवास पर कढ़ाई करने की कार्यशाला आयोजित की गई। बच्चों को प्लास्टिक कैनवास की जानकारी एवं उस पर कढ़ाई करना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया।

ऊन से क्राफ्ट कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 14 से 25 जुलाई, 2023 तक ऊन से क्राफ्ट की कार्यशाला आयोजित की गई। बच्चों को ऊन से पोम-पोम फूल बनाना, चिड़िया बनाना, ऊन से कढ़ाई करना, ऊन से वॉल-हैंगिंग बनाना सिखाया। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।

चेन बनाने की कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 26 से 28 जुलाई, 2023 तक चेन बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई। बच्चों को प्लास्टिक कैनवास पर कढ़ाई करना सिखाया गया। साथ ही चाबी के छल्ले भी बनाना सिखाया। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया।

सौर-मण्डल पर कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 26 से 28 जुलाई, 2023 तक सौर मण्डल पर कार्यशाला आयोजित की गई। बच्चों को सौर मण्डल के सभी ग्रहों की जानकारी दी गई। सौर मण्डल पर एक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। बच्चों ने सौर मण्डल से सम्बंधित बुकमार्क बनाने सीखे। इस कार्यशाला में लगभग 7 बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

जी-20 का समापन समारोह

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा गुजरात राज्य के गाँधी नगर में प्रसिद्ध महात्मा मंदिर में आयोजित जी-20 कार्यक्रम के प्रतिष्ठित समापन समारोह में अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के भरतनाट्यम और कंठ संगीत अनुभाग के सदस्य बच्चों ने दिनाँक 3 अगस्त, 2023 को महिला सशक्तिकरण पर गीत एवं नृत्य द्वारा सशक्तिकरण का प्रदर्शन किया जो लोगों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करता है, ताकि हमारे देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय बाल भवन के सहभागियों ने बेहद उत्साह के साथ साबरमती आश्रम का दौरा किया। तत्पश्चात् अहमदाबाद के जीवंत रिवरफ्रंट, प्रतिष्ठित अटल ब्रिज की यात्रा भी की। सहभागियों ने अमूल मदर डेयरी का दौरा किया जिससे उन्हें दूध को विभिन्न डेयरी उत्पादों में बदलने की जटिल प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त हुई। उसके बाद सहभागियों ने काँकरिया झील, अहमदाबाद (गुजरात) का दौरा किया। उन्होंने काँकरिया झील के प्राणी उद्यान का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने अनेक जानवरों को देखा। अंत में झील के चारों ओर ट्रेन की सवारी का भी आनंद लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के 27 बच्चों के साथ 4 ऑफिसर व 11 अनुरक्षकों ने भाग लिया।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "अंगदान महोत्सव"

"आज़ादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर दिनाँक 3 अगस्त, 2023 को **"अंगदान महोत्सव"** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ जीवन शैली और कल्याण को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित करना था। जिसमें निम्न कार्यक्रमो का आयोजन किया गया जैसे :-

1. **राष्ट्रीय बाल भवन** के खुले रंग मंच में **"अंगदान"** प्रतिज्ञा समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 77 कर्मचारियों ने भाग लिया।

2. **चित्रकला गतिविधि** - राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए स्लोगन लिखना और पोस्टर बनाने की गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने पेपर पर शरीर के अंग बनाए व उनकी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर 18 बच्चों ने भाग लिया।

3. हस्तकला गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए अनुपयोगी सामान से उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करने की गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बेकार सामान से मानव शरीर के अंगों को क्राफ्ट के माध्यम से बनाना सीखा। इस कार्यक्रम द्वारा बच्चों को अंगदान की प्रेरणा दी गई। इस अवसर पर 30 बच्चों ने भाग लिया।

4. नाट्कीय गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए "अंगदान" पर एक नुक्कड़ नाटक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस नाट्कीय गतिविधि का उद्देश्य था कि – 'मरने के बाद इंसान को अपने अंगदान करने चाहिए ताकि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सके'। यही सच्ची मानव सेवा है। सभी व्यक्तियों को यह बात सभी तक पहुँचाने में भी मदद करनी चाहिए। इस अवसर पर 20 बच्चों ने भाग लिया।

5. पर्यावरण गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए अपने शारीरिक अंगों को दान करने हेतु जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में अंगदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई और बताया गया कि कैसे एक दाता कई लोगों की जान बचा सकता है। बच्चों को जानकारी दी गई कि अंगदान करना एक महान कार्य है, एक ऐसा कार्य जो अंगदाता के मरने के बाद भी लोगों की जान बचाने के लिए किया जा सकता है। बच्चों को समझाने के लिए शरीर के अंगों के चित्रांकन का एक चार्ट भी तैयार किया गया जिसमें विभिन्न अंगों के साथ-साथ ऊतकों को भी दर्शाया गया जो मानव द्वारा दान करने योग्य हैं। इस अवसर पर 7 बच्चों ने भाग लिया।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "मेरी माटी मेरा देश अभियान"

भारत की आज़ादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर दिनाँक 9 से 30 अगस्त, 2023 तक 'मेरी माटी मेरा देश अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले 'वीरों' को श्रद्धांजलि देना था। जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमो का आयोजन किया गया :-

1. राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंग मंच में 'पंच प्रण' प्रतिज्ञा अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान में सभी सहभागियों ने अपने देश की मिट्टी को हाथ में लेकर पंच प्रण लिए। तत्पश्चात् श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) एवं श्री चन्दर मणि-प्रभारी कार्यक्रम एवं अन्य कर्मचारियों व बच्चों ने वसुधा वन्दन-पौधा रोपण में भाग लिया। जिसमें लगभग 50 कर्मचारियों एवं 25 बच्चों ने भाग लिया।

2. चित्रकला गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर दिनाँक 12 अगस्त, 2023 को 'मेरी माटी मेरा देश अभियान' के अंतर्गत पोस्टर बनाने की गतिविधि का आयोजन किया गया।

3. हस्तकला गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' पर पोस्टर बनाने की गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने पेपर द्वारा पेड़-पौधे बनाना सीखा और पर्यावरण की जानकारी प्राप्त की।

4. नाट्कीय गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर दिनाँक 12 अगस्त, 2023 को 'वीरों का वन्दन' पर 'शहीद' नाटक की प्रस्तुति दी। इस नाट्कीय गतिविधि का उद्देश्य – देशभक्ति की ओर प्रेरित करना था। शहीद नाटक की कथा भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरू एवं हज़ारों भारत वासियों के त्याग और बलिदान को दर्शाती है। इस अवसर पर लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया।

5. पर्यावरण गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए 'स्क्रैपबुक निर्माण गतिविधि' दिनाँक 16 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई। इस पुस्तक में राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा', राष्ट्रीय प्रतीक: 15 अगस्त, 1947 को भारत के पहले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तस्वीरें, साथ ही, हमारे देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले 'वीरों' को विशेष श्रद्धांजलि दी गई। इसमें महिला स्वतंत्रता सेनानियों को भी शामिल किया गया जिन्होंने स्वतंत्रता, न्याय और समानता के लिए लड़ाई लड़ी। अगस्त, 1947 की तस्वीरें भी बच्चों को दिखाई गई। अंत में 'वीरों का वंदन' विषय के लिए बच्चों को उन साहसी महिलाओं के बारे में जागरूक किया गया, जिन्होंने भारत के लिए स्वतंत्रता हासिल करने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

6. सिलाई गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए दिनाँक 16 अगस्त, 2023 को सिलाई के माध्यम से तिरंगें की स्मारक गतिविधि कराई गई जिसमें तिरंगे से हैंगिंग बनाना, चिड़िया बनाना व की-चैन बनाना सिखाया गया।

7. कंठ संगीत गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए संगीत गतिविधियों द्वारा वीरों का वंदन और प्रत्येंक कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रीय गान को सही तरीके से गाना सिखाया गया।

8. गृह प्रबंधन गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए गृह प्रबंधन द्वारा तिरंगा भोजन गतिविधि दिनाँक 18 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई।

9. हस्तकला गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए वीरों को याद करने के लिए अपशिष्ट से श्रेष्ठ गतिविधि दिनाँक 18 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई।

10. काष्ठ कला गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए अशोक चक्र बनाने की गतिविधि दिनाँक 18 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई।

11. मिट्टी गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए 'हमारे वीर जवान' नामक मिट्टी की गतिविधि दिनाँक 19 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई।

12. बुनाई गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए बुनाई द्वारा राष्ट्रीय ध्वज निर्माण गतिविधि दिनाँक 19 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई।

13. मिले-जुले गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए तिरंगे के रंगों को इस्तेमाल कर मास्क निर्माण और राष्ट्रीय ध्वज निर्माण गतिविधि दिनाँक 19 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई।

14. संग्रहालय गतिविधि – राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए वीरों का वंदन, वीरों को याद करते हुए संग्रहालय की सैर गतिविधि दिनाँक 19 अगस्त, 2023 को आयोजित की गई।

सिलाई-कढ़ाई "सादा शमीज़" की कार्यशाला

दिनाँक 9 से 11 अगस्त, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई-कढ़ाई अनुभाग में तीन दिवसीय 'सादा शमीज़' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को सादा शमीज़ के लिए शारीरिक नापों की जानकारी, ड्राफ्टिंग, पेपर पैटर्न बनाना, पेपर पैटर्न की सहायता से कपड़े पर ले-प्लान करके कपड़े की कटिंग करना व सिलना सिखाया।

तारामंडल अनुभाग द्वारा "सूर्य घड़ी" कार्यशाला

दिनाँक 11 से 12 अगस्त, 2023 तक तारा मंडल अनुभाग में तीन दिवसीय "सूर्य घड़ी" की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने सूर्य की किरणों के द्वारा बनने वाली परछाई से समय कैसे ज्ञात होता है, का ज्ञान प्राप्त किया और उन्होंने सूर्य घड़ी का एक मॉडल भी बनाया। इस कार्यशाला में लगभग 11 बच्चों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को अंत में प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

कुचिपुड़ी नृत्य कार्यशाला

दिनाँक 16 से 19 एवं 22 अगस्त, 2023 तक कुचीपुड़ी नृत्य विशेषज्ञ द्वारा कूचिपुड़ी नृत्य की पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय बाल भवन में किया गया, जिसमें बच्चों को कूचिपूड़ी नृत्यांगना सुश्री आयना मुखर्जी द्वारा कुचिपुड़ी नृत्य से अवगत कराया गया। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया।

तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 17 से 19 एवं 23 से 25 अगस्त, 2023 तक सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न स्कूलों के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया :-

क्र.सं.	स्कूल का नाम	तिथि	बच्चों की संख्या
1	नवशक्ति गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, विष्णु दिगम्बर मार्गनई दिल्ली-110002	17 से 19 अगस्त, 2023	125
2	आन्ध्रा एजुकेशन सोसाइटी पं. दीन दयाल उपाध्याय मार्ग नई दिल्ली-110002	17 से 19 अगस्त, 2023	160
3	सरकारी प्राइमरी स्कूल (द हैप्पी स्कूल) साइट नं. 1105, गुरूग्राम-122002	23 से 25 अगस्त, 2023	509

संग्रहालय अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय शैक्षणिक यात्रा गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 17, 18 एवं 19 अगस्त, 2023 को संग्रहालय कनिष्ठ कलाकार द्वारा सदस्य बच्चों के लिए तीन दिवसीय शैक्षणिक यात्रा गतिविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संग्रहालय कनिष्ठ कलाकार ने बच्चों को तीन संग्रहालय - राष्ट्रीय वार मेमोरियल संग्रहालय, राष्ट्रीय गाँधी संग्रहालय, राष्ट्रीय हस्तशिल्प और हथकरघा संग्रहालय की यात्रा कराई। शैक्षणिक यात्रा कराने का उद्देश्य :- युवा मन में देशभक्ति, कड़ी मेहनत की भावना पैदा करना और उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व महसूस करने के लिए प्रेरित करना तथा उनके मन में ज्ञान प्रदान कराना था। प्रदर्शित विभिन्न वस्तुओं के आधार पर उनके प्रश्नों का समाधान करना और उन्हें संग्रहालय या सार्वजनिक स्थान पर जाने के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए के बारे में बताया गया। इस शैक्षणिक यात्रा में लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया।

मिले-जुले अनुभाग द्वारा फूल बनाने की कार्यशाला

दिनाँक 22 से 24 अगस्त, 2023 तक मिले-जुले अनुभाग द्वारा फूल बनाने की तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को रंगीन पेपर से विभिन्न प्रकार के फूल बनाना सिखाया गया। अंत में सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यशाला में लगभग 21 बच्चों ने भाग लिया।

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा 'जूट के पाऊच/थैली' बनाने की कार्यशाला

दिनाँक 22 से 24 अगस्त, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई-कढ़ाई अनुभाग में तीन दिवसीय 'जूट के पाऊच/थैली' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को जूट के कपड़े की जानकारी एवं उसके उपयोग की जानकारी दी गई। जूट के कपड़े पर लेस व रिब्बन लगाना व जूट की थैलियां सिलना सिखाया गया।

हस्तकला अनुभाग द्वारा ओरिगामी क्राफ्ट कार्यशाला

दिनाँक 22 से 26 अगस्त, 2023 तक हस्तकला अनुभाग द्वारा ओरिगामी क्राफ्ट की पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत गणितिय ज्ञान की जानकारी दी गई। जिसमें बच्चों ने पेपर द्वारा 3डी आकार जैसे त्रिभुज, गोलाकार, क्यूब इत्यादि बनाना सीखा।

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा "जूट पर कढ़ाई" करने की कार्यशाला

दिनाँक 25, 26 एवं 29 अगस्त, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई-कढ़ाई अनुभाग में तीन दिवसीय "जूट पर कढ़ाई" करने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को जूट के कपड़े पर ऊन की कढ़ाई के टाँके जैसे :- क्रॉस टाँका, चेन टाँका, फिशबोन टाँका, हैरिंगबोन टाँका, सादा टाँका आदि बनाना व डिज़ाइन करना सिखाया।

तारा मंडल अनुभाग द्वारा "सौर मंडल" कार्यशाला

दिनाँक 26 से 28 अगस्त, 2023 तक तारा मंडल अनुभाग में तीन दिवसीय "सौर मंडल" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को ग्रहों की विशेषताओं की जानकारी से अवगत कराया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों ने सौर मंडल से सम्बंधित बुक मार्क भी बनाए। इस कार्यशाला में लगभग 7 बच्चों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को अंत में प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

मोज़ेक आर्ट कार्यशाला

हस्तकला अनुभाग में बच्चों के लिए दिनाँक 12 से 16 सितम्बर, 2023 तक पाँच दिवसीय "मोज़ेक आर्ट" की कार्यशाला का आयोजन किया गया। बच्चों को मोज़ेक आर्ट का परिचय तथा इसे कैसे बनाया जाता है, की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

कपड़े से थैले बनाना - कार्यशाला

सिलाई अनुभाग में बच्चों के लिए दिनाँक 12 से 14 सितम्बर, 2023 तक "कपड़े से थैले बनाना" तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को कपड़ा, फोमशीट, लेस, लाइनिंग क्लॉथ व धागों के इस्तेमाल से थैले सिलना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

साइबर सुरक्षा कार्निवल कार्यशाला

संगणक अनुभाग में बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए दिनाँक 15 और 16 सितम्बर, 2023 को दो दिवसीय साइबर सुरक्षा कार्निवल नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को साइबर सुरक्षा के बारे में

जागरूक करना और इंटरनेट का उपयोग करते समय स्मार्ट बनना था। कार्यक्रम में लगभग 10 सदस्य बच्चों एवं 9 कर्मचारियों ने भाग लिया। साइबर सुरक्षा की विशेषज्ञता के बारे में कर्मचारियों और बच्चों के साथ बातचीत करने के लिए लर्निंग लिंक फाउंडेशन से अतिथि के रूप में सुश्री वैभवी सिंघानिया भी उपस्थित थीं। उन्होंने साइबर सुरक्षा का ऐप प्रस्तुत कर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उनके एप्लिकेशन का भी वर्णन किया। श्री रिषभ अरोड़ा-वरिष्ठ प्रशिक्षक कम्प्यूटर ने पीपीटी के माध्यम से साइबर सुरक्षा के बारे में बात करते हुए निम्न वीडियो प्रस्तुत किए :-

1. साइबर सुरक्षा क्या है - पूरी जानकारी के साथ।
2. साइबर सुरक्षा - एटीएम
3. हिंदी में साइबर सुरक्षा जागरूकता
4. एनिमेशन के माध्यम से साइबर बुलिंग (प्रति साइबर हमलें में 5 डीएनए-एम.एस.)
5. राष्ट्रीय बाल भवन पर बनाई लघु फिल्म - "इंटरनेट का बवाल"

हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा

दिनाँक 16 सितम्बर से 4 अक्तूबर, 2023 तक हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य - हिंदी को बढ़ावा देना था ताकि समस्त कर्मचारी अपना समस्त कार्यालयी कार्य हिंदी में कर सकें। इस संदर्भ में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं - नोटिंग-ड्राफ्टिंग, सामान्य ज्ञान, स्वरचित काव्य रचना, निबंध लेखन, हिंदी टंकण, आशुलेखन तथा श्रुतलेखन, हिंदी कार्यशाला आदि आयोजित की गई। दिनाँक 4 अक्तूबर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य स्कूल, राष्ट्रीय बाल भवन, बाल भवन केन्द्रों तथा जवाहर बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 13, 14 एवं 15 सितम्बर, 2023 को सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न स्कूलों के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया :-

क्र.सं.	स्कूल का नाम	तिथि	बच्चों की संख्या
1.	सरकारी मॉडल संस्कृति स्कूल डीएलफ फेस-1, गुरूग्राम, हरियाणा	13 से 15 सितम्बर, 2023	150
2.	सर्वोदय बाल विद्यालय, नं. 1 मोलरबन्द, बदरपुर, नई दिल्ली-44	13 से 15 सितम्बर, 2023	50

भारत के शिक्षा मंत्री जी एवं अन्य गणमान्यों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा

दिनाँक 16 सितम्बर, 2023 को श्री धर्मेंद्र प्रधान जी – भारत के शिक्षा एवं कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री, श्री संजय कुमार – सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, श्री विपिन कुमार – राष्ट्रीय बाल भवन के अध्यक्ष एवं अपर सचिव, शिक्षा मंत्रालय, डॉ. अमरप्रीत दुग्गल – संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार, प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी – निदेशक, एनसीईआरटी तथा शिक्षा मंत्रालय एवं एनसीईआरटी से अन्य गणमान्य अतिथि राष्ट्रीय बाल भवन में पधारे। राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग एवं पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् माननीय शिक्षा मंत्री तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के आरंभ में प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने **वाद्यवृंद रचना-समन्वय** का वादन किया। भारत की विभिन्न भाषाओं को प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने एक ही माला में पिरोकर एक गीतमाला – “जयति जयति भारत माता” प्रस्तुत की। देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत, सभी जन हेतु समान भाव तथा “एक भारत श्रेष्ठ भारत” पर एक सुंदर नृत्य – “वंदे मातरम्” की प्रस्तुति दी गई। श्री मुकेश गुप्ता- उपनिदेशक (प्रशासन) ने राष्ट्रीय बाल भवन का परिचय देते हुए मंत्री जी का राष्ट्रीय बाल भवन पधारने पर हृदय से आभार व्यक्त किया। सचिव – श्री संजय कुमार जी ने कहा कि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और इन प्रदर्शन प्रस्तुतियों से लगता है कि बच्चे कुछ सीख रहे हैं, बच्चों में हुनर उत्पन्न हो रहा है। जिससे देश आगे विकसित होगा।

अंत में सभी अतिथिगणों ने संग्रहालय, गौरव गाथा गैलरी, एअर फोर्स फलाईट सिम्यूलेटर का भी दौरा किया और बच्चों की रेलगाड़ी की यात्रा का आनन्द लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 बच्चों, 50 अभिभावकों तथा 100 कर्मचारियों ने भाग लिया।

सितार एवं गिटार अनुभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला

दिनाँक 21, 22 और 23 सितम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन में सितार एवं गिटार अनुभाग द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय था – सितार, उत्पत्ति एवं रख-रखाव तथा “जयपुर सेनिया घराना”। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों को अंत में राष्ट्रीय बाल भवन की ओर से प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों ने निम्न गतिविधियाँ सीखीं :-

1. सितार उत्पत्ति एवं उसके विभिन्न भाग।
2. सितार में तार लगाना।

3. जयपुर सेनिया घराना एवं विलायन खानी घराने में मुख्य अंतर।

4. राग ख्माज में एक रज़ाखानी गत (जयपुर घराना)

तारा मंडल, संगणक, पर्यावरण अनुभाग द्वारा "चन्द्रयान-3" कार्यशाला

दिनाँक 22 और 23 सितम्बर, 2023 को तारामंडल, संगणक, पर्यावरण अनुभाग द्वारा दो दिवसीय "चन्द्रयान-3" कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को चन्द्रयान - 3 की बनावट, लाँच होने का तरीका, विक्रम लैंडर द्वारा लैंड होने का तरीका, प्रज्ञान रोवर द्वारा प्राप्त सूचनाओं की जानकारी के बारे में ज्ञान प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों के साथ चन्द्रयान-3 से सम्बंधित चर्चा की गई। चन्द्रयान-3 पर बच्चों ने एक मॉडल भी बनाया। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला समाप्ति के पश्चात् सभी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

डोर हैंगिंग बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग में बच्चों के लिए दिनाँक 26, 27 और 29 सितम्बर, 2023 को तीन दिवसीय "डोर हैंगिंग" की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को अनुपयोगी सामान से घर की साज सजावट के लिए बंदरवाल अथवा डोर हैंगिंग बनाना सिखाया। कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

भारत मंडपम से जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट आयोजन का सीधा प्रसारण

दिनाँक 26, सितम्बर, 2023 को भारत मंडपम से जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट आयोजन में प्रधानमंत्री-श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का सीधा प्रसारण राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों को एनटीआरसी हॉल में दिखाया गया। जिसमें लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा 2023' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय बाल भवन में स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए दिनाँक 01 अक्टूबर, 2023 (रविवार) को स्वच्छता अभियान का आगाज़ किया। लोक नायक उद्यान, बाल्मीकि बस्ती, फिरोज़ शाह कोटला, विक्रम नगर, नई दिल्ली-02 में श्रम-दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस श्रमदान में राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों और सदस्य बच्चों ने उद्यान की सफाई की। इस कार्यक्रम में लगभग 70 कर्मचारियों एवं 135 बच्चों ने भाग लिया।

स्वच्छता विशेष अभियान 3.0 गतिविधि

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वच्छता विशेष अभियान 3.0 - कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 3 से 31 अक्टूबर, 2023 तक चले 'स्वच्छता विशेष अभियान' के अन्तर्गत सभी कर्मचारियों ने अपने अनुभागों की फाईलों / दस्तावेजों के साथ-साथ अपने अनुभाग में निष्क्रिय सामग्रियों का

निपटान तथा सफाई की। इस अभियान के अंतर्गत गतिविधि रोस्टर अनुसार स्थाई, अस्थाई बेकार सामग्री, पुरानी फाईलों को निरस्त किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन के प्रत्येक क्षेत्र की सफाई के लिए रोस्टरानुसार सफाई अभियान भी चलाया गया तथा प्रतिदिन की फोटो राष्ट्रीय बाल भवन के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड की गई। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे नियमित रूप से बड़े पैमाने पर अपशिष्ट पदार्थों का पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग करके सुंदर कलाकृतियाँ एवं उपयोगी वस्तुएँ तैयार करते हैं। "बेकार की चीजों से उत्तम चीज बनाना" विशेष अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में इन वस्तुओं की एक झलक "एक विशेष प्रदर्शनी" के रूप में दिनाँक 18 से 20 अक्टूबर, 2023 तक प्रदर्शित की गई। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशिका-श्रीमती मुक्ता अग्रवाल द्वारा किया गया।

After

पर्यावरण अनुभाग द्वारा "विश्व पशु दिवस" कार्यशाला

दिनाँक 4 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के पर्यावरण अनुभाग में एक दिवसीय "विश्व पशु दिवस" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य- बच्चों को पशु कल्याण के बारे में जागरूक और शिक्षित करना था। बच्चों ने वैश्विक विलुप्त होने वाली उच्च जोखिम प्रजातियों को वर्गीकरण (आईयूसीएन रेड लिस्ट श्रेणी और मानदंड) के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। इससे सम्बंधित बच्चों को भारतीय मानचित्र के विभिन्न क्षेत्रों में 'लुप्तप्राय पशु प्रजातियों को दर्शाना' तथा 'जानवरों को बचाएं' विषय पर स्लोगन लेखन आदि गतिविधियाँ कराई गईं। इस कार्यशाला में लगभग 21 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

संगणक अनुभाग द्वारा "डिजिटल ग्राफिक डिज़ाईनिंग" कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन के संगणक अनुभाग द्वारा दिनाँक 5 से 28 अक्टूबर, 2023 तक "डिजिटल ग्राफिक डिज़ाईनिंग" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को पेजमेकर, कोरलड्रॉ, डिजिटल तकनीक और एडोब फोटोशॉप सिखाए गए। बच्चों ने कोरलड्रा और फोटोशॉप सॉफ्टवेयर का उपयोग करके विभिन्न प्रकार के लोगो और पेम्फलेट डिजाइनिंग किए। 20 अक्टूबर, 2023 को बच्चों को सीआईईटी, एनसीईआरटी का शैक्षिक दौरा करवाया गया। एप्लिकेशन पाठ्यपुस्तक से 210 डेटा को स्क्रीन पर 3डी दृश्य प्रतिनिधित्व में बदलने में सक्षम था, जिससे बच्चों को प्रौद्योगिकी में प्रगति को समझने में मदद होगी। कार्यशाला में वर्चुअल रियलिटी का भी एक सत्र किया गया, जो सिम्युलेशन के माध्यम से बाहरी अंतरिक्ष और अंतरिक्ष शटल पर आधारित था। बच्चों को स्मार्ट स्पीक डिवाइस से भी परिचित कराया गया, जो एक उपकरण है। यह उपकरण दृष्टिबाधित बच्चों

के लिए निर्माण किया गया। बच्चों को एडिटिंग स्टूडियो से परिचित कराया गया। जिसमें कलर इफेक्ट, बैकग्राउंड और साउंड इफेक्ट बदलने की जानकारी दी गई। बच्चों को ऑडियो स्टूडियो दिखाया गया जिसमें ध्वनि रिकॉर्डिंग की जाती है। स्टूडियो में ध्वनि पैनलों और उनके लाभों से परिचित कराया गया। अंत में बच्चों को मून वेबसाइट पर भारत की जानकारी दी गई। 21 अक्टूबर, 2023 को आमंत्रित विशेषज्ञ–श्री मैसर्स इंटेक्स टेक्नोलॉजीस इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ ग्राफिक डिजाइनर श्री तरूण अनेजा ने बच्चों को अच्छे डिजाइन, लोगो, पैम्पलेट बनाने की जानकारी दी। इस कार्यशाला में लगभग 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य विद्यालयों द्वारा विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता

राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य विद्यालयों के बच्चों ने दिनाँक 5, 7, 10, 11, 13 तथा 14 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया :-

क्र.सं.	स्कूल का नाम	तिथि	बच्चों की संख्या
1.	न्यू होराइज़न स्कूल, नई दिल्ली	5, 7, 10, 11 अक्टूबर, 2023	1000
2.	जी.डी. गोएंका पब्लिक स्कूल, राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद	13 अक्टूबर, 2023	40
3.	भारत राम ग्लोबल स्कूल, ग्रेटर नोएडा	14 अक्टूबर, 2023	50

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा "मिस्टर पोटली टॉय" बनाने की कार्यशाला

दिनाँक 10 से 12 अक्टूबर, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई-कढ़ाई अनुभाग में तीन दिवसीय "मिस्टर पोटली टॉय" बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को बेकार कपड़े, फाइबर कॉटन, ऊन एवं सुई धागे के उपयोग से मिस्टर पोटली टॉय बनाना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 11, 12 एवं 13 अक्तूबर, 2023 को सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न स्कूलों के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया :-

क्र.सं.	स्कूल का नाम	तिथि	बच्चों की संख्या
1	सर्वोदय कन्या विद्यालय माता सुन्दरी, रोड, 23, डीडीयू मार्ग नई दिल्ली-110002	11 से 13 अक्टूबर, 2023	150
2	गर्वमेंट बॉयज़ सी. सै. स्कूल ताजपुर, पहाड़ी, बदरपुर, नई दिल्ली-44	11 से 13 अक्टूबर, 2023	150

3	रामजस प्राईमरी स्कूल 71, पंचकुईया रोड, नई दिल्ली-01	18 एवं 19 अक्टूबर, 2023	100
4	केन्द्रीय विद्यालय, आईएनए कालोनी विकास सदन के सामने, नई दिल्ली-23	18 से 20 अक्टूबर, 2023	150
5	एम.सी.डी प्राईमरी स्कूल सावित्री नगर, नई दिल्ली-17	18 से 20 अक्टूबर, 2023	150

नाटक अनुभाग द्वारा कार्यशाला

दिनाँक 12 से 14 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के नाटक अनुभाग में लोक कथा पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों को लोक कथाओं के भेद, लोक एवं पौराणिक गाथाओं और लोक कथाओं के रूपों तथा कथा और कहानियों का मानव जीवन में महत्व तथा उनकी विशेषताओं के बारे में सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

विज्ञान विभाग के सदस्य बच्चों द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र और राष्ट्रीय प्राणी उद्यान का अध्ययन दौरा

दिनाँक 14 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के विज्ञान विभाग के सदस्य बच्चों ने राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र और राष्ट्रीय प्राणी उद्यान का अध्ययन दौरा किया। उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र में जल-जीवन का अमृत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विरासत, मानव जीव विज्ञान, प्रागैतिहासिक जीवन, मनोरंजन विज्ञान, परमाणु ऊर्जा हॉल और सरदार पटेल गैलरी आदि का अवलोकन किया। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान की यात्रा के दौरान, सदस्य बच्चों ने पक्षियों, स्तनधारियों और सरीसृपों की विभिन्न विदेशी और लुप्तप्राय प्रजातियों को देखा। उन्होंने जानवरों के सामान्य आवास और उनकी खान-पान की आदतों के बारे में जाना। इस कार्यशाला में लगभग 25 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

तारामंडल अनुभाग द्वारा "आदित्य एल-1" की कार्यशाला

दिनाँक 18 से 20 अक्टूबर, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के तारामंडल अनुभाग में "आदित्य एल-1" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में बच्चों को आदित्य एल-1 की संपूर्ण व्याख्या,

कम्प्यूटर एव प्रोजेक्टर का प्रयोग करके पी.पी.टी. द्वारा समझाया गया। इस विषय पर बच्चों के लिए एक प्रश्नोत्तरी भी रखी गई तथा बच्चों ने एक छोटा-सा मॉडल भी बनाया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा "पपेट बनाना" कार्यशाला

दिनाँक 26 से 28 अक्टूबर, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई-कढ़ाई अनुभाग में बेकार के कपड़ों से "पपेट बनाने" की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों ने बेकार कपड़े, पुरानी प्लास्टिक की बोतलों व लकड़ियों का इस्तेमाल करके सुंदर-सुंदर कठपुतलियों का निर्माण किया। इस कार्यशाला में लगभग 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

संयुक्त सचिव द्वारा विभिन्न गतिविधियों का दौरा

दिनाँक 27 अक्टूबर, 2023 को श्री आनन्दराव विष्णु पाटिल, संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों का दौरा किया। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे नियमित रूप से बड़े पैमाने पर अपशिष्ट पदार्थों का पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग करके सुंदर कलाकृतियाँ एवं उपयोगी वस्तुएँ तैयार करते हैं। "बेकार की चीजों से उत्तम चीज बनाना" विशेष अभियान के अंतर्गत बच्चों द्वारा तैयार वस्तुओं की प्रदर्शनी संग्रहालय अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में दिनाँक 18 से 20 अक्टूबर, 2023 तक प्रदर्शित की गई। इस प्रदर्शनी का राष्ट्रीय बाल भवन निदेशक, उपनिदेशक एवं संयुक्त सचिव ने दौरा किया और तहेदिल से सराहना की।

सर्तकता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 30 अक्टूबर से 5 नवम्बर, 2023 तक 'सर्तकता जागरूकता सप्ताह' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत दिनाँक 31 अक्तूबर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक(प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता जी के समक्ष सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ली। उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी को अपने कार्य निष्पादन हेतु सतर्क रहने के लिए जागरूक किया व सभी को अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क रहने को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 31 अक्टूबर, 2023 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम' आयोजित किया गया। जिसके अन्तर्गत

राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक(प्रशासन)–श्री मुकेश गुप्ता जी एवं सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने एकता शपथ ली। तत्पश्चात् 'एकता दौड़' का आयोजन किया जिसमें सभी कर्मचारियों व सदस्य बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंत में "अमृत वाटिका" में वृक्षा रोपण भी किया गया।

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा "शंकर इंटरनेशनल डॉल म्यूज़ियम" का शैक्षिक भ्रमण

दिनाँक 2 नवम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा बच्चों को शंकर इंटरनेशनल डॉल म्यूज़ियम का दौरा कराया गया। बच्चों ने अनेक देशों जैसे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपिंस, न्यूजीलैंड, जापान, कोरिया, पाकिस्तान, अफ्रीका, भारत आदि देशों की वेशभूषा से सुशोभित गुड़ियाओं का संग्रह देखा, जिन्हें देखकर बच्चों ने देश-विदेश के पारंपरिक परिधानों और संस्कृति के बारे में जाना। इस कार्यशाला में लगभग 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में "वसुधैव कुटुम्बकम्" विषय पर दिनाँक 17 नवम्बर से 19 नवम्बर, 2023 तक राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य:- बच्चों को अपने देश की एकता बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में देशभर से 13 राज्यों के मान्यता प्राप्त 37 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के सदस्य बच्चे तथा उनके एस्कोर्ट, राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चे, जवाहर बाल भवन, माण्डी के सदस्य बच्चे और दिल्ली के कुछ सरकारी स्कूलों के बच्चों ने (लगभग 2000 बच्चों ने) भाग लिया। इस शिविर में सहभागी बच्चों के लिए बाह्य विशेषज्ञों और आंतरिक प्रशिक्षकों द्वारा सृजनात्मक कार्यशालाएं जैसे :- कैलीग्राफी, पॉट्री और क्ले, पट्टचित्र, हाथ की कठपुतली, चित्रकला, पर्यावरण, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, मेंहदी, बांस कला, छायांकन, सिम्यूलेटर, फन गेम्स, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, मिले-जुले कार्यकलाप, चरखा, रंगोली, सृजनात्मक लेखन इत्यादि तीन दिन तक आयोजित की गईं।

17 नवम्बर, 2023 को उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय बाल सभा के मुख्य अतिथि – श्री आनन्द प्रकाश-उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन, श्रीमती मुक्ता अग्रवाल-निदेशक(राष्ट्रीय बाल भवन) पधारे। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के संग्रहालय अनुभाग द्वारा संयोजित भव्य ग्रुप प्रदर्शनी का दौरा किया जिसमें सदस्य बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों को दर्शाया गया था तथा परिसर में आयोजित सांस्कृतिक मेले का दौरा किया। अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्जवलन के

साथ स्वस्ति वाचन हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् वाद्यवृन्द रचना "अविरल" की भव्य प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन भगवान विष्णु के दशावतारों का वर्णन करती हुई, कवि जयदेव के गीत गोविन्दम महाकाव्य से उद्धरित अष्टपदी "दशावतार" पर आधारित विहंगम नृत्य नाटिका से हुआ। इस नृत्यनाटिका "दशावतार" में गीत, वादन और नृत्य का अनूठा संगम था जो "वसुधैव कुटुम्बकम" के भाव को सार्थक करता है। श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन ने अतिथियों का राष्ट्रीय बाल भवन में पधारने का हृदय से आभार प्रकट किया एवं बच्चों को अपना आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम के सहभागियों ने बच्चों द्वारा बनाई कलाकृतियों की प्रदर्शनी का दौरा किया और राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा चल रही कार्यशालाएँ जैसे :- कैलीग्राफी, मधुबनी, चरखा, हाथ की कठपुतली, पट्टचित्र, क्ले, बांस कला, मेहंदी, चित्रकला, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, फोटोग्राफी, एअॅरो मॉडलिंग, फनी गेम्स, मिले-जुले कार्यकलाप, रंगोली, हस्तकला, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, सृजनात्मक लेखन आदि में बच्चों ने भाग लिया। दोपहर 2:00 से 5:00 बजे तक खुले रंग मंच में उत्तरी क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र-1 के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने नृत्य और संगीत का प्रस्तुतिकरण किया जिसमें विषय पर आधारित देशभक्ति नृत्य, ऑर्केस्ट्रा का समन्वय था। एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य पर आधारित एक नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें यह दर्शाया गया कि पूरा भारत देश एक परिवार है। सायं 6:30 बजे राष्ट्रीय बाल भवन में आमंत्रित विशेषज्ञ-कथक नृत्य के कलाकार श्री राजेन्द्र गंगानी व ग्रुप द्वारा प्रस्तुति की गई।

इस शिविर के दूसरे दिन 18 नवम्बर 2023 को प्रात: 10:00 से 1:00 बजे तक खुले रंग मंच में पूर्वी क्षेत्र और केन्द्रीय क्षेत्र के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी तत्पश्चात् राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा चल रही कार्यशालाएँ जैसे :- कैलीग्राफी, मधुबनी, चरखा, हाथ की कठपुतली, पट्टचित्र, क्ले, मेहंदी, बांस कला, चित्रकला, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, फोटोग्राफी, एअॅरो मॉडलिंग, फन गेम, मिले-जुले कार्यकलाप, रंगोली, हस्तकला, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, सृजनात्मक लेखन आदि में बच्चों ने भाग लिया। दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक खुले रंग मंच में पश्चिम क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र-2 के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा चल रही कार्यशालाएँ जैसे :- कैलीग्राफी, मधुबनी, चरखा, हाथ की कठपुतली, पट्टचित्र, बांस कला, क्ले, मेहंदी, चित्रकला, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, फोटोग्राफी, एअॅरो मॉडलिंग, फनी गेम्स, मिले-जुले कार्यकलाप, रंगोली, हस्तकला, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, सृजनात्मक लेखन आदि में भी बच्चों ने भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन के नाटक अनुभाग के बच्चों ने "वसुधैव कुटुंबकम" विषय पर आधारित एक नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक द्वारा संदेश दिया गया कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है। नाटक के प्रस्तुतीकरण की सभी सहभागियों ने सराहना की। सायं 6:30 बजे बनारस घराने की विश्व-विख्यात गायिका डॉ. सुनन्दा शर्मा जी ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उनके साथ वाद्ययंत्रों पर गुणी कलाकारों ने संगत की। रात्रि 8:30 बजे राष्ट्रीय बाल भवन के खुले मैदान में बच्चों के लिए बोनफायर का भी आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने खूब मस्ती में नृत्य किए।

19 नवम्बर, 20223 को प्रात: 10:00 से सायं 4:00 बजे तक राष्ट्रीय बाल भवन के गाँव क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा चल रही कार्यशालाएँ जैसे :- कैलीग्राफी, बांस कला, मधुबनी, चरखा, हाथ की कठपुतली, क्ले, मेहंदी, चित्रकला, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, फोटोग्राफी, एअॅरो मॉडलिंग, फनी गेम्स, मिले-जुले कार्यकलाप, रंगोली,

हस्तकला, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, सृजनात्मक लेखन आदि में बच्चों ने भाग लिया। सायं 4:00 बजे समापन समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय बाल सभा में श्रीमती मुक्ता अग्रवाल-निदेशक (राष्ट्रीय बाल भवन) एवं श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन), रा.बा.भ. की उपस्थिति में बच्चों द्वारा अनेकों सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ इस भव्य शिविर का समापन हुआ। कार्यक्रम देखकर निदेशक महोदया जी एवं श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) जी ने तहे दिल से कार्यक्रम की सराहना की। इस कार्यक्रम में सभी बच्चों ने अपने अनुभवों को साझा किया। अंत में सभी सहभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सायं 6:30 बजे श्री दीपक कुमार ने अपने बेहतरीन जादू के कारनामों से सबका मन मोह लिया।

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग द्वारा "जुराब से गुड़िया बनाना" कार्यशाला

दिनाँक 21 से 23 नवम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई-कढ़ाई अनुभाग में जुराबों के उपयोग से गुड़िया बनाना सिखाया गया। इस कार्यशाला में लगभग 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 22 से 24 नवम्बर, 2023 तक सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित स्कूलों के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया :-

क्र.सं.	स्कूल का नाम	तिथि	बच्चों की संख्या
1.	निगम प्रतिभा बालिका विद्यालय, स्वरूप नगर-1	22 से 24 नवम्बर, 2023	143
2.	निगम प्रतिभा विद्यालय गौतम नगर, नीति बाग, नई दिल्ली-49	22 से 24 नवम्बर, 2023	150
3.	निगम प्रतिभा विद्यालय सराय पीपल थाला-1, दिल्ली-110033	22 से 24 नवम्बर, 2023	100

संविधान दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में संविधान दिवस कार्यक्रम दिनाँक 25 नवम्बर, 2023 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक (प्रशासन) की उपस्थिति में खुले रंग-मंच में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। उपनिदेशक (प्रशासन) ने बताया कि हमें संविधान में दर्ज अपने अधिकारों और कर्तव्यों को पढ़ना

चाहिए और उन कर्तव्यों को अमल भी करना चाहिए। राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारी ने भारतीय संविधान को बनाने में डॉ. बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर के योगदान के बारे में अवगत कराया। उनके प्रयासों के कारण एक प्रगतिशील और मजबूत लोकतांत्रिक संविधान 2 साल 11 महीने 18 दिनों में बनकर तैयार हुआ। संविधान 26 नवम्बर सन् 1949 को पारित हुआ और 26 नवम्बर सन् 1950 को देश में लागू किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

हिंदी पखवाड़ा का "पुरस्कार वितरण समारोह"

दिनाँक 30 नवम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन में हिंदी पखवाड़ा का "पुरस्कार वितरण समारोह" आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, निदेशक (रा.बा.भ.), श्रीमती इन्द्राणी चौधुरी, उपनिदेशक (पीसीएण्डआर) ने विजयी प्रतिभागियों को पुरूस्कृत किया। पुरस्कार वितरण के पश्चात् पुरस्कृत बच्चों ने "काव्य-पाठन" भी किया।

सदस्य स्कूल के बच्चों द्वारा दौरा

दिनाँक 30 नवम्बर, 2023 को सोफिया पब्लिक स्कूल, गाज़ियाबाद, उ.प्र. ने राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा किया, जिसमें 68 बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, राष्ट्रीय बाल संग्रहालय का निर्देशित दौरा किया तत्पश्चात् रेलगाड़ी की सवारी का आनन्द उठाया।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा "कठपुतली" पर कार्यशाला

दिनाँक 21 से 29 नवम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन के संग्रहालय अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए कठपुतली पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस आठ दिवसीय कार्यशाला के दौरान बच्चों को श्रीनिवास मलैया मेमोरियल थिएटर शिल्प संग्रहालय, दिल्ली और राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी का दौरा कराया गया। कार्यशाला के अंत में बच्चों को एक छोटी कठपुतली प्रदर्शनी के रूप में अपनी कलाकृतियाँ प्रदर्शित करने का अवसर दिया गया।

विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन के संगणक अनुभाग द्वारा 2 दिसम्बर 2023 को 'विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस' मनाया गया, जिसमें लगभग 40 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों से वार्तालाप करने हेतु विशेषज्ञ श्री विरेन्द्र कुमार को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने आई.टी क्षेत्र और ई-कॉमर्स की भविष्य की समृद्धि से संबंधित जानकारी साझा की। इसके साथ-साथ बच्चों को विभिन्न प्रकार की जानकारियां दी गई तथा गतिविधियां कराई गई जैसे :- जी-20 बैठक में कम्प्यूटर की भूमिका, कम्प्यूटर वायरस, साइबर सेफ्टी आदि।

वाद्ययंत्र अनुभाग द्वारा "झपताल एवं इसका बाज" कार्यशाला

दिनाँक 6 से 8 दिसम्बर, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के तबला/ढोलक अनुभाग में तीन दिवसीय "झपताल एवं इसका बाज" कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया तथा निम्नलिखित गतिविधियों को सीखा -

1. झपताल का संक्षिप्त परिचय।
2. झपताल में दिल्ली घराने का कायदा (चार पल्टों और तिहाई सहित)।
3. तीनताल का सिंगारा।
4. झपताल में चक्रदार तिहाई।
5. तीनताल में नौहक्का तिहाई।

"फिट इंडिया वीक" कार्यक्रम

भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के आदेशानुसार दिनाँक 5 से 9 दिसम्बर, 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में "फिट इंडिया वीक" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह हेतु निम्नलिखित व्यापक खेल और फिटनेस गतिविधियाँ आयोजित की गई :-

1. दिनांक 5 दिसम्बर, 2023 को "एक सक्रिय फिट इंडिया" कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारियों ने अपने स्वस्थ जीवन शैली एवं अपने परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों को फिट और स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहित करने की प्रतिज्ञा ग्रहण की।
2. दिनांक 6 दिसम्बर, 2023 को विभिन्न खेल आयोजित किए गए।
3. दिनांक 7 दिसम्बर, 2023 को सभी कर्मचारियों को मोबाईल ऐप के माध्यम से फिटनेस मूल्यांकन बातों से अवगत कराया गया।
4. दिनांक 8 दिसम्बर, 2023 को ध्यान एवं योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
5. दिनांक 9 दिसम्बर, 2023 को स्वास्थ्य के महत्व पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सिलाई अनुभाग द्वारा "ड्रीम कैचर" कार्यशाला

दिनाँक 6 से 8 दिसम्बर, 2023 तक सिलाई अनुभाग द्वारा "ड्रीम कैचर" बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को ऊन व एल्यूमीनियम रिंग के इस्तेमाल से "ड्रीम कैचर" बनाना सिखाया गया।

लोक संगीत कार्यशाला

दिनाँक 15 से 17 दिसम्बर, 2023 तक प्रदर्शन कला विभाग के लोक संगीत गतिविधि के अंतर्गत तीन दिवसीय 'लोक संगीत' कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 30 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यशाला हेतु बच्चों को विभिन्न प्रांतों के पारंपरिक लोक गीतों व उनके साथ बजाए जाने वाली तालों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। आंमत्रित विशेषज्ञ के प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने अरूणाचल प्रदेश, कश्मीर, गुजरात एवं असम के लोक गीतों को सीखा।

तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 20 से 22 दिसम्बर, 2023 तक सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित स्कूलों के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न

गतिविधियों में भाग लिया जिससे बच्चों को अपनी कला और कौशल के विकास में मदद मिली :-

क्र.सं.	स्कूल का नाम	तिथि	बच्चों की संख्या
1.	उत्कृष्ट विद्यालय कृषि कुंज, नियर लोहा मण्डी फ्लाई ऑवर नई दिल्ली-110012	20 से 22 दिसम्बर, 2023	150
2.	निगम उत्कृष्ट विद्यालय 16-बी, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली-05	20 से 22 दिसम्बर, 2023	139
3.	एमसीपीएस आराम बाग लेन, एमसीडी चूना मण्डी पार्क, चित्रगुप्त रोड पहाड़ गंज, दिल्ली-110055	20 से 22 दिसम्बर, 2023	150
4.	रामजस प्राईमरी स्कूल, आनन्द पर्वत नई दिल्ली-110005	20 से 22 दिसम्बर, 2023	139
5.	निगम प्रतिभा विद्यालय बलजीत नगर-11, करोल बाग, नई दिल्ली-8	20 से 22 दिसम्बर, 2023	149
6.	निगम प्रतिभा सह-शिक्षा विद्यालय ईस्ट पटेल नगर, करोल बाग, नई दिल्ली-8	20 से 22 दिसम्बर, 2023	150

हिंदी कार्यशाला

दिनाँक 21 दिसम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन में हिन्दी कार्यशाला "गूगल मीट" के माध्यम से आयोजित की गई। कार्यशाला का नेतृत्व डॉ. श्याम सुंदर कथूरिया (बाहरी विशेषज्ञ) द्वारा किया गया, जिसमें "प्रशासनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग" पर चर्चा की गई। चर्चा से ज्ञात हुआ कि राजभाषा हिंदी की लिपि देवनागरी है इसके अतिरिक्त मराठी भाषा, नेपाली भाषा, मैथिली, सिंधी, कोकड़ी आदि की लिपि भी देवनागरी ही है। इस प्रकार नियमानुसार नामपट्ट तथा मोहरों पर पहले हिंदी तथा बाद में अंग्रेजी में लिखा होना चाहिए। इसके पश्चात् राजभाषा हिंदी के सामान्य ज्ञान पर भी चर्चा हुई जिसमें बताया गया कि भारत के संविधान में राजभाषा हिंदी का स्थान संविधान के 343 से 351 तक अर्थात् 9 अनुच्छेदों में वर्णित है। कार्यशाला में अनुवाद संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस कार्यशाला में लगभग 15 कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

दिनाँक 22 दिसम्बर, 2023 को राष्ट्रीय बाल भवन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम द्वारा आयोजित की गई। इस राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में प्रशासनिक हिंदी की उपयोगिता, कार्यालयी हिंदी का स्वरूप आदि पर चर्चा की गई। लिपि पर चर्चा करते हुए देवनागरी लिपि - इसका उद्भव, विकास तथा अन्य लिपियों के बारे में भी बताया गया। इस बैठक में लगभग 15 कर्मचारियों ने भाग लिया।

वीर बाल दिवस

भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के आदेशानुसार दिनाँक 21 से 26 दिसम्बर, 2023 तक सिखों के दसवें गुरू श्री गुरू गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में "वीर बाल

दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को साहिबज़ादों द्वारा प्रदर्शित त्याग, साहस, दृढ़ता, आत्मविश्वास, विचारशीलता और अन्य गुणों को प्राप्त करने में सक्षम बनाना था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सदस्य बच्चों के लिए एक सप्ताह हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम / गतिविधियाँ आयोजित की गई :-

1. दिनांक 21 दिसम्बर, 2023 को सदस्य बच्चों को "वीरता" गीत सिखाया गया तथा सदस्य बच्चों के साथ वीरता पर चर्चा की गई एवं शहीदों के बलिदानों से अवगत कराया।
2. दिनांक 22 दिसम्बर, 2023 को बच्चों द्वारा ईश्वर से शक्ति प्राप्त करने हेतु गुरबानी "शबद" प्रस्तुत किया गया। बच्चों को साहिबज़ादों की वीरता एवं बलिदान की गाथा सुनाई गई। 'चार साहिबज़ादे' फिल्म दिखाई गई। साहिबजादों के जीवन की प्रमुख घटनाओं का मानचित्र बनाने का सत्र आयोजित किया तथा विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक का अभ्यास किया गया।
3. दिनांक 23 दिसम्बर, 2023 को बच्चों के लिए पोस्टर बनाना, साहिबजादों के द्वारा किए गए बलिदानों हेतु 'Thank you card', 'Promise card' बनाना। चित्रकला बनाने की गतिविधि का आयोजन किया गया तथा बच्चों द्वारा "चार साहिबज़ादो" पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।
4. दिनांक 24 दिसम्बर, 2023 को बच्चों को एनिमेटेड मूवी शो "चार साहिबजादे" दिखाई गई। साहिबजादों के बलिदान एवं साहस की कहानी सुनाने का सत्र आयोजित किया गया, जिससे प्रेरणा लेकर बच्चों ने उनके जीवन से सीखे गए अन्य मूल्यों पर निबंध एवं कविता भी लिखी तथा बच्चों को साहिबजादों पर आधारित ऑनलाईन प्रदर्शनी भी दिखाई गई।
5. दिनांक 26 दिसम्बर, 2023 को Placard बनाना, शहीदों के बलिदान पर संवाद, प्रेरक गतिविधि, पंजाबी लोक नृत्य के माध्यम से कहानी सुनाना आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा तारामंडल कार्यशाला

दिनाँक 27 व 28 दिसम्बर, 2023 तक खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा तारामंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 15 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला का विषय था :- आदित्य-1, कार्यशाला के दौरान बच्चों को 10 तारामंडलों के नाम बताए गए व उनके चित्र बनाने की पूर्ण जानकारी दी गई। कार्यशाला के अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

आमोद दिवस कार्यक्रम

नए साल के आगमन पर राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में 3 जनवरी, 2024 को "आमोद दिवस" कार्यक्रम का आयोजन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और कर्मचारियों ने विभिन्न खेलों जैसे :- टग ऑफ वार, म्यूज़िकल चेयर, दौड़, नीम्बू रेस, थ्री लेग रेस, बैलून रेस इत्यादि खेलों में सहभागिता दर्ज की और खेलों का आनन्द

उठाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक महोदया-श्रीमती मुक्ता अग्रवाल भी उपस्थित थी। इस कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया। निदेशक महोदया ने खेलों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के संस्कृति शिल्प ग्राम में दिनांक 13 जनवरी, 2024 को लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम आयोजित किए गये। कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक-प्रशासन-श्री मुकेश गुप्ता भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों एवं कर्मचारियों ने गीत और नृत्य प्रस्तुत किये। उपनिदेशक-(प्रशासन) एवं प्रभारी अधिकारी (प्रदर्शन कला) ने लोहड़ी की अग्नि प्रज्ज्वलित कर बच्चों को इस कार्यक्रम की बधाई दी और कार्यक्रम में उपस्थित सभी सहभागियों को आशीर्वचन दिए।

सिलाई अनुभाग द्वारा "सादा फ्रॉक" की कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई अनुभाग द्वारा 'सादा फ्रॉक' की कार्यशाला दिनांक 4 से 7 जनवरी, 2024 तक आयोजित की गई, जिसमें लगभग 10 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को कार्यशाला के दौरान सादा फ्रॉक की ड्रॉफ्टिंग, पेपर पैटर्न बनाना, पेपर पैटर्न की सहायता से कपड़े पर ले-आउट करना, फ्रॉक की कटिंग करना, फ्रॉक के सभी आवश्यक नापों की जानकारी, फ्रॉक पर लगाई जाने वाली डार्ट्स व प्लीट्स इत्यादि की जानकारी दी गई। कार्यशाला के अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 17 से 19 जनवरी, 2024 तक सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न सृजनात्मक गतिविधियों में भाग लिया जिससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजनात्मकता को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ अपने हुनर को भी निखारा।

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा "ग्रहण" की कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन के खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 'ग्रहण'(सूर्य व चंद्र) की कार्यशाला दिनांक 20 से 21 जनवरी, 2024 तक आयोजित की गई, जिसमें लगभग 12 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को चंद्र ग्रहण व सूर्य ग्रहण के समय सूर्य, चंद्र तथा पृथ्वी की स्थिति की जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान बच्चों को मॉडल बनाने सिखाए गए।

सदस्य विद्यालय के बच्चों के लिए सृजनात्मक गतिविधि

दिनाँक 20 जनवरी, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्यता प्राप्त जी.डी. गोएंका विद्यालय के 27 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न सृजनात्मक गतिविधियों जैसे हस्तकला, चित्रकला, विज्ञान गतिविधियां, प्रदर्शन कला

आदि में भाग लिया। उन्हे राष्ट्रीय बाल संग्रहालय का एक विस्तृत शैक्षिणिक दौरा भी कराया गया। इसके पश्चात् उन्होने रेलगाड़ी की यात्रा का लुत्फ भी उठाया।

'महा मानव की महान रचना' पर एक नाट्कीय रूपांतरण

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला विभाग के नाटक अनुभाग के 35 सदस्य बच्चों द्वारा द्वारा डॉ भीम राव अम्बेडकर पर 'महा मानव की महान रचना' का नाट्कीय रूपांतरण मेखला झा सभागार में दिनांक 21 जनवरी, 2024 को प्रस्तुत किया गया, जिनका लगभग 200 सहभागियों ने आनन्द लिया। नाटक का उद्देश्य यह दर्शाना था कि चाहे परिस्थिति कैसी भी हो, अपना संयम और आत्मविश्वास और समाज एवं देश के लिए कुछ कर गुजरने की सकारात्मक सोच बनाए रखना अत्यधिक जरूरी है।

'29वाँ राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन - कार्यक्रम

रूपायतन बाल भवन, जूनागढ़ गुजरात में दिनाँक 23 से 25 जनवरी, 2024 तक "प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ" विषय पर तीन दिवसीय "29वाँ राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन" आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में पूरे भारत के 17 संबद्ध राज्य बाल भवन/बाल केन्द्रों की टीमों ने भाग लिया। बच्चों ने प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के तरीकों को प्रेरित करने और विकसित करने के लिए रचनात्मक रूप से केस स्टडीज, लघु नाटिका तथा पोस्टर बनाने की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। बच्चों को अप्परकोट, सक्करबाग प्राणी उद्यान और अशोक शिला लेख जैसे स्थानीय दार्शनिक स्थलों का दौरा भी कराया गया। बच्चों के लिए ट्रैकिंग, वार्ता, पेंटिंग प्रतियोगिता, वृक्षारोपण, जैसी विभिन्न मनोरंजक आधारित शिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की गई। बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए अनुभवात्मक शिक्षा से भरपूर रहा।

14वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में दिनाँक 25 जनवरी, 2024 को "वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम" विषय पर 14वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों ने मतदाता शपथ समारोह में भाग लिया। इस समारोह में लगभग 50 कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण की।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में सहभागिता

दिनाँक 29 जनवरी, 2024 को "भारत मण्डपम" प्रगति मैदान में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एक रोमांचित

संस्करण – परीक्षा पे चर्चा 2024 में माननीय प्रधानमंत्री– श्री नरेंद्र मोदी जी ने छात्रों के साथ परीक्षा से सम्बंधित बातचीत की। राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों ने इस कार्यक्रम में देशभक्ति पर आधारित गीतमाला व नृत्य का प्रस्तुतीकरण कर सभी का मन मोह लिया एवं श्रीमती नेहा वत्स खंकरियाल ने समूह गान भी करवाया।

स्वच्छता प्रदर्शनी का उद्घाटन कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में स्वच्छता के महत्व को उजागर करने के लिए एक प्रदर्शनी स्थापित की गई जिसका उद्घाटन 14 फरवरी, 2024 को माननीय अतिथि श्री विपिन कुमार–अपर सचिव, शिक्षा मंत्रालय व अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन के कर कमलों द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी का मूल उद्देश्य सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

बसंत पंचमी

दिनाँक 14 फरवरी, 2024 को बसंत पंचमी के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री विपिन कुमार–अपर–सचिव, श्रीमती मुक्ता अग्रवाल–निदेशक (राष्ट्रीय बाल भवन) एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री विपिन कुमार एवं श्रीमती मुक्ता अग्रवाल ने सरस्वती माँ को पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना की एवं बच्चों को परीक्षा का तनाव कम कर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रदर्शन कला विभाग के सदस्य बच्चों ने सरस्वती वन्दना की प्रस्तुति दी। बसंतोत्सव के पावन अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की विहंगम प्रस्तुति दी गई।

तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 7 से 9 फरवरी, 2024 तक सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न सृजनात्मक गतिविधियों में भाग लिया, जिससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ–साथ अपने हुनर को भी निखारा।

संग्रहालय अनुभाग द्वारा “हमारा स्वास्थ्य–हमारा अभिमान” की कार्यशाला

दिनांक 7 से 9 फरवरी, 2024 तक राष्ट्रीय बाल भवन के संग्रहालय अनुभाग द्वारा ‘हमारा स्वास्थ्य–हमारा अभिमान’ की कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। तीन दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं में उनके स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक करना था, ताकि बच्चे परीक्षा से पहले तनाव मुक्त रहें।

1. बच्चों की स्वस्थ जीवन शैली और तनाव मुक्त रहने के लिए पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चर्चा की गई। बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए सूर्य नमस्कार, हास्य योग, सांस लेने और आँखों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने वाले योग कराए गए।
2. बीमारियों से स्वयं को बचाने के लिए संतुलित आहार के महत्व पर एवं अपनी और अपने आस-पास की स्वच्छता पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चर्चा की गई और प्राथमिक चिकित्सा किट बनवाए तथा अभिव्यक्ति पर आधारित मनोरंजक गतिविधियाँ कराई गई।
3. जड़ी-बूटियों को जानने और पहचानने की गतिविधियाँ भी कराई गई।

अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

सिलाई अनुभाग द्वारा "सादा प्लाज़ो" बनाने की कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई अनुभाग द्वारा 'सादा प्लाज़ो' की कार्यशाला दिनांक 7 से 10 फरवरी, 2024 तक आयोजित की गई, जिसमें लगभग 10 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को कार्यशाला के दौरान सादा प्लाज़ो के लिए उपयोगी नाप लेना, ड्राफ्टिंग करना, पेपर पैटर्न बनाना, ले-प्लान करके प्लाज़ो के लिए कपड़े की कटिंग करके सिलना सिखाया गया। कार्यशाला के अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला

दिनाँक 21 से 23 फरवरी, 2024 तक सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न सृजनात्मक गतिविधियों में भाग लिया जिससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया बल्कि अभिव्यक्ति एवं सृजनात्मकता को भी निखारा। साथ ही तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ अपने हुनर को भी निखारा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम

28 फरवरी, 2024 को "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 36 कर्मचारियों एवं 30 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का विषय था – "प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ" इस अवसर पर एनजीओ डिफ्यूज़ एनवायर्नमेंटल एजुकेशन कीप सोसाइटी हम्बल अवेयर (दीक्षा) से एक विशेषज्ञ को बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण के विभिन्न पहलुओं और पर्यावरण पर प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव के बारे में बताया तथा प्लास्टिक, हवा और पानी जैसे जीवित रहने के आवश्यक संसाधनों को प्रदूषित करके विभिन्न जीवन रूपों को कैसे प्रभावित करता है, भी समझाया। अंत में बच्चों ने प्लास्टिक प्रदूषण से सम्बंधित पोस्टर भी बनाए।

हिंदी कार्यशाला

दिनाँक 21 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन में हिन्दी कार्यशाला "गूगल मीट" के माध्यम से आयोजित की गई। कार्यशाला का नेतृत्व डॉ. श्याम सुंदर कथूरिया (बाहरी विशेषज्ञ) द्वारा किया गया। कार्यशाला का विषय था – हिंदी

व्याकरण। इस विषय का एकमात्र उद्देश्य था – कर्मचारियों द्वारा कार्यालयी कार्यों में राजभाषा हिंदी का शुद्ध रूप में प्रयोग। इस कार्यशाला में 01 अधिकारी एवं लगभग 24 कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

दिनाँक 22 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक "गूगल मीट" के माध्यम से सभी के औपचारिक परिचय के साथ शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता, राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक-श्रीमती मुक्ता अग्रवाल द्वारा की गई। इस राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में प्रशासनिक हिंदी की उपयोगिता, कार्यालयी हिंदी का स्वरूप आदि पर चर्चा की गई जिससे ज्ञात हुआ कि हिंदी में किए जाने वाले कार्यों की प्रतिशतता में भी बढ़ोतरी हो रही है। इस बैठक में लगभग 10 कर्मचारियों ने भाग लिया।

होली महोत्सव

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में दिनाँक 22 मार्च, 2024 को होली का पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। होली के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक-श्रीमती मुक्ता अग्रवाल एवं उपनिदेशक(प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत कुमारी शरन्या द्वारा होलिका दहन की कहानी सुनाकर किया गया, जोकि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। तत्पश्चात् प्रदर्शन कला विभाग द्वारा अत्यंत ही मनमोहक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गई, जिसमें गायन, वादन एवं नृत्य सम्मिलित थे। इन प्रस्तुतियों में बच्चों के साथ-साथ प्रशिक्षकों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया और अपनी मनमोहक प्रस्तुति से सभी को भाव-विभोर कर दिया। अंत में निदेशक रा.बा.भ. व उपनिदेशक (प्रशासन) द्वारा प्रस्तुतियों की अत्यंत सराहना की गई व उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाओं के साथ-साथ सुरक्षित होली खेलने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों ने एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा कर होली उत्सव की बधाई दी। इस कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

परिचय

जवाहर बाल भवन राष्ट्रीय बाल भवन की एक ग्रामीण इकाई है। साठ के दशक के मध्य में जवाहर बाल भवन की स्थापना की योजना शुरू हुई थी। माण्डी में जवाहर बाल भवन इसी योजना का विस्तार है। यह ग्रामीण इकाई पहली बार 1972 में स्थापित की गई थी और यहां मांडी गांव की चौपाल से काम करना शुरू किया गया था। श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने वर्ष 1973 में अपने वर्तमान स्थान पर केंद्र का उद्घाटन किया था, जहाँ मांडी के ग्रामीणों ने इसे स्थापित करने के लिए 4.75 एकड़ पंचायत भूमि दान की थी और इसे 'जवाहर बाल भवन, मांडी' नाम दिया गया था। अतः इसका मुख्य उद्देश्य मांडी, महरौली, जौनपुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, मंगलापुरी, ग्वालपहाड़ी, बंधवारी, असोला, आया नगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदानगढ़ी, राजपुर, सतबरी, चंदनहोला, फतेहपुरबेरी, डेरा, भट्टी माइंस के नेब सराय गांव के ग्रामीण बच्चों की पढ़ाई को पूरा करना था। यह एक संस्था है जिसका उद्देश्य बच्चों को उनकी उम्र, योग्यता और क्षमता के अनुसार बातचीत करने, प्रयोग करने, निर्माण करने और प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न गतिविधियां, अवसर और सामान्य मंच प्रदान करके उनकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना है। यह अपार संभावनाओं के साथ बाधा रहित वातावरण प्रदान करता है। वर्तमान में चल रही गतिविधिया है-शारीरिक शिक्षा, हस्तकला या शिल्पकला, नृत्य, संगीत, कंप्यूटर, गृह प्रबंधन, फोटोग्राफी और प्रकाशन।

पोस्टर निर्माण कार्यशाला

प्रकाशन अनुभाग की इस कार्यशाला में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला में बच्चों ने 'विषय क्या है' 'पोस्टर कैसे बनाएं' आदि सीखा। बच्चों ने यह सीखकर प्लास्टिक का उपयोग न करने के संदेश का प्रचार-प्रसार करने तथा प्लास्टिक का उपयोग समाप्त कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प लेने से संबंधित पोस्टर बनाए। कुछ बच्चों ने डिजिटल पोस्टर भी बनाए जैसे: 'जल ही जीवन है', 'एकल उपयोग प्लास्टिक को ना कहें' आदि।

विश्व पर्यावरण दिवस

पर्यावरण दिवस 2023 जवाहर बाल भवन मांडी में 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम के साथ मनाया गया, शुरुआत में 'मिशन लाइफ' के रूप में प्रतिज्ञा ली गई, जिसके बाद परिसर के भीतर बच्चों और कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रैली निकाली गई। बच्चे मुखौटे पहने हुए थे, हाथों में

तख्तियां लिए हुए थे और पर्यावरण संरक्षण के नारे लगा रहे थे। रैली उस स्थान पर समाप्त हुई जहां बच्चों द्वारा बनाए गए विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के जानवरों को रखा गया और जानवरों की देखभाल की आवश्यकता बताई गई ताकि वे विलुप्त न हो जाएं। बच्चों के उत्साह की कोई सीमा नहीं थी और चिलचिलाती गर्मी भी उन्हें पर्यावरण जागरूकता पैदा करने के उनके उद्देश्य से नहीं डगमगा सकी। तत्पश्चात जीवन पर आधारित थीम जैसे 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली', 'जल बचाएं', 'पर्यावरण बचाएं', 'एकल उपयोग प्लास्टिक' आदि पर सामूहिक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें तीन अलग-अलग आयु समूहों के लगभग 350 बच्चों ने भाग लिया। जवाहर बाल भवन, मांडी के कला एवं शिल्प अनुभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में (5 वर्ष से 8 वर्ष, 9 वर्ष से 12 वर्ष और 13 वर्ष से 16 वर्ष) ने भाग लिया। वह एक अद्भुत दिन था, पूरा हॉल और मंच बच्चों से भरा हुआ था। उनके सफेद कागज रंगीन रचनात्मक चित्रों से भरे हुए थे।

रचनात्मक कला में बाल श्री पुरस्कार विजेता सुमीत पाटिल ने पेंटिंग प्रतियोगिता के दौरान अचानक दौरा किया और बच्चों को प्रेरित किया। प्रकाशन अनुभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों यानी ग्रीटिंग कार्ड, बुक मार्क इत्यादि का एक संकलन ई-न्यूज पेपर (ई-अक्करबक्कर टाइम्स) में शामिल किया गया था।

मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता और दंत जांच

इंडियन डेंटल एसोसिएशन (दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र) और डॉ. चंद्रशेखर जोशी मेमोरियल फाउंडेशन के सहयोग से जवाहर बाल भवन मांडी में मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया।

बच्चों को संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से ओरल स्वास्थ्य 'स्वच्छ मुँह' के महत्व के बारे में बताया गया। डॉक्टरों ने बच्चों को अपने दांतों की देखभाल कैसे करनी चाहिए एवं उसके महत्व के बारे में बताया और इस संबंध में एक लघु वीडियो भी दिखाया गया। फिर डॉ. चंद्रशेखर जोशी अध्यक्ष, आईडीए, दक्षिण दिल्ली क्षेत्र, संस्थापक डॉ. चंद्रशेखर जोशी मेमोरियल फाउंडेशन और पूर्व सदस्य बाल भवन, डॉ. नेहा, प्रभारी सामुदायिक दंत स्वास्थ्य, डॉ. उपासना और डॉ. चारु अग्रवाल, सदस्य आईडीए जैसे डॉक्टरों द्वारा बच्चों का डेंटल चेक-अप किया गया और प्रत्येक बच्चे को एक एक टूथपेस्ट एवं दंत विश्लेषण रिपोर्ट दिया गया।

ग्रीष्मकालीन उत्सव का उद्घाटन

जवाहर बाल भवन मांडी में 23 मई से 21 जून, 2023 तक ग्रीष्मोत्सव का आयोजन किया गया। पहले दिन की शुरुआत एक उत्सव के रूप में हुई, जिसमें सदस्य बच्चों ने पारंपरिक नक्कारा बजाया और कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जैसे वाद्य संगीत, नृत्य के विभिन्न रूप और जवाहर बाल भवन, मांडी के कर्मचारियों द्वारा लिखे गए रचनात्मक गीत।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ग्रीष्मकालीन उत्सव के दौरान बच्चों ने मनमोहक योग प्रस्तुत किया। अतिथियों द्वारा समाचार पत्र 'अक्कडबक्कड टाइम्स' का विमोचन भी किया गया। 'अक्कडबक्कड टाइम्स' प्रकाशन अनुभाग में समाचार पत्र कार्यशाला का परिणाम था।

पूरे ग्रीष्मकालीन उत्सव के दौरान सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं का आयोजन किया गया, जहाँ सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड के कर्मचारियों ने विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लिया। पूर्व सदस्य बच्चों द्वारा रिकॉर्ड की गई घोषणा और बाल भवन के गीत 'मन भवन मनरंजन मंजुल' पूरे ग्रीष्मकालीन सत्र में परिसर में गूंजता रहा।

समाचार पत्र कार्यशाला

प्रकाशन अनुभाग की इस कार्यशाला में पहले दिन लगभग 60 तथा दूसरे दिन लगभग 70 बच्चों ने भाग लिया। प्रबंधक (प्रकाशन) ने बच्चों को ब्रेकिंग न्यूज, इंट्रो, न्यूज स्टोरी, फोटो कैप्शन और विज्ञान आदि विषयों पर ज्ञान दिया। उप निदेशक (कार्य. सम. एवं अनु.) द्वारा चर्चा की गई।

प्रतिभागियों को समाचार पत्र निर्माण के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बहुत सी बातें सीखीं जो उनकी पढ़ाई में भी बहुत उपयोगी रहीं।

स्क्रीन प्रिंटिंग कार्यशाला

प्रकाशन अनुभाग की स्क्रीन प्रिंटिंग कार्यशाला में सभी बच्चों को प्रिंटिंग के हर पहलू से अवगत कराया गया। बच्चों को, स्क्रीन प्रिंटिंग कैसे की जाती है- इसकी जानकारी दी गई और बच्चों ने स्वयं इसे समझ कर उत्साहपूर्वक किया।

ग्रीष्मोत्सव का समापन समारोह

जवाहर बाल भवन मांडी में ग्रीष्मोत्सव 2023 के समापन समारोह का आयोजन भव्य तरीके से किया गया। इस कार्यक्रम में बाल भवन के पूर्व सदस्य व रंगमंच के प्रख्यात एवं सिने कलाकार श्री पूर्णेन्दु भट्टाचार्य जी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे थें। साथ ही श्रीमती रूना भट्टाचार्य, थिएटर कलाकार और शास्त्रीय गायिका व संगीता शर्मा, सरदार पटेल विद्यानिकेतन की एचओएस सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

श्री भट्टाचार्य ने कला और शिल्प अनुभाग के बच्चों द्वारा, गुरु के मार्गदर्शन में बनाए गए मूर्तिकला पार्क 'जलवायु और उनके वन्यजीव' का उद्घाटन किया तथा कला और शिल्प अनुभाग के गुरु के साथ इस मूर्तिकला पार्क एवं रचनात्मक कार्यों की लगाई गई प्रदर्शनी का दौरा किया। इसके बाद विशिष्ट अतिथियों ने कला एवं शिल्प अनुभाग के बच्चों द्वारा बनाई गई जिराफ की तार की मूर्ति के चारों ओर लताएं लगाई। बाद में आर्ट गैलरी में एक और प्रदर्शनी का उद्घाटन सम्मानित अतिथि श्रीमती रूना भट्टाचार्य द्वारा किया गया।

बच्चों ने पर्यावरण को संरक्षित करने की आवश्यकता पर गीत, ऑर्केस्ट्रा, नृत्य (तेरातालीय चरी, भरतनाट्यम, गणेश कौत्वम, डांडिया) नक्कारा गायन और थिएटर प्रस्तुत किया। थिएटर का निर्देशन श्री शंकर डे द्वारा किया गया जो स्वेच्छा से जवाहर बाल भवन, मांडी में सेवा प्रदान करते हैं।

दिल्ली दर्शन यात्रा

24 जून 2023 से 25 जून 2023 तक जवाहर बाल भवन मांडी के सदस्य बच्चों और स्टाफ द्वारा दिल्ली दर्शन के दौरे का आनंद लिया गया। इस कार्यक्रम की योजना और संचालन प्रकाशन अनुभाग, जवाहर बाल भवन द्वारा किया गया था।

दिल्ली भ्रमण में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। दिल्ली भ्रमण के दौरान बच्चों को लोटस टेम्पल, अक्षरधाम मंदिर, इंडिया गेट और राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र घुमाया गया।

बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन भी घुमाया गया जहाँ उन्हें ऐतिहासिक जानकारी के साथ-साथ विज्ञान एवं वीरों के बलिदान की जानकारी भी दी गई। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों ने योगाभ्यास किया और उन्हें रिपोर्टिंग और चित्रण के बारे में भी बताया गया। इन गतिविधियों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस यात्रा के दौरान बच्चों ने बहुत कुछ सीखा और खूब मौज-मस्ती भी की। यह उन बच्चों के लिए बहुत यादगार यात्रा थी जिन्हें कभी ऐसे अवसर नहीं मिले क्योंकि यहाँ अधिकांश बच्चे ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं।

पुस्तक निर्माण एवं चित्रण कार्यशाला

प्रकाशन अनुभाग की पुस्तक निर्माण एवं चित्रण कार्यशाला के दौरान बच्चों ने 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के तहत क्रांतिकारियों को याद किया। उनके बलिदान और कार्य को श्रद्धांजलि देने के लिए, बच्चों द्वारा 'मेरी माटी, मेरा देश' पर एक ई-पुस्तक बनाई गई।

यह कार्यशाला 06 दिनों की थी जिसमें बच्चों को हर पहलू जैसे एडिटिंग, प्रोडक्शन और विज्ञापन, सॉफ्टवेयर का उपयोग जैसः- फोटोशॉप, इलस्ट्रेशन, 2डी एनिमेशन आदि के बारे में विशेष जानकारी दी गई।

स्वतंत्रता दिवस का उत्सव

भारत में स्वतंत्रता दिवस हर साल 15 अगस्त को मनाया जाता है। जवाहर बाल भवन मांडी में इस वर्ष 76वां स्वतंत्रता दिवस पूरे धूमधाम से मनाया गया। पूरे परिसर को तिरंगे झंडों, गुब्बारों और स्ट्रीमर से सजाया गया। दिन की शुरुआत उप निदेशक (कार्य. सम. एवं अनु.) और बच्चों द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने से हुई। दो एनसीसी कैडेट

(पूर्व सदस्य) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। बच्चे हमारा तिरंगा झंडा थामे नजर आए. ध्वजारोहण के बाद बच्चों और स्टाफ द्वारा 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान को चिह्नित करने के लिए पंचप्रण प्रतिज्ञा ली गई।

इसके बाद बच्चों ने मातृभूमि और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में कविताएं, नारे और नृत्य प्रस्तुत किए।

दिन के अंत में बच्चे पतंग उड़ाने के लिए बहुत उत्साहित थे जो उन्हें प्रदान की गई थीं। पतंगें काफी ऊंचाई तक उड़ीं और उनका उत्साह भी बढ़ा एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर की कविता 'जहाँ मन भय रहित हो' हवा में गूँजती प्रतीत हुई।

मेरी माटी मेरा देश अभियान

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के समापन कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। इसे 9 से 30 अगस्त 2023 तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को सभी के सौहार्द और भाईचारे के उद्देश्य से मनाया गया।

जवाहर बाल भवन मांडी ने इस अभियान को ब्रिटिश शासन से भारत वर्ष को मिली आजादी का उत्सव के रूप में मनाने के लिए 11 से 23 अगस्त 2023 तक कई गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया।

18 अगस्त को वीरों का वंदन के लिए – हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए बच्चों को झाँसी की रानी पर एक ऑडियो विजुअल प्रस्तुति दिखाई गई, जिसके बाद 'भाग भाग रे भाग फिरंगी झाँसी कि रानी है आई' और 'खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी' पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद मातृभूमि के लिए एक स्तुति के रूप में: मेरी माटी मेरा देश, बंगाली गीत 'वो अमार देशेर माटी' पर आधारित एक नृत्य प्रस्तुत किया गया। गीत में हमारी मातृभूमि की मिट्टी के प्रति श्रद्धापूर्वक झुकने की बात कही गई है और बताया गया है कि यह मिट्टी (माटी) हमें सब कुछ देती है और इसलिए यह हम सभी के भीतर गहराई से बसी है 'मेरी माटी मेरा देश' इस अभियान के दौरान, प्रकाशन विभाग, जवाहर बाल भवन माण्डी में बच्चों के लिए एक 'पुस्तक निर्माण और पेंटिंग' कार्यशाला का आयोजन किया गया था । इस कार्यशाला के दौरान बच्चों ने पुस्तक के माध्यम से क्रांतिकारियों और उनके बलिदानों को याद किया।

जवाहर बाल भवन मांडी में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के समापन अवसर पर भारत माता और वीर सपूतों को दिल से याद किया गया और उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

रक्षाबंधन उत्सव

रक्षाबंधन की तैयारी, त्योहार से पहले ही जवाहर बाल भवन मांडी में शुरू हो गई थी और पूर्व छात्रों के मार्गदर्शन में सदस्य बच्चे घर में ही विभिन्न प्रकार की राखियां बना रहे थे। जवाहर बाल भवन मांडी में हर साल रक्षाबंधन बच्चों द्वारा बनाई गई राखियों के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष भी लड़कियों ने पारंपरिक तरीके से लड़के और शिक्षकों को राखी बांधी, जो उनके बीच के बंधन को दर्शाता है।

जवाहर बाल भवन मांडी में इस त्योहार को बहनों के आपसी मेल-मिलाप और प्रेम के रूप में भी मनाया गया इसलिए उप निदेशक (कार्य.सम. एंव अनु.) की तरफ से सभी सदस्य लड़कियों को पवित्र धागा और तिलक दिया गया।

स्वच्छता ही सेवा

'स्वच्छता ही सेवा' के दौरान विशेष अभियान 3.0 की तैयारी करते समय बच्चों ने अपना योगदान उत्साहपूर्वक दिया। प्लास्टिक के एकल प्रयोग को कम करने का संदेश देने के लिए बच्चों ने पेपर बैग बनाए। सब ने मिलकर स्वच्छ भारत के संदेश को बढ़ावा देने के लिए तख्तियां और हेड गियर बनाए और नारे भी लिखे।

1 अक्टूबर 2023 को सुबह 10:00 बजे जवाहर बाल भवन मांडी के कर्मचारियों, सदस्य बच्चों और पूर्व छात्रों ने एनजीओ के अधिकारियों के साथ मिलकर 'स्वच्छता ही सेवा' के लिए श्रमदान पर राष्ट्र के साथ एक जुट होकर 'एक तारिख, एक घंटा, एक साथ' नामक अभियान चलाया।

साथ ही सफाई अभियान, पौधारोपण, रैली भी किये। अत: बच्चों ने बेहतर जीवन के लिए 'स्वच्छता की आवश्यकता को बढ़ावा देने और आस-पास स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?' पर आधारित नारे लगाए, पेपर बैग बनाए और टोपी पहने दिखाई दिए।सबसे पहले बच्चों ने रैली निकालकर लोगों को अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया फिर प्लास्टिक की थैलियों के उपयोग को समाप्त करने के लिए बढ़ावा देने में मदद करने के लिए पेपर बैग बनाए और स्वच्छता ही सेवा अभियान में योगदान देने के लिए उन्हें अपने पेपर बैग में सड़क पर बिखरे रैपर और कागज इकट्ठा किए। अन्त में सभी ने मिलकर स्वच्छता से संबंधित नारे लिखे और लगाए।

हरियाली और ताजी हवा सुनिश्चित करने के लिए बच्चों और स्टाफ ने पौधे लगाए। स्टाफ सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र की सफाई की और उसे सुंदर बनाया। इसके वीडियो जवाहर बाल भवन मांडी के व्हाट्सएप ग्रुप एवं फेसबुक अकाउंट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए गए और राष्ट्रीय बाल भवन के साथ भी साझा किया गया।

ग्रीटिंग कार्ड बनाने की कार्यशाला

प्रकाशन अनुभाग में ग्रीटिंग कार्ड बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को पॉप अप ग्रीटिंग कार्ड, लिनो प्रिंट और स्क्रीन प्रिंटिंग बनाना सिखाया गया और इसकी प्रदर्शनी भी लगाई। सभी बच्चों ने इन कार्यशालाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी बच्चों को जलपान भी दिया गया।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर

राष्ट्रीय बाल भवन प्रत्येक वर्ष अपनी वार्षिक राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर का आयोजन करता है।

जवाहर बाल भवन मांडी के सदस्य बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर में भाग लिया। जवाहर बाल भवन मांडी के स्टॉल में नेचर वॉक और नेचर ट्रेल का प्रदर्शन किया गया, जिसे 'वसुधैव

कुटुंबकम (एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य)' थीम के साथ मानव आकृति के अतिरिक्त कटआउट के साथ एकीकृत किया गया था, एवं इस प्रदर्शनी ने बहुतों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। राष्ट्रीय बाल भवन के उपाध्यक्ष और निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन ने इसकी काफी सराहना की, इसलिए इसी थीम पर विशेष सेल्फी कॉर्नर बनाया गया। स्टॉल में अन्य रचनात्मक कार्यों को भी प्रदर्शित किया गया और विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों का लाइव प्रदर्शन किया गया, जहां छोटे वाद्ययंत्रवादियों ने अपनी कुशल कला से जादू बिखेरा और सदस्य बच्चों द्वारा लिनो प्रिंट बनाने की गतिविधि भी आयोजित की गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष, रा. बा.भ. और निदेशक, रा.बा.भ. द्वारा मेरी माटी मेरा देश पर एक विशेष स्क्रीन मुद्रित पोस्टर भी जारी किया गया। बच्चों ने मनमोहक कथक गायन और विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों पर संगीतमय प्रस्तुति दी।

दूसरे दिन भी जवाहर बाल भवन मांडी के स्टॉल पर भीड़ उमड़ती रही और गतिविधियों की गूंज गूंजती रहीं।

संविधान दिवस

जवाहर बाल भवन मांडी में संविधान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। बच्चों और स्टाफ ने हिंदी और अंग्रेजी में प्रस्तावना पढ़कर शपथ ली और संविधान के मूल सिद्धांतों पर चर्चा की। इस अवसर पर 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाने और 26 जनवरी 1950 को यह कैसे लागू किया गया जब भारत एक संप्रभु समाजवादी लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया, इस पर भी चर्चा की गई।

आमोद दिवस

नए साल की शुरुआत आमोद दिवस के रूप में जवाहर बाल भवन मांडी में कई मनोरंजक गतिविधियों और खेलों के साथ मनाई गई, जिसमें मिठाइयों का भी आनंद लिया गया।

लोहड़ी उत्सव

लोहड़ी का त्योहार, देश के विभिन्न हिस्सों में मकर संक्रांति, पोंगल, उत्तरायण, बिहू एवं नई फसल आदि के त्योहार के रूप में मनाया जाता है।

जवाहर बाल भवन मांडी में भी इसे बहुत ही पारंपरिक तरीके से मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी, लोहड़ी पर्व के दिन एक पवित्र-अग्नि विधिवत जलाई गई। सदस्य बच्चों ने पवित्र अग्नि के चारों ओर सुंदर रंगोली बनाई और सभी ने मिलकर उसके चारों ओर परिक्रमा लगाई। नवीनतम फसल के मौसम की खुशी में सभी बच्चे और कर्मचारियों ने संगीत के साथ पवित्र-अग्नि के चारों ओर नृत्य भी किये।

पराक्रम दिवस और राष्ट्रीय एकता दिवस का उत्सव

जवाहर बाल भवन, मांडी में स्वतंत्रता सेनानी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप. निदेशक (कार्य.सम.एवं आनु) द्वारा भारत के देशभक्तों और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के योगदान व बलिदान के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

एकता दिवस

(31 अक्टूबर) सरदार पटेल की जयंती को पूरे देश में एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन स्टाफ और बच्चे, एक जुट होकर एकता की शपथ ली। प्रतिज्ञा से पहले बच्चों को सरदार पटेल के जीवन और भारत के उत्थान के लिए उनके विशेष योगदान के बारे में बताया गया और यह भी बताया गया कि उनकी जयंती को एकता दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है। उप- निदेशक (कार्य.सम.एवं अनु) ने संक्षिप्त विवरण दिया कि कैसे स्वतंत्रता-पूर्व, देश की 562 रियासतों को भारत गणराज्य बनाने के लिए एकजुट किया गया था।

सांस्कृतिक गतिविधि

'जानकी (11 से 14 जनवरी 2024)'

मांडी दिवस 2023-24 के अवसर पर 'जानकी' पर चार दिवसीय (11 से 14 जनवरी 2024 तक)

'संग्रहालय कार्यशाला' आयोजित की गई। इस कार्यशाला में जवाहर बाल भवन मांडी के 8 वर्ष से 16 वर्ष की आयु के 25 सदस्य बच्चों ने भाग लिया अत: इसका आयोजन भारत की मूर्त एवं अमूर्त विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से किया गया था। इस कार्यशाला के दौरान बच्चों ने भारत की लोक कला के महत्व को सीखा, और जाना कि कैसे संग्रहालय, विश्व स्तर पर हमारी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों को 'महिला सशक्तिकरण के पहलुओं के साथ जानकी: रामायण' के बारे में सिखाया सीताजी से संबंधित कहानियाँ सुनाई गई और बच्चों ने 'जानकी': सीताजी के जीवन पहलुओं का चित्रण किया। इस कार्यशाला ने उन्हें अपने सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ संग्रहालयों के महत्व को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया।

अंतत: 4 फरवरी 2024 को मांडी दिवस 2024 के अवसर पर संग्रहालय कार्यशाला के दौरान 'जानकी' पर एक विशेष प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई।

गणतंत्र दिवस का उत्सव

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जवाहर बाल भवन मांडी के सभी कर्मचारियों और पूर्व सदस्य बच्चों ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराकर गणतंत्र दिवस मनाया एवं राष्ट्रगान गाया। उप निदेशक (कार्य. सम. एवं अनु) ने इस बात पर चर्चा की कि इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है। सभी ने मिलकर इस दिन राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ भी ली। बच्चों और प्रत्येक स्टाफ को मिठाइयाँ वितरित की गई।

माण्डी दिवस

52वें मांडी दिवस के उपलक्ष्य में कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गये। दिनांक 27 जनवरी 2024 को कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं शुरू हुई और दिनांक 4 फरवरी 2024 को भव्य सांस्कृतिक उत्सव के साथ समाप्त हुई:-

'पहले दिन (27.01.2024): सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूलों/संस्थानों के लिए 100 मीटर एवं 200 मीटर के चॉकलेट / जलेबी दौड़ / चम्मच दौड़ / रस्सा-कशी / म्यूजिकल चेयर और क्रिकेट टूर्नामेंट जैसे खेल आयोजित किए गए।

'दूसरे दिन (01.02.2024): प्रकाशन अनुभाग ने सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूल के लिए अलग-अलग समय पर कार्यशालाओं की व्यवस्था की।

'तीसरे दिन (02.02.2024): बच्चों के लिए कठपुतली शो और जादू शो आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने खूब धमाल मचाया। वे पारंपरिक और आधुनिक कठपुतली शो का संयोजन देखकर उत्साहित थे।

'चौथे दिन (03.02.2024): विभिन्न आयु समूहों में सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूल के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।

ख. अंतिम दिन (04.02.2024): सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती मुक्ता अग्रवाल निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन उपस्थित थीं। सदस्य बच्चों (एनसीसी कैडेट) ने निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन का उचित अभिवादन के साथ औपचारिक तरीके से स्वागत किया। इसके बाद बच्चों द्वारा पारंपरिक शंख बजाकर सबका अभिवादन किया गया। फिर नक्कारा गायन और बसंत पर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रकाशन अनुभाग के स्टॉल पर बच्चों को बुक बाइंडिंग और लिनो के बारे में बताया गया।

वसंत को चिह्नित करने के लिए एक विशेष सेल्फी कॉर्नर भी बनाया गया था। इसके बाद निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा रचनात्मक कार्यों की लगाई गई प्रदर्शनी का दौरा किया गया। प्रदर्शनी का मुख्य विषय 'जानकीरामायण' था।

जवाहर बाल भवन मांडी के बच्चों द्वारा नृत्य (संभलपुरी नृत्य, धुनुची नृत्य, कथक और भवई नृत्य), स्वागत गीत, शास्त्रीय गीत और मांडी गीत साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर रंगमंच एवं वृक्ष जल का एक सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ बच्चों द्वारा भी यहां एक सुंदर प्रस्तुति की गयी। सभी प्रतिभागी बच्चों को निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार प्राप्त हुए। अंत में निदेशक महोदया ने अपने संबोधन द्वारा बच्चों और स्टाफ को प्रोत्साहित किया।

होली का उत्सव

जवाहर बाल भवन मांडी सभी समुदायों के बीच सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए एक-दूसरे की संस्कृति और परंपरा के प्रमुख त्योहारों को मनाने में विश्वास रखता है।

जवाहर बाल भवन मांडी में सभी स्टाफ और बच्चों ने मिलकर रंगों का त्योहार होली को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस पावन अवसर पर छोटे-छोटे बच्चों ने बहुउद्देशीय हॉल में सुंदर नृत्य प्रस्तुत किये। इस त्योहार को रंग के बदले ताजे फूलों की पंखुड़ियों से खेला गया और तिलक लगाने के लिए हर्बल गुलाल का इस्तेमाल किया गया। सभी बच्चों ने इस उत्सव को आनंदमय होकर मनाया। अत: कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चे और स्टाफ को स्वादिष्ट मिठाइयां भी दी गई।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	10
पश्चिमी दिल्ली	10
उत्तरी दिल्ली	9
पूर्वी दिल्ली	11
कुल	**40**

बाल केन्द्रों की स्थापना, बाल भवन की गतिविधियों को अधिक से अधिक बच्चों तक विशेष रूप से उपेक्षित तथा साधनविहीन बच्चों तक पहुँचाने के लिए ही की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली के चार क्षेत्रों में 49 बाल भवन केन्द्र स्थापित हैं। ये बाल केन्द्र आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं जो बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ वे दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करते हैं। यहाँ बच्चों को स्वस्थ, खुशहाल व तनाव रहित वातावरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध होती हैं। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों को सीखने के विविध प्रकार के अनुभवों से संप्रेषित कराने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास तथा उनके सौंदर्यबोध को विकसित करने में भी सहायक हैं।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली (10)

1. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   सब्जी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
   कालकाजी, नई दिल्ली-110019
2. केन्द्रीय विद्यालय
   एन.सी.ई.आर.टी. केम्पस
   कुतुब होटल के सामने
   दिल्ली-110026
3. केन्द्रीय विद्यालय
   आई.आई.टी. गेट, दिल्ली-110030
4. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   हुमायूँपुर गाँव, नई दिल्ली-110029
5. राजा राम मोहन राय
   सर्वोदय कन्या विद्यालय
   हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
   नई दिल्ली-110017
6. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
   मदन पुर खादर, दिल्ली-110076

7. चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गवर्मेंट ऑफ एन.सी.टी. आर्फ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली–110024

8. देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ (समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल) नई दिल्ली–110022

9. सर्वोदया विद्यालय नं. 2
सैक्टर–4, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली–110062

10. विलेज काटेज होम
लाजपत नगर (रिफ्यूजी कालोनी)
कस्तूरबा निकेतन, नई दिल्ली–110024

पश्चिमी दिल्ली (10)

1 सर्वोदय कन्या विद्यालय
समीप डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी,
दिल्ली–110018

2 सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110027

3 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली–110005

4 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली–110064

5 एम. सी. आदर्श स्कूल,
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

6 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क–2, गली नं. 12,
समीप जल बोर्ड, दिल्ली–110033

7 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बारार सक्वेयर, दिल्ली केन्ट, दिल्ली–110064

8 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी,
आदर्श नगर पार्क), दिल्ली–33

9 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली।

10 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव,
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली–110008

उत्तरी दिल्ली (9)

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी–7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली–110035

2 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस.रोहतक रोड, मियांवाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली–110081

3 बाल सहयोग भवन डिस्पेंसरी
ई–ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली–110041

4 गर्वमेंट को–एजूकेशनल सर्वोदय सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर–2, रोहिणी, दिल्ली –110085

5 एम. सी. बालिका विद्यालय
बी. टी. ब्लॉक, समीप सिंगल पुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली।

6 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर–7, नाहर पुर, दिल्ली–110085

7 नगर निगम उत्कृष्ट विद्यालय
निमड़ी कालोनी, निमड़ी कालोनी
बस स्टाप के पास, दिल्ली।

8 सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कालोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली–110052

9 सरस्वती शिशु मंदिर
ढिचाउ रोड, समीप बस स्टैण्ड
नजफगढ़, दिल्ली–110043

पूर्वी दिल्ली (11)

1 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली–110032

2 सर्वोदय कन्या विद्यालय
डी–ब्लॉक, (समीप आनन्द विहार रेलवे स्टेशन),
आनन्द विहार, दिल्ली–110092

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली–110032

4 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, समीप पॉकेट-सी, मयूर विहार,
फेस-2, बस स्टॉप के पास, दिल्ली–110091

5 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी–ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली–110094

6 सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली।

7 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप,
ढक्का गाँव, दिल्ली–110009

8 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई–ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर,
दिल्ली–110051

9 सीएचजी (चिल्ड्रन होम फोर गर्ल्स)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

10 सीएचबी (चिल्ड्रन होम फोर बॉयस)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

11 एम.सी.डी. प्राईमरी स्कूल
नत्थू सिंह कालोनी, शाहदरा–110093

संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट

मिज़ोरम बाल भवन

- दिनाँक 20 अक्टूबर, 2023 को 7 बच्चों ने मिजोरम राज्य पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एंथुरियम महोत्सव में अपनी प्रस्तुति दी।
- दिनाँक 14 नवम्बर, 2023 को सर्तकता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें 105 बच्चों ने भाग लिया।
- दिनाँक 15 दिसम्बर, 2023 को क्रिसमस पर्व का आयोजन किया गया जिसमें 140 बच्चों ने भाग लिया।

बाल भवन बोर्ड, दमन

बाल भवन बोर्ड, दमन में विभिन्न कार्यक्रम/गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिनका विवरण इस प्रकार है: -

- ग्रीष्मकालीन सत्र 2023
- 77वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2023) का उत्सव
- नारियली पूर्णिमा 2023
- मानसून महोत्सव
- राष्ट्रीय एकता दिवस

किलकारी बिहार बाल भवन, पटना

राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में बच्चों की भागीदारी :-

- संसद भवन के मंच से महात्मा गांधी पर भाषण।
- गणतंत्र दिवस परेड में नृत्य प्रदर्शन
- भोपाल में आयोजित 'राष्ट्रीय बाल रंग महोत्सव' में 'समाचकेवा' की प्रस्तुति के लिए तृतीय पुरस्कार।
- 'राष्ट्रीय कला उत्सव' में शास्त्रीय नृत्य, नाटक और स्थानीय खेल खिलौना निर्माण में द्वितीय पुरस्कार। इन बच्चों ने परीक्षा पे चर्चा, 2024 में भी भाग लिया।
- नासिक में आयोजित 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव', 2024 में लोक नृत्य में प्रतिभागिता और प्रस्तुति।
- दिल्ली में आयोजित 67वें राष्ट्रीय विद्यालय खेल, 2023-24 कराटे स्पर्धा में एक स्वर्ण पदक और दो रजत पदक।
- लुधियाना में आयोजित 67वें राष्ट्रीय विद्यालय खेल, 2023-24 कराटे स्पर्धा में अंडर 19 वर्ग में कांस्य पदक।

- कोलकाता में आयोजित योनेक्स सनराइज़ द्वितीय मिनी राष्ट्रीय स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 2023 में दो बच्चों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ।
- मोहाली में आयोजित प्रथम अंतर जिला रोलर स्केटिंग चौंपियनशिप में इनलाइन फ्रीस्टाइल स्केटिंग और रोलर फ्रीस्टाइल स्केटिंग में दो कांस्य पदक।
- महाराष्ट्र के मुर्तिजापुर में आयोजित 67वीं जूनियर बॉल बैडमिंटन चौंपियनशिप में तीसरा स्थान।
- किशनगंज में आयोजित अंडर 14 राज्य स्तरीय विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता, 2023-24 में प्रथम स्थान।
- ताइक्वांडो के लिए दो बच्चों और बॉल बैडमिंटन के लिए दो बच्चों को बिहार राज्य खेल पुरस्कार, 2023 से सम्मानित किया गया।
- कला सृजन कार्यशाला के दौरान विभिन्न बच्चों ने नाटक और लेखन विधा में भाग लिया और अमृत कला उत्सव के दौरान एक नाटक भी प्रस्तुत किया। इन दोनों कार्यक्रमों का आयोजन संस्कृति मंत्रालय और संगीत नाटक अकादमी द्वारा किया गया।
- आकाशवाणी पटना से बाल किलकारी रेडियो कार्यक्रम के 198 एपिसोड का प्रसारण पूरा हुआ।
- मासिक पत्रिका 'बाल किलकारी' को श्री ज्ञान सिंह आर्य द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ बाल पत्रिका पुरस्कार', से सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भागीदारी

- विशेष आवश्यकता वाले सात बच्चों ने अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्टिवल, गोवा 2024 में भाग लिया तथा चित्रकला तकनीक में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बिहार को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- 20 से 26 अगस्त, 2023 तक अस्ताना, कज़ाकिस्तान में आयोजित 'जुजुत्सु विश्व चैंपियनशिप, 2023' में 7 स्वर्ण, 3 रजत तथा 10 कांस्य पदक जीते।
- सुश्री अभिलाषा मिश्रा ने 7 से 11 जून, 2023 तक अस्ताना, कज़ाकिस्तान में आयोजित 'एशियाई सैम्बो प्रतियोगिता' में दोहरा कांस्य पदक जीता।
- 53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, गोवा में '75 क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमोरो' के अंतर्गत मास्टर क्रिष राज का चयन हुआ।
- किलकारी के बच्चों द्वारा निर्मित तीन फिल्में – 'यूज डस्टबिन', 'बन' और 'रमन' को लखनऊ में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया गया।

छात्रवृत्ति

- सीसीआरटी द्वारा युवा छात्रवृत्ति के लिए 5 बच्चों का चयन

शोध कार्य

- आर्सेनिक शोध कार्य
- एआई के माध्यम से नेत्र रोगों की समस्याओं के लिए सस्ती, सुलभ और डिजिटल सेवाओं में शोध।
- मृदा मॉडल से बिजली उत्पादन और सेफ्टी व्हीकल डिवाइस मॉडल को 'इंस्पायर अवार्ड जिला स्तरीय प्रदर्शनी' के लिए राज्य स्तर पर चुना गया।

- बिहार के विख्यात व्यक्तित्व साहित्यकार, स्वतंत्रता सेनानी, वीर सपूत, वैज्ञानिक, गणितज्ञ एवं कलाकार जिनके व्यक्तित्व और प्रतिभा ने बिहार को पहचान दिलाई है, के जीवन पर आधारित शोध कार्य। बच्चों के द्वारा इस शोध कार्य के बाद 14 नवंबर 2023 को बाल दिवस के अवसर पर दो पुस्तकों, 'रसगुल्ला को पेड़' और 'पैंक तिलक' का विमोचन किया गया। इस शोध कार्य का लेख इंडिया टुडे में प्रकाशित हुआ।

जिला बाल कल्याण परिषद, बाल भवन, हिसार

- **बाल भवन नर्सरी स्कूल :** बाल भवन में ढाई वर्ष से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए नर्सरी स्कूल चलता है, जिसमें इस वर्ष 103 बच्चों को प्रवेश दिया गया।
- **बाल पुस्तकालय :** बाल पुस्तकालय में लाभार्थियों की कुल संख्या 2590 है तथा सदस्यों की संख्या 789 है।
- **अल्पकालिक पाठ्यक्रम :** गर्मी की छुट्टियों के दौरान बाल भवन में बालिकाओं, महिलाओं तथा छोटे बच्चों के लिए नृत्य, चित्रकला, कम्प्यूटर, कराटे आदि जैसे अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष समर कैंप में प्रतिदिन 350 बच्चों ने भाग लिया।
- **फिश एक्वेरियम :** बाल भवन, हिसार में फिश एक्वेरियम स्थापित किया गया है। इस वर्ष लगभग 6000 बच्चों ने एक्वेरियम का भ्रमण किया।
- **कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र :** बाल भवन, हिसार द्वारा कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। इस केन्द्र में विभिन्न प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में 130 बच्चों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- **फैशन डिजाइनिंग :** यह संस्थान बाल भवन में लड़कियों और महिलाओं के लिए फैशन डिजाइनिंग में तीन महीने, छह महीने और एक साल के कोर्स कराता है। इस वर्ष कुल 22 लड़कियों और महिलाओं ने प्रतिदिन फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसमें कुछ लड़कियों और महिलाओं को मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना के तहत निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इस कोर्स की परीक्षाएं महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हिसार द्वारा आयोजित की जाती हैं।
- **ब्यूटीशियन सेंटर :** यह संस्थान लड़कियों और महिलाओं के लिए ब्यूटी केयर का एडवांस कोर्स पढ़ाता है। इस वर्ष ब्यूटीशियन सेंटर में प्रतिदिन कुल 15 लड़कियों और महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- **सायंकालीन कोचिंग कक्षाएं :** नर्सरी कक्षा से छठी कक्षा तक के बच्चों के लिए सायंकालीन कक्षाएं चलाई जा रही हैं। इस केन्द्र में प्रतिदिन कुल 18 बच्चे ट्यूशन के लिए आते हैं।
- **नृत्य कक्षा :** बाल भवन में बालक-बालिकाओं के लिए नृत्य प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। इस वर्ष प्रतिदिन 25 बालक/बालिकाएं कक्षा का लाभ उठा रहे हैं।
- **बेबी सपल पूल :** बाल भवन के परिसर में गर्मी की छुटि्यों में बच्चों के मनोरंजन के लिए 'बेबी सपल पूल' भी है, जिससे 625 बच्चे लाभान्वित हुए।
- **बाल दिवस :** हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद्, चंडीगढ़ के सौजन्य से प्रदेश के सभी जिलों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत जिला बाल कल्याण परिषदों में बाल दिवस, 2023 की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिसार जिले में जिला बोर्ड व राज्य स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं में लगभग 1703 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- **डे-केयर सेंटर बाल भवन, हिसार :** बाल भवन, हिसार में डे-केयर सेंटर चलाया जा रहा है। इसमें कुल 31 बच्चे नामांकित हैं।

- **मुख्यमंत्री परिवार उत्थान अंत्योदय योजना :** मुख्यमंत्री परिवार उत्थान अंत्योदय योजना के तहत जिला हिसार एवं उप-तहसीलों (यरवाला, उकलाना, अगरोहा, आदमपुर, नारनौद एवं हांसी) में जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित मेलों में कार्यालय द्वारा स्टॉल लगाए गए तथा बाल कल्याण परिषद में चल रही गतिविधियों से अवगत करवाया गया।
- उप-मंडल स्तर पर हमारे मिनी बाल भवन, हांसी में भी इसी प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

बाल भवन, गोवा

बाल भवन, गोवा में विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित की गई जैसे कि ग्रीष्मोत्सव, उन्नत कला पाठ्यक्रम (नियमित गतिविधि), रचनात्मक कला (विशेष गतिविधियाँ), लोक कला गुणदर्शन कार्यक्रम (सम्पन), गोवा क्रांति दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आजादी का अमृत महोत्सव, अभिविन्यास पाठ्यक्रम, सांज पवसली कार्यक्रम, गुरुपूर्णिमा समारोह, अभिविन्यास पाठ्यक्रम (तबला), भजन प्रतियोगिता, मुख्य ट्रेन शहीद दिवस समारोह, ऑल गोवा ग्रीटिंग कार्ड डिजाइन प्रतियोगिता, देशभक्ति समूह गायन प्रतियोगिता, राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह, गोकुलाष्टमी, माखर बनाने की कार्यशाला, घूमत आरती कार्यशाला, गणेश चतुर्थी समारोह, गणेश मूर्ति बनाने की कार्यशाला/प्रतियोगिता, गांधी जयंती, सरस्वती पूजन, बाल दिवस, रंगोली प्रतियोगिता, दिवाली उत्सव समारोह, राष्ट्रीय बाल सभा और एकीकरण शिविर, नई दिल्ली में भागीदारी, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष का दौरा, ड्राइंग प्रतियोगिता, गोवा मुक्ति दिवस राज्य स्तरीय परेड, क्रिसमस समारोह, स्टार बनाने की प्रतियोगिता, अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय, मिरज परीक्षा, लोकोत्सव 2024, गणतंत्र दिवस समारोह, नोमोजो (नो मोटर जोन), राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन, शहीद दिवस।

बाल भवन, पंजाब

सत्र 2023-24 के लिए विभिन्न गतिविधियों और उत्सवों का आयोजन किया गया जैसे नृत्य प्रतियोगिता, क्रिसमस, नशा मुक्ति, चित्रकला, जन्माष्टमी, स्वतंत्रता दिवस, पर्यावरण दिवस वृक्षारोपण, गुरुपर्व, योग दिवस, शैक्षणिक गतिविधियाँ, ग्रीन दिवाली, दशहरा, तीज, रक्षा बंधन, समर कैंप, स्वच्छ भारत अभियान, खेल गतिविधियाँ आदि।

अमित बाल भवन, उत्तर प्रदेश

सत्र 2023-24 के लिए विभिन्न गतिविधियाँ और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे कि कर्मचारियों और वयस्कों के लिए शपथ समारोह, कठपुतली शो, भक्ति गीत, नाटक, एक भारत-श्रेष्ठ भारत, स्वच्छता, सृजन लेखन, पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग आदि से संबंधित गतिविधियाँ।

इन कार्यक्रमों के अलावा, बाल भवन में विभिन्न कार्यशालाएँ भी आयोजित की गई और महत्वपूर्ण दिनों को मनाया गया जैसे कि कागज के खिलौने बनाना, रंगोली बनाना, कहानी लेखन, पृथ्वी दिवस समारोह, पारंपरिक होली गीत कार्यक्रम, मानव एकता दिवस, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस, विश्व सूर्य दिवस, विश्व रेड क्रॉस दिवस, अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, पत्रकारिता दिवस, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, रवींद्रनाथ टैगोर जयंती, सड़क सुरक्षा पोस्टर बनाना, पहिया सजावट, पतंग बनाने की कार्यशाला, गांधी जयंती, आभूषण बनाने की कार्यशाला, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, फैशन डिजाइनिंग कार्यशाला, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आदि।

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
प्लॉट नं. 624P, 627P, सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020(ओडिशा)
फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
फोन नं. 06727-220729 ई-मेल : balbhavan.knd15@gmail.com

5. जिंदल बाल भवन
जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759111 (ओडिशा)
फोन नं. 09777444489/90, 9777445444 ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, द्वितीय एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
फोन नं. 7005018575 ई-मेल : balbhavan.manipur@gmail.com

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
फोन नं. 651-2482777, 2481777, 3205777, ई-मेल : mail@citizensfoundation.org

8. आशा-लता बाल भवन (विकलांग विकास केन्द्र)
सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
फोन नं. 9835327133, 06542-27766 ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिजोरम

10. बाल भवन
मिजोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं. वाई/ए-46, द्वारा सामाजिक अधिकारिता विभाग,
आईज़ोल-796007 (मिजोरम)
फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : zdthangi@gmail.com, avzawni@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन ''किलकारी''
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
फोन नं.: 0612-2661211, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. यूनिक बाल भवन
यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा चलाया जाता है, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

13. मदर टेरेसा बाल भवन
मदर टेरेसा विद्यापीठ, क्लब रोड रामना, मुज़फ्फरपुर, बिहार-842002
फोन नं.: 9973658416, 0749886640, ई-मेल : motherteresabalbhavan@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

14. बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

16. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

17. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

18. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) फोन नं.: 09422716215 ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

19. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 09421525926 ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

20. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : sps@garwarepoly.com, gcccidco@gmail.com

21. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, परांजजे स्कूल, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन, बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

22. सांई बाल भवन
58, नंदवन हाउसिंग सोसाइटी, साई बाबा मंगल के पास, नाकाने रोड, दयपुर धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 9960836186 ई-मेल : raigarh@jspl.com

गुजरात

23. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंड्स, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

24. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

25. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
फोन नं. 02871-236390, 0942613689, 08980000157 ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

26. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

27. श्री वी. एन. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात) फोन नं.: 079-23210477, 9909011297
ई-मेल : janpandya@yahoo.com, shilpimage@gmail.com

28. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

29. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
(श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस) छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

30. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0268-2568851 ई-मेल : jeetsolanki_12@yahoo.in

31. बाल भवन, अमरेली
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय परिसर, रामजी मन्दिर के सामने, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात) फोन नं.: 02792-222118, 09377914333 ई-मेल : balbhavanamereli@gmail.com

32. सरदार पटेल बाल भवन
मिल रोड आरटीओ के सामने, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196 ई-मेल : nadiad@sardarpatelbalbhavan.com

33. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंक्षर वाड़ी मंदिर
वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात) फोन नं.: 078-2470523
ई-मेल : privij64mehta@gmail.com, partactivities.balbhavan@gmail.com

34. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

35. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालनपाडा, बस स्टॉप के सामने, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

36. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com

राजस्थान

37. बाल भवन जयपुर
ए-18, दशरथ मार्ग, हनुमान नगर एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

38. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग, गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
फोन नं. 07464-220281, 221999 ई-मेल : pvms525@gmail.com, vmsseewa@yahoo.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

39. बाल भवन चंडीगढ़
    द्वारा भारतीय बाल कल्याण परिषद, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़-160023
    फोन : 0172-2704573/2721858, 9779357180 ई-मेल : iccwchandigarh@gmail.com

हरियाणा

40. बाल भवन हिसार
    द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
    फोन नं. : 01662-237027 ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

41. बाल भवन कुरूक्षेत्र
    द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
    फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

42. बाल भवन रोहतक
    द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
    फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

43. सलवान बाल भवन
    सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
    फोन नं. 9811285244 ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

44. पठानिया बाल भवन
    पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
    मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

45. बाल भवन, फरीदाबाद
    द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
    फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

46. बाल भवन, सिरसा
    द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
    फोन नं.: 01666-222602 ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

47. बाल भवन, अम्बाला
    द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, हिसार रोड़, अम्बाला सिटी-134003 (हरियाणा)
    फोन नं. : 0171-2556751 ई-मेल : dcwcambala@gmail.com

48. बाल भवन, भिवानी
    द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, भिवानी-127021 (हरियाणा)
    फोन नं. : 01664-242426, 9416096715 ई-मेल : dewobhiwani@gmail.com

पंजाब

49. बाल भवन, पंजाब
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
फोन नं. : 01635-221186, ई-मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

50. जम्मू बाल भवन
87-पंजीतिरथी, जम्मू-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. : 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

51. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार, जम्मू तवी-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. 0191-2553726 ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

52. कश्मीर बाल भवन
(गुलबान-ए-कश्मीर), अन्तर्गत मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर सौपोर, मौलाना यासीन कॉम्पलैक्स सामने सरकारी आईटीआई, सौपोर कश्मीर-193201, फोन नं. 09419039827, 01954-223507
ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

53. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
फोन नं. 9412054216 ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

54. बाल भवन गोपेश्वर
द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली-246401(उत्तराखंड)
फोन नं. : 01372-252381, 253300, 09412109401, 09758825001
ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

55. आधारशिला बाल भवन
आधारशिला पब्लिक स्कूल, उप्पर पन्नर रोड, भावर्ना, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन-176102 फोन : 09218606017, निवास : 09218606017, 09218506018,
ई-मेल : kherrk@hotmail.com

56. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

57. जिला बाल भवन गड़वाल
 जोगुलाम्बा गड़वाल तेलंगाना, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
 फोन नं. : 9666853335 ई-मेल : bodashankarmridangist@gmail.com

58. जिला बाल भवन
 द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलैक्टोरेट ऑफिस कम्पाउण्ड, जिला चित्तूर, आंधप्रदेश-517002
 फोन नं. : 09440315924, 9440290051, ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

59. जिला बाल भवन
 द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (तेलंगाना)
 फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

60. जिला बाल भवन
 तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
 फोन नं. : 08462-225503, 09440037622, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

61. बाल भवन
 द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयालमपाडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा,
 कृष्णा जिला-500011(आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436

62. चाचा बाल भवन
 एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेश)
 फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

63. जिला बाल भवन
 क्वार्टर नं. ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन-508202
 फोन नं. : 08680-276622 ई-मेल : balupalabindala@gmail.com

64. वीसीएसपी बाल भवन
 विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, रु-53-17-50/7, टीएफ-402, आटोमेटिव मेडिलापालेम,
 विशाखापटनम-530013, (आंध्र प्रदेश)
 फोन नं. : 9246640024, 9866300171 ई-मेल : vcsp.balbhavan@yahoo.com

65. बाल भवन
 द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, श्रीहरिकोटा-524124
 (आंध्र प्रदेश), फोन नं 08623-225123/225001, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

66. नेल्लोर बाल भवन-बाल भवन एवं राज्य बाल भवन
 120, द्वारका टावरस, टेकेमिट्टा, नेल्लोर-524003 (आंध्र प्रदेश)
 फोन नं. 9848627158, 0861.2325659, ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

67. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर-517501 (आंध्र प्रदेश) ई-मेल : dbbtpt@gmail.com, subbu.chinnakotla@gmail.com

68. जवाहर बाल भवन
तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद-500004
ई-मेल : director_jbbts@yahoo.com

69. जिला बाल भवन
म.नं. 10-2-105/1, आई.एम.ए. बिल्डिंग के सामने, ममिलागुडम, खम्मम-507002 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं.: 08742-247000, 9866934173

कर्नाटक

70. बाल भवन सोसाइटी
कब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार, बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक) फोन नं.: 080-22864189, 9448804127
ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

71. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलौर-560034 (कर्नाटक)
फोन नं: 080-25581238/37 ई-मेल : manjularaman@gmail.com

72. नतानम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन नं. 08182-223402 ई-मेल : manjuk821@gmail.com

73. माउंटेन व्यू बाल भवन
माउंटेन व्यू स्कूल कैम्पस, विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08262-223140/222228, 9611967170 ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

74. बाल भवन
न. 67/2 वृद्धाहाली रोड, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08183-236228 ई-मेल : rpssagara@gmail.com

75. विद्या बाल भवन
सामने रेलवे स्टेशन बनवारा, आरसिकेरे-तालुक, हसन जिला-573103 (कर्नाटक)
फोन नं.: 01874-235018, 7026418709
ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com, srigowori1981@gmail.com

76. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन नं.: 0821-2495486, 09060300196, 9448914794 ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

77. जवाहर बाल भवन, त्रिचूर-680020 (केरल)
    फोन : 0487-2332909 ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

78. जवाहर बाल भवन
    शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
    फोन : 0474-2746536, 2748769, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

79. जवाहर बाल भवन
    बाल भवन रोड, पैलेस वार्ड, अल्पुजहा-6880011 (केरल) फोन : 0477-2260622, 2264254

80. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
    कनककुन्नु, विकास भवन पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल)
    फोन : 0471-2316477 ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com

81. रंग प्रभात बाल भवन
    अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
    फोन : 0472-2872344, 9447554190, ई-मेल : rangaprabhath@gmail.com

82. सुहरूथ बाल भवन
    सुरूथ नाटक कालारी, विथुरा-695551(केरल)
    फोन : 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

83. श्री सत्य सांई बाल भवन
    श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
    फोन : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com

तमिलनाडु

84. जवाहर बाल भवन
    कला और संस्कृति विभाग
    तमिल वलारची वलगाम, दूसरा तल, हॉलस रोड, एग्मोर चेन्नई -600008 (तमिलनाडु)
    फोन : 044-28192152 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

85. जवाहर बाल भवन
    सिंगरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक, पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)
    फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

86. जवाहर बाल भवन
    विषडम मैट्रिकुलेशन स्कूल, कृष्णमूर्ति नगर, व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)
    फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

87. जवाहर बाल भवन
    जिला संगीत विद्यालय, नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
    फोन : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

88. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, तिरूमति लोगकनाथन, मैट्रीकुलेशन हायर सैकेण्ड्री स्कूल, #65 धर्माराजा कोइल स्ट्रीट, आरकोट, जिला वेलोर-632503 (तमिलनाडु)
फोन : 04172-235899 मो. 9994291129, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

89. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 16, पवाला कुन्द्रू, माडालायाम, तिरूवनमलय-606601(तमिलनाडु)
फोन : 9786298609, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, श्रद्धा कॉलेज मेन रोड, कैनरा बैंक, सामने पोस्ट-सेलम-630016(तमिलनाडु)
फोन : 0427-2443594, 2330021, 9443109337 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

91. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे, नामक्कल-637001 (तमिलनाडु) फोन : 0427-2442197 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

92. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 67, डॉक्टर ले आउट, समीप क्लब लेन, सम्पत नगर, ईरोड-11, (तमिलनाडु), फोन : 9443532934 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

93. जवाहर बाल भवन
सरकारी उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल कैम्पस, उथगामंडलम, (तमिलनाडु)
ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

94. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, थिरूचिरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन : 0431-2423122, 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन करूर
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, नाईट सोइल रोड मूलाथोप्पू, श्रीरेनगम, थिरूचिरापल्ली-620006 (तमिलनाडु)
फोन : 9443153122 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

96. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर, मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु)
फोन : 04362-30121 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

97. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)
फोन : 9629036923 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुपलायम रोड, थंजावुर, पुडु थेरू, कडलूर-607001 (तमिलनाडु) ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

99. बाल भवन

आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन : 0452-22661795, 09842761765 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

100. जवाहर बाल भवन

जिला सरकारी संगीत विद्यालय, नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561
फोन : 9597726333 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

101. जवाहर बाल भवन

क्षेत्रिय आर्ट एण्ड कल्चर सेंटर, सरकारी संगीत कॉलेज कैम्पस, पशुमलैई, मधुरई, अली नागाराम, थेनी-625531(तमिलनाडु), फोन : 9789000657 ई-मेल : artandculture@tngovt.in

102. जवाहर बाल भवन

क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ. 'ए' कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन : 0462-2553890 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

103. जवाहर बाल भवन

जिला सरकारी संगीत स्कूल, 2/3सी, गणेश नगर पश्चिम, 4th स्ट्रीट, थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु) फोन : 9487048658 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

104. जवाहर बाल भवन

एसएलबी राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
फोन नं.: 9842649466

संघशासित क्षेत्र

105. जवाहर बाल भवन

नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन : 0413-2225751, 2207206, 2207201 ई-मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

106. बाल भवन

16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0512-2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

107. जवाहर बाल भवन

जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0532-2467078, ई-मेल : jbballdjnmf@gmail.com

108. बाल भवन

एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

109. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी., डाकघर-ऊँचाहार, जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05314-62329, 62047, 09871094763 ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

110. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05414-236762, 536539, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

111. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

112. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, दादरी विद्युत नगर, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0120-2805846, 9717385288 ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

113. बाल भवन अमरोहा
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05922-259665, 9410071882 ई-मेल : ngvs2008@gmail.com

114. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 09411431912 ई-मेल : kingshabih@gmail.com

115. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

116. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), 129, मयूर मार्किट, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 9425121695 ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

117. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार,
इंदौर-452001(मध्य प्रदेश) फोन : 0731-2566331 ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

118. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश)
फोन : 9479756905 ई-मेल : balbhavanjbp@gmail.com

119. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07582-230221, 09425096898 ई-मेल : divbalbhavansagar@gmail.com

120. जवाहर बाल भवन
1250-II स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

121. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) फोन : 9753589295 ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

122. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप,
काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) फोन : 9893008817 ई-मेल : commwcd@nic.in

123. बाल भवन
पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07662-254379, 9425889970 ई-मेल : balbhavan@gmail.com

124. बाल भवन छिंदवारा
गुलमोहर कालोनी, पोस्ट-तामिया, जिला छिंदवारा-480559 मध्य प्रदेश
फोन : 9926715553, 9424679654 ई-मेल : nyus_chw@rediffmail.com

छत्तीसगढ़

125. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन : 07762-227001, 9303451988 ई-मेल : raigarh@jspl.com

126. ओ.पी. जिंदल बाल भवन
केअर ऑफ जिंदल पावर लिमिटेड, वीपीओ, तामनार, रायगढ़-496107 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9329438428 ई-मेल : vineet@jindalpower.com

127. जवाहर बाल भवन एनटीपीसी
पोस्ट उज्जवल नगर, सिपत, बिलासपुर-495555 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9425281080 ई-मेल : abinashpathak@ntpc.co.in

राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र

1. आदिवासी बाल भवन खानवेल
बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

2. आदिवासी बाल भवन दपाद्दा
बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

3. आदिवासी बाल केन्द्र
पूर्व माध्यमिक विद्यालय, संयुक्ता नगर, बावरे, पोस्ट भिक्खीचारू, जिला-गाजियाबाद-401209(उत्तर प्रदेश),
फोन नं.: फोन नं.: 0981932221, 07523945652, 09919322221,
ई-मेल : shashankmohan.rai@gmail.com

4. उन्नायन बाल केन्द्र
मेजा रोड, इलाहाबाद-212303(उत्तर प्रदेश), फोन नं.: 9415635383, 9621313320,
9415266619, 9918974324, ई-मेल : balkendramejaroad@gmail.com

5. गिरिवासी वनवासी बाल केन्द्र
गिरिवासी वनवासी सेवा प्रकल्पा, एक्सलव्या नगर, घोरावाल-231210 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 09450321867, 81279448480, ई-मेल : hksinghkeota@gmail.com

6. परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र
धौलखर, कोराउन, इलाहाबाद-212306(उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0141-2359917, ई-मेल : rajam8247@gmail.com

8. बाजलता बाल केन्द्र
तहसील - सम्भा, जिला - जम्मू (जम्मू और कश्मीर)
फोन नं.: 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

9. रंगपुर बाल केन्द्र
मुलानियां, तहसील-आर.एस. पुरा, जिला जम्मू-181102 (जम्मू और कश्मीर)
फोन नं.: 0919-2553726, ई-मेल : sushilksmotra@gmail.com

10. चुराचांदपुर बाल केन्द्र
द्वारा रेंजकोई सरकारी सीनियर स्कूल, रेंजकोई चुराचांदपुर, मणिपुर

11. सेनापति बाल केन्द्र
द्वारा ब्राईट अकादमी स्कूल, सेनापति बाजार, मणिपुर। ई-मेल : saniistevel@gmail.com

12. भारती बाल केन्द्र
गाँव और पोस्ट ऑफिस - बाटी, मथुरा-281004 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 9412626588, 9457028252, ई-मेल : bhartimitra1816@rediffmail.com

13. (भारतीय जन कल्याण शिक्षा समिति)
एफ-2, कावेरी रॉयल अपार्टमेंट, स्वर्ण जयंती नगर, ए.डी.ए. कॉलोनी, रामबाग रोड, अलीगढ़-202001 (उत्तर प्रदेश)

14. प्रारंभ कला अकादमी
सोलिटेअर टोउन, बी-विंग, 503-504, मनपाडा, घोडबंदर रोड, थाणे (पश्चिम)-400610, महाराष्ट्र
फोन नं.: 9821108156,
ई-मेल: arundhati801@yaho0o.co.in, prarambhakalaacademy@gmail.com

31.03.2024 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, निदेशक, शिक्षा मंत्रालय
   (अतिरिक्त प्रभार निदेशक, रा.बा.भ.)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)

ग्रुप ख

4. श्री चन्द्रमणि, प्रभारी अधिकारी (प्रदर्शन कला)
   17.05.2023 को सहायक प्रबंधक (प्रदर्शन कला) के पद से पदोन्नत

ग्रुप ग

5. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
6. श्री अकबर अली मलिक, सुरक्षा अधिकारी-सह-केयरटेकर
7. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
8. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
9. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
10. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
11. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)
12. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मिले-जुले क्रियाकलाप)
    25.07.2023 को कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई) के पद से पदोन्नत
13. श्रीमती नेहा वत्स, सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
    17.05.2023 को कलाकार (प्रदर्शन कला) के पद से पदोन्नत
14. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
15. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
16. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
17. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
18. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
19. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
20. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.) **(सेवानिवृत्त 29.02.2024)**
21. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.) **(सेवानिवृत्त 31.05.2023)**
22. श्री चमन लाल, उ.श्रे. लिपिक
23. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे. लिपिक

24. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे. लिपिक
25. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे. लिपिक
26. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे. लिपिक
27. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे. लिपिक
28. श्री गोपाल राम आर्य, नि.श्रे. लिपिक
29. श्री सुधीर कुमार, नि.श्रे. लिपिक
30. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
31. सुश्री अमृता साव, हिन्दी अनुवादक
32. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन
33. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन सह इलैक्ट्रीशियन
34. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन
35. श्री बृज कुमार, चालक
36. श्री प्रदीप भट्ट, चालक **(स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त 08.05.2023)**
37. श्री आर.के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक **(सेवानिवृत्त 31.07.2023)**
38. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन छात्रावास **(सेवानिवृत्त 30.06.2023)**
39. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष सह प्रशिक्षक **(अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)**
40. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष सह प्रशिक्षक
41. सुश्री निधी सरयाल, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय)
    25.07.2023 को कनिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय) के पद से पदोन्नत

एम.टी.एस.

42. श्री राम सिंह साही **(सेवानिवृत्त 29.02.2024)**
43. श्री सुरेन्द्र सिंह **(स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त 20.02.2024)**
44. श्री साहब सिंह मीना
45. श्री जय राम
46. श्रीमती गीता साही
47. श्री जगदीश चन्द्र
48. श्री जसवंत सिंह सैनी
49. श्री गोविंद सिंह बिष्ट
50. श्री नेत्र सिंह बिष्ट
51. श्री राम दीन
52. श्री राम विनोद सिंह
53. श्री तारकेश्वर गोंड
54. श्री मोहन सिंह सैनी
55. श्री लायक सिंह
56. श्री राम दुलारे
57. श्री महादेव
58. श्री मोहन लाल
59. श्री धनपाल सिंह
60. श्री जय चंद
61. श्री हरेन्दर सिंह
62. श्री दुर्गा प्रसाद
63. श्री महिन्द्र सिंह
64. श्री उमेश कुमार
65. श्री होरी लाल
66. श्री नितिन
67. श्रीमती अनुराधा
68. श्री बाबू लाल मीना

भाग ख

वार्षिक लेखा
2023-24

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

राष्ट्रीय बाल भवन

संदर्भ : एससीसीओ/2023–24/एनबीबी/01 24 जून, 2024

सेवा में,

श्री मुकेश गुप्ता,
उप निदेशक (प्रशासन),
राष्ट्रीय बाल भवन,
कोटला रोड, नई दिल्ली–110002

विषय : राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड के 31.03.2024 वर्ष समाप्ति के लिए लेखा कार्य एवं वित्तीय विवरण तैयार करना।

महोदय/महोदया,

आपके पत्र संख्या 6(16)NBB/Accts/CA/2021-22 दिनांक : 28.12.2023 उपरोक्त विषय 'लेखांकन कार्यभार' के संबंध में यह सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा उक्त कार्यभार (असाइनमेंट) को लेखा विभाग के स्पष्टीकरण के अनुसार पूरा कर लिया गया है और संबंधित वर्ग और अनुसूची के साथ तुलनपत्र, आय और व्यय, प्राप्तियां तथा भुगतान खाता को तैयार किया गया है और इसे उचित कार्रवाई के लिए साझा किया जाता है।

इसके अतिरिक्त इसकी पुष्टि की जाती है कि उपर्युक्त उल्लिखित खाता लेखा बहियों के अनुरूप है।

आशा है कि उपरोक्त आपको विवरण क्रमानुसार प्राप्त हो गया है।

हम आपको अपनी सर्वोत्तम सेवा हेतु आश्वासन देते हैं।

भवदीय
कृते सिंह चाबड़ा एण्ड कं.
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट,

SINGH CHHABRA & CO. New Delhi Chartered Accountants

सीए. हरीश कुमार छाबड़ा
पार्टनर

Delhi Office: 305, V 4 Tower, Plot No. 14, Karkardooma Community Centre, Delhi 110092. • Tel: +91(11) 43632550
Dehradun Office : 1, Turner Road, Clement Town, Dehradun 248002
Email: mail@scco.co.in Website : www.singhchhabra.com

31 मार्च 2024 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2023-24	2022-23
समग्र/पूंजी निधि	1	(87,68,05,846)	(88,93,94,095)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	-	
ऋण देयता		-	
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	1,06,08,25,378	1,08,68,43,815
कुल		**18,40,19,532**	**19,74,49,720**
पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	**4/4क**	**10,06,97,905**	**7,69,34,658**
मूर्त परिसंपत्तियां		10,06,78,527	7,68,78,623
अमूर्त परिसंपत्तियां		19,378	56,035
पूंजीगत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	**5**	-	-
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	**6**	1,89,97,832	1,78,86,869
वर्तमान परिसंपत्तियां	**7**	4,79,58,713	6,25,70,422
ऋण/अग्रिम एवं जमा	**8**	1,63,65,082	4,00,57,771
कुल		**18,40,19,532**	**19,74,49,720**

शीमा
तैयार किया गया

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक (प्रशा.)

निदेशक

31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूची	2023-24	2022-23
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	66,92,347	59,51,060
अनुदान/सब्सिडी	10	19,94,33,971	18,31,46,928
निवेश से आय	11	12,34,403	8,17,938
अर्जित ब्याज	12	5,42,537	4,90,360
अन्य आय	13	62,04,575	25,49,707
गत अवधि की आय	14	2,001	36,380
कुल (क)		**21,41,09,834**	**19,29,92,373**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	9,15,75,219	9,47,96,106
सेवानिवृत्ति लाभ	15क	5,56,98,976	(2,25,36,087)
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10	-	-
शैक्षिक व्यय	16	1,59,86,890	72,81,077
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	3,29,40,929	3,13,72,678
परिवहन व्यय	18	-	-
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	48,30,268	36,05,408
वित्त लागत	20	36,442	30,370
मूल्य ह्रास	4/4क	66,42,928	54,51,286
अन्य व्यय	21	-	4,98,726
गत अवधि के व्यय	22	28,09,929	15,40,828
कुल (ख)		**21,05,21,581**	**12,20,40,392**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष		**35,88,253**	**7,09,51,981**

तैयार किया गया — सहायक लेखा अधिकारी — उप-निदेशक (प्रशा.) — निदेशक

31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2023-24	2022-23
I. आरंभिक शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	-	-
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	6,03,71,974	4,52,19,673
II. प्राप्त अनुदान - भारत सरकार द्वारा		
क) शिक्षा मंत्रालय द्वारा		
- पूंजीगत व्यय के लिए	90,00,000	1,00,00,000
- राजस्व व्यय के लिए	18,14,43,000	19,51,50,000
III. शैक्षिक प्राप्तियां	60,57,790	61,67,366
पूर्व अवधि की आय	2,001	36,380
IV. विविध देनदार	-	-
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	-	-
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय	-	-
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज		
क. बैंक जमा पर	-	-
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	11,000	-
ग. बचत बैंक खाते पर	11,84,652	12,85,086
VIII. अन्य आय	11,87,929	6,82,551
IX. विगत अवधि आय	-	-
X. अन्य प्राप्तियां - देय		
भारतीय जीवन बीमा निगम (जी ई आई)	-	-
आयकर की वापसी	85,660	5,64,803
टीडीएस पर ब्याज	3,000	8,074
वसूली योग्य राशि/मुख्य आई आर से देय राशि	8,09,83,578	111
....	100	-
XI. चालू देयताएं		
प्रतिभूति जमा	1,83,103	1,100
कार्य निष्पादन प्रत्याभूति	-	-
आपूर्तिकर्ताओ/लेनदारों से भुगतान	-	2,00,000
XII. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम की वसूली	1,000	-
बीएसईएस से प्राप्त राशि	25,883	21,315
राज्यों को सहारा	4,05,414	
ओबीए चालू खाता	-	25,340
बैंड प्रतियोगिता एवं परीक्षा पे चर्चा	13,56,750	
कला उत्सव	27,03,102	
वायु सेना	24,90,120	
ध्रुव नियमित गतिविधि	-	-
कुल	**34,74,96,055**	**25,93,61,799**

अदायगियां	2023-24	2022-23
I. व्यय		
क. स्थापना व्यय	1,77,55,567	1,37,58,491
ख. वेतन एवं भत्ते	6,64,57,575	6,87,32,135
ग. सेवानिवृत्ति लाभ	6,28,24,583	5,29,84,886
घ. शैक्षिक व्यय	1,59,25,737	72,54,277
ड. प्रशासनिक व्यय	3,04,91,197	2,92,19,277
च. परिवहन व्यय	-	-
छ. मरम्मत एवं रखरखाव	48,30,268	36,05,408
ज. पूर्व अवधि के व्यय	-	38,991
झ. वित्तीय लागत	25,706	
ञ. अन्य व्यय	11,571	1,65,481
II. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता	-	-
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	95,41,967	59,12,591
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	-	3,540
शुल्क एवं कर	3,38,900	2,50,100
देय सामान्य व्यय	41,64,474	33,40,523
देय वेतन व्यय	49,47,342	50,06,784
V. अन्य भुगतान		
अन्य आय	-	-
एमएचआरडी को ब्याज	6,77,429	7,66,844
जीपीएफ को देय राशि	-	10,84,355
वसूली योग्य/मुख्य आई आर से देय राशि	8,09,83,578	1,50,827
....	12,57,362	-
VI. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम/ओबीए	54,135	22,86,193
कार्य निष्पादन गारण्टी	-	-
प्रतिभूति जमा	1,87,000	2,50,000
बैंड प्रतियोगिता	16,282	
वायु सेना	8,91,152	
कला उत्सव	7,75,809	-
परीक्षा पे चर्चा	29,200	-
VII. पूंजीगत व्यय हेतु अग्रिम	-	41,79,123
VIII. अंतिम शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	-	-
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	4,53,09,221	6,03,71,973
कुल	**34,74,96,055**	**25,93,61,799**

तैयार किया गया

सहायक लेखा अधिकारी

उप-निदेशक (प्रशा.)

निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
वर्ष के आरंभ में पूंजीगत निधि शेष :	23,06,67,554	22,05,85,614
जोडें : वित्तीय वर्ष 2019-20 और 2020-21 में आवर्ती व्यय में गलती से ली गई राशि का प्रारंभिक शेष में समायोजन	-	-
वर्ष का समायोजित आरंभिक खाता शेष	23,06,67,554	22,05,85,614
जोड़ें : समग्र/पूंजीगत निधि में अंशदान	-	-
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	89,99,996	1,00,00,000
जोड़ें : वर्ष के दौरान अनुदान के अलावा क्रय की गई परिसंपत्तियां	5,41,971	91,714
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	-	-
जोड़ें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	-	-
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	-	-
जोड़ें : निश्चित निधियों से परिसंपत्तियां	-	-
घटायें : पुस्तकालय की पुस्तकें बट्टे खाते में डालना	-	(9,774)
वर्ष के अंत में पूंजीगत निधि शेष : (क)	**24,02,09,521**	**23,06,67,554**
वर्ष के आरंभ में राजस्व निधि शेष :	**(1,12,00,61,649)**	**(1,19,09,21,916)**
घटायें : लेखापरीक्षा के आपत्ति के अनुसार समायोजन	-	-
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	30,46,282	7,08,60,267
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा	-	-
वर्ष के अंत में राजस्व निधि शेष : (ख)	**(1,11,70,15,367)**	**(1,12,00,61,649)**
कुल क + ख	**(87,68,05,846)**	**(88,93,94,094)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क		
क. आरंभिक खाता शेष		2,50,835
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन	–	–
ग. निधि से किये गये निवेश से आय	–	–
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज	–	–
ड़. बैक बचत खाते पर ब्याज	–	–
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)		(2,50,835)
(रुपये 10,000/- का दान विविध रसीद अनुसूची-13 में जोड़ा गया है।)-	–	
(महिला एवं बाल विकास के रुपये 2,40,835/- की निधि को वर्तमान देनदारियों अनुसूची सं. 3 के अंतर्गत लिया गया है।)	–	–
कुल (क)	–	–
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय	–	–
ii. राजस्व व्यय	–	–
कुल (ख)	–	–
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)		–
प्रस्तुत की गई	–	–
नकद तथा बैंक शेष निवेश ब्याज अर्जित हुआ लेकिन देय नहीं	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क. वर्तमान देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	-	-
2. विद्यार्थियों से जमा	-	-
3. विविध लेनदार	66,96,403	65,19,319
क. आर.ओ. से	-	-
ख. अन्य	56,81,265	55,00,384
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	10,15,138	10,18,935
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	**13,63,054**	**14,24,536**
क. अतिदेय	-	-
ख. अन्य	13,63,054	14,24,536
6. अन्य वर्तमान देयताएं	**2,00,99,994**	**3,91,08,427**
क. वेतन	35,99,859	38,05,809
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	-	-
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	-	-
घ. अप्रयुक्त अनुदान	88,55,167	2,81,03,496
ड. अग्रिम अनुदान	-	-
च. अन्य निधियां	-	-
छ. अन्य देयताएं	75,87,823	71,99,122
ज. एनबीबी मेन को देय राशि	57,146	-
कुल (क)	**2,81,59,451**	**4,70,52,282**
ख. उपबन्ध		
1. कराधान के लिए	-	-
2. उपदान	5,63,94,309	5,85,42,154
3. अधिवर्षिता पेंशन	94,20,87,719	94,70,60,559
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	3,41,83,899	3,41,88,821
5. ट्रेड वारंटियां/दावे	-	-
6. व्यय हेतु प्रावधान	-	-
कुल (ख)	**1,03,26,65,927**	**1,03,97,91,534**
कुल (क + ख)	**1,06,08,25,378**	**1,08,68,43,816**

अनुसूची–4 – मूल्यह्रास की सूची

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+ उपहार मदें	01.04.23 की स्थिति	वर्ष के दौरान परिवर्धन	कटौती	31.03.24 की स्थिति	31.03.23 तक संचित ह्रास	चालू वर्ष के लिए ह्रास	कटौतियाँ/ समायोजन	31.03.24 को संचित ह्रास	31.03.24 की स्थिति	31.03.23 की स्थिति
भूमि एवं भवन	8,90,72,176	1,28,57,034	–	10,19,29,210	5,55,29,349	20,38,584	–	5,75,67,933	4,43,61,277	3,35,42,827
ट्यूबवैल	10,66,484	1,09,200	–	11,75,684	5,79,482	22,935	–	6,02,417	5,73,267	4,87,002
विद्युतीय संस्थापन	3,30,29,174	1,29,28,361	–	4,59,57,535	1,40,29,903	20,25,576	–	1,60,55,479	2,99,02,056	1,89,99,271
संयंत्र एवं मशीनरी	12,18,886	1,34,799	–	13,53,685	5,29,107	30,733	–	5,59,840	7,93,845	6,89,779
वैज्ञानिक उपकरण	12,58,912	4,32,114	–	16,91,026	11,49,982	50,935	–	12,00,917	4,90,109	1,08,930
कार्यालय उपकरण	69,48,131	57,352	–	70,05,483	40,65,431	2,42,880	–	43,08,311	26,97,172	28,82,700
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	77,52,265	7,61,240	–	85,13,505	59,45,316	1,97,245	–	61,42,561	23,70,944	18,06,949
वाहन	2,77,643	–	–	2,77,643	2,75,891	350	–	2,76,241	1,402	1,752
पुस्तकें	10,82,549	–		10,82,549	10,17,442	8,417	–	10,25,859	56,690	65,107
फर्नीचर और फिक्सचर	1,78,08,426	5,82,329	–	1,83,90,755	1,57,65,378	2,07,281	–	1,59,72,659	24,18,096	20,43,048
कम्प्यूटर	1,13,50,958	3,52,673	–	1,17,03,631	1,00,64,073	5,17,760	–	1,05,81,833	11,21,798	12,86,885
विविध	87,37,872	17,18,947	–	1,04,56,819	82,39,059	1,80,601	–	84,19,660	20,37,159	4,98,813
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	11,76,142	42,216	–	12,18,358	11,76,142	1,250	–	11,77,392	40,966	–
कुल	**18,07,79,617**	**2,99,76,265**		**21,07,55,882**	**11,83,66,554**	**55,24,547**	–	**12,38,91,101**	**8,68,64,783**	**6,24,13,065**
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	1,31,25,225	–	–	1,31,25,225	20,05,649	2,62,505	–	22,68,154	1,08,57,072	1,11,19,577
विद्युतीय उपकरण	17,72,204	–	–	17,72,204	5,16,335	87,335	–	6,03,670	11,68,534	12,55,869
ट्यूबबेल	2,64,833	–	–	2,64,833	1,13,142	5,297	–	1,18,439	1,46,394	1,51,691
संयंत्र एवं मशीनरी	1,48,837	–	–	1,48,837	90,837	3,711	–	94,548	54,289	58,000
कार्यालयी उपकरण	1,31,189	1,90,470	–	3,21,659	86,049	20,441	–	1,06,490	2,15,169	45,140
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	17,15,506	–	–	17,15,506	2,81,143	1,16,300	–	3,97,443	13,18,063	14,34,363
फर्नीचर एवं फिक्सचर	6,05,938	2,36,020	–	8,41,958	3,46,667	53,067	–	3,99,734	4,42,223	2,59,270
वाहन – जवाहर बाल भवन	2,309	–	–	2,309	2,308	–	–	2,308	2	2
पुस्तकें – जवाहर बाल भवन	1,128	–	–	1,128	1,127	–	–	1,127	1	1
कम्प्यूटर	4,92,025	–	–	4,92,025	3,88,550	98,405	–	4,86,955	5,070	1,03,475
विविध	55,850	–	–	55,850	17,679	2,714	–	20,393	35,457	38,171
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	38,857	–	–	38,857	38,857	–	–	38,857	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन)	**1,83,53,901**	**4,26,490**	–	**1,87,80,391**	**38,88,343**	**6,49,775**	–	**45,38,118**	**1,42,42,273**	**1,44,65,558**

अनुसूची–4 क

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	01.04.2022 को निवल ब्लॉक	वर्ष के दौरान परिवर्धन	कटौती	31.03.2024 को	31.03.2022 तक ह्रास	चालू वर्ष के लिए ह्रास	कटौतियाँ/ समायोजन	कुल ह्रास 31.03.2024 तक	31.03.2024 को शुद्ध ब्लॉक	31.03.2023 को शुद्ध ब्लॉक
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	3,79,095	3,420	–	3,82,515	3,23,060	40,077	–	3,63,137	19,378	56,035
कुल	**19,95,12,613**	**3,04,06,175**	–	**22,99,18,788**	**12,25,77,957**	**62,14,399**	–	**12,87,92,356**	**10,11,26,434**	**7,69,34,658**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. बैंकों में सावधि जमा	–	–
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	1,89,97,832	1,78,86,869
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	–	–
कुल	**1,89,97,832**	**1,78,86,869**

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. स्टॉक	–	–
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान	–	–
ख. खुले उपकरण	–	–
ग. प्रकाशन	–	–
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान	–	–
ड़. भवन निर्माण सामग्री	–	–
च. विद्युत संबंधी सामान	–	–
छ. लेखन सामग्री	–	–
ज. जलापूर्ति सामग्री	–	–
2. विविध देनदार	**3,71,575**	**3,71,575**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,71,575	3,71,575
ख. अन्य	–	–
3. अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**21,34,500**	**17,25,103**
उपार्जित ब्याज	–	–
बैण्ड प्रतियोगिता एवं परीक्षा पे चर्चा	7,58,100	16,14,010
परीक्षा पे चर्चा	6,47,000	–
ध्रुव	–	1,11,093
उल्लास मेला	7,29,400	
4. टी.डी.एस.	**1,43,417**	**1,01,771**
शुल्क और कर	1	1
टी.डी.एस. परिसंपत्तियाँ	1,43,416	1,01,770
5. नकद तथा बैंक शेष	–	–
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. नकद शेष (आर.ओ.)	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में	**4,53,09,219**	**6,03,71,973**
बचत खातों में	4,53,09,219	6,03,71,973
सावधि जमा खातों में	–	–
बचत खातों में	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (गैर योजना)		
बचत खातों पर मुख्यालय के साथ	–	–
बचत खातों पर क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रक्रमण शुल्क पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट मुख्यालय पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा मुख्यालय पर	–	–
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया सीमैट मुख्यालय पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एन.वी.ई.क्यू.एफ. लेखा पर	–	–
ख. अनुसूचित बैंकों के साथ		
बचत खातों पर मुख्यालय के साथ	–	–
बचत खातों पर क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ	–	–
कुल	**4,79,58,713**	**6,25,70,422**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)		
क. विविध अग्रिम	-	-
ख. त्यौहार	-	-
ग. चिकित्सा अग्रिम	-	-
घ. अग्रदाय अग्रिम	-	-
ड. अन्य (कम्प्यूटर)	-	-
च. एल.टी.सी. अग्रिम	-	-
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम (ब्याज सहित)	**740**	**12,740**
क. वाहन ऋण	-	-
ख. आवास ऋण	-	-
ग. अन्य (कम्प्यूटर)	740	12,740
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	**1,63,16,867**	**3,99,98,056**
क. पूंजी खाते पर		
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	1,02,90,733	3,11,54,941
ख. आपूर्तिकर्ताओं को	-	-
i डी.टी.सी. को अग्रिम	-	-
ii राज्यों को सहायता	18,28,514	39,76,263
iii बीएसईएस से प्राप्य राशि	25,883	21,315
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	-	-
ग. अन्य पक्ष	-	-
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	41,12,816	48,43,762
ड. सीजीएचएस को अग्रिम	-	-
च. अन्य	1,775	1,775
छ. रा.बा.भ. के मुख्य/आई आर से प्राप्य/देय राशि	57,146	-
4. पूर्वदत्त व्यय	**500**	**-**
क. बीमा	-	-
ख. अन्य व्यय	-	-
5. जमा	**46,975**	**46,975**
क. टेलीफोन	-	-
ख. लीज़/किराया	-	-
ग. बिजली	20,175	20,175
घ. अन्य (जमा)	26,800	26,800
कुल	**1,63,65,082**	**4,00,57,771**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
विद्यार्थियों से शुल्क		
शैक्षिक		
1. संबद्धता शुल्क	1,05,000.00	73,500.00
2. प्रवेश शुल्क	–	–
3. नामांकन शुल्क	–	–
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	–	–
5. प्रयोगशाला शुल्क	–	–
6. कला एवं शिल्प शुल्क	–	–
7. पंजीकरण शुल्क	–	–
8. पाठ्यक्रम शुल्क	–	–
कुल (क)	**1,05,000.00**	**73,500.00**
परीक्षाएं		
1. दाखिला परीक्षा शुल्क	–	–
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	–	–
3. अंक पत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क	–	–
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	–	–
कुल (ख)	**–**	**–**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	–	–
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क	–	–
3. चिकित्सा शुल्क	–	–
4. परिवहन शुल्क	–	–
5. छात्रावास शुल्क	64,34,787.00	57,76,920.00
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क	–	–
7. बीबीके प्राप्तियां	55,560.00	52,640.00
कुल (ग)	**64,90,347.00**	**58,29,560.00**
प्रकाशनों की बिक्री		
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री	–	–
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री	–	–
3. अन्य	–	–
कुल (घ)	–	–
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां		
1. सेमिनार, कार्यशालाएँ और कार्यक्रम	54,000.00	52,640.00
2. सदस्यता शुल्क	43,000.00	52,640.00
कुल (ङ)	**97,000.00**	**1,05280.00**
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ)	**66,92,347.00**	**60,08,340.00**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	कुल						
	पूंजी	वेतन	सामान्य	एनईआर सामान्य	एनईआर पूंजी	2023-24	2022-23
पिछले वर्ष का शेष	-	98,40,682	1,70,05,452	7,362	12,50,000	2,81,03,496	1,61,00,424
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	90,00,000	5,73,43,000	12,41,00,000	-	-	19,04,43,000	20,51,50,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल (क)	89,99,996	-	-	-	-	89,99,996	1,00,00,000
घटायें : अव्ययित अनुदान की वापसी	-	-	-	7,362	12,50,000	12,57,362	-
शेष	4	6,71,83,682	14,11,05,452	-	-	20,82,89,138	21,12,50,424
घटायें : अप्रयुक्त व्यय (ख)	4	50,56,510	37,98,653	-	-	88,55,167	2,81,03,496
शेष राशि आय और व्यय खाते में अग्रेनीत (ग)	-	**6,21,27,172**	**13,73,06,799**	-	-	**19,94,33,971**	**18,31,46,928**

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. ब्याज		
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र	-	-
2. सावधि जमा पर ब्याज		
क. केनरा बैंक में सावधि जमा पर ब्याज	12,34,403	8,17,938
ख. आई.सी.आई.सी.आई. - सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	-	-
ग. आई.सी.आई.सी.आई. - प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज	-	-
घ. आई.सी.आई.सी.आई. - प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज	-	-
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	-	-
च. आई.सी.आई.सी.आई. - एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज	-	-
छ. केनरा बैंक-आंतरिक रसीद में सावधि जमा पर ब्याज	-	-
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)	-	-
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज	-	-
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज	-	-
5. अन्य (सी.पी.एफ.)	-	-
कुल	**12,34,403**	**8,17,938**
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि		
शेष	**12,34,403**	**8,17,938**

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
क. केनरा बैंक	5,13,654	4,60,223
ख. एम.एस.जे.ई.	–	–
2.		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	–	–
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	–	748
ख. अन्य	–	–
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
क. प्रतिभूति जमा	25,883	21,315
ख. देनदारों से प्राप्त ब्याज	–	–
ग. टी.डी.एस. पर प्राप्त ब्याज	3,000	8,074
कुल	**5,42,537**	**4,90,360**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. स्थल बुकिंग रसीद	18,56,293	2,46,500
2. लाईसेंस शुल्क	93,182	68,740
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क	-	-
4. वसूले गये बिजली बिल	-	
5. वसूला गया जल शुल्क	1,246	
6. छात्रावास के लिए प्राप्त किया गया शुल्क	-	-
कुल	**19,50,721**	**3,15,240**
ख. संस्थान के प्रकाशन की बिक्री	**-**	**-**
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति	-	-
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	-	-
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां	-	-
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	-	-
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	-	-
घटाएं - शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)	-	-
कुल	-	**-**
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	-	-
2. जनसूचना अधिकार शुल्क	32	120
3. रॉयल्टी से आय	-	-
4. प्रवेश प्रपत्र की बिक्री	61,130	44,300
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	-	-
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	-	-
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां	-	-
ख. नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-	-
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान	-	-
8. अन्य	24,87,269	12,16,836
9. गत अवधि की आय	-	-
10. ट्राई (TRAI) से वसूली	-	-
11. CGHS कर्मचारी	2,13,300	2,14,450
12. CGHS पेंशनर्स	4,33,450	3,71,600
13. कर्मचारियों के वेतन से वसूली	99,973	32,681
14. सामान्य वसूली	-	-
15. सदस्यता शुल्क	9,58,700	3,54,480
कुल	**42,53,854**	**22,34,467**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**62,04,575**	**25,49,707**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. शैक्षिक प्राप्तियां	-	-
2. निवेश से आय	-	-
3. अर्जित ब्याज	-	-
4. अन्य आय	2,001	36,380
कुल	**2,001**	**36,380**

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क. वेतन एवं मजदूरी	8,14,14,682	5,45,72,835
ख. भत्ते एवं बोनस	10,89,744	2,59,88,953
ग. एल.टी.सी. सुविधा	1,49,577	3,77,500
उप-जोड़	**8,26,54,003**	**8,09,39,288**
घ. भविष्य निधि में योगदान	-	-
ङ. एनपीएस में योगदान	27,13,248	39,79,299
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	-	-
छ. सेवानिवृत्ति लाभ	5,56,98,976	(2,25,36,087)
ज. चिकित्सा सुविधा	55,48,121	45,65,851
झ. संतान शिक्षा भत्ता	6,59,847	14,85,000
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता	-	-
ट. मानदेय	-	-
ठ. छुटी वेतन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी बकाया	-	37,97,147
ड. सहायक लेखा अधिकारी की सेवानिवृत्ति पेंशन योगदान	-	29,521
उप-जोड़	**6,46,20,192**	**(86,79,269)**
जोड़	**14,72,74,195**	**7,22,60,019**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ (31.03.2024)

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2023 को प्रारम्भिक शेष	**94,70,60,559**	**5,85,42,154**	**3,41,88,821**	**1,03,97,91,534**
ख. घटायें : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ मासिक पेंशन सहित	4,59,50,485	1,10,05,353	58,68,745	6,28,24,583
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण	–	–	–	–
ग. शेष उपलब्ध	**90,11,10,074**	**4,75,36,801**	**2,83,20,076**	**97,69,66,951**
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2024 को तुलन पत्र में अपेक्षित प्रावधान	**94,20,87,719**	**5,63,94,309**	**3,41,83,899**	**1,03,26,65,927**
ड़. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग) आय और व्यय खाते में	**4,09,77,645**	**88,57,508**	**58,63,823**	**5,56,98,976**

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क. प्रयोगशाला व्यय	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना	–	–
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	1,39,78,336	67,40,623
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	–	–
ड़. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा	–	–
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	11,12,250	5,220
छ. दाखिला व्यय	–	–
ज. दीक्षांत व्यय	–	–
झ. प्रकाशन	–	–
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा	–	–
ट. अभिदान व्यय	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	8,96,304	5,35,234
ड. पुरस्कार वितरण व्यय	–	–
कुल	**1,59,86,890**	**72,81,077**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क. आधारभूत संरचना		
क. बिजली	72,65,535	65,54,122
ख. जल शुल्क	94,731	2,06,151
ग. बीमा		-
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)		-
ख. संचार		
ङ. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	9,834	15,342
च. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	3,88,517	3,58,783
ग. अन्य		
छ. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	8,39,694	6,83,436
ज. यात्रा तथा परिवहन व्यय	71,905	82,113
झ. हॉस्टल मेस शुल्क	2,08,207	16,63,051
ञ. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	1,75,720	3,31,600
ट. व्यवसायिक प्रभार	6,73,924	4,69,090
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	99,411	26,700
ड़. पत्रिकाएं एवं जरनल	667	15,648
ढ. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार	-	-
ण. गैर-अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय	-	-
त. अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय	-	-
थ. स्थानांतरण टी.ए./डी.ए. व्यय	-	-
द. कार्यशाला अभिलेखागार और उपकरणों पर व्यय	-	-
ध. विविध कार्यालयी व्यय	4,14,111	6,58,014
न. बागवानी व्यय	-	-
प. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	55,394	2,83,171
फ. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	2,08,98,071	1,99,71,756
ब. परिसर का सौंदर्यीकरण	16,28,630	-
भ. अतिथि गृह/आवास व्यय	-	-
म. आंतरिक प्राप्तियां व्यय	-	-
य. मिनी ट्रेन चलाने से संबंधित खर्चे	1,16,578	53,701
र. बा.भ.के. व्यय	-	-
ल. बा.भ.के. परियोजना व्यय	-	-
कुल	**3,29,40,929**	**3,13,72,678**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)	-	-
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	-	-
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	-	-
ग. बीमा व्यय	-	-
घ. कार पार्किंग व्यय	-	-
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन	-	-
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय	-	-
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	-	-
कुल	-	-

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क. भवन	13,95,915	10,43,061
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	93,929	2,23,034
ग. पौधे एवं मशीनरी	-	-
घ. कार्यालय उपकरण	58,412	1,78,918
ड. संगीत/वाद्य यंत्र	-	-
च. दृश्य श्रव्य उपकरण	2,35,778	79,726
छ. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	3,06,493	2,76,770
ज. उपकरण	-	-
झ. बागवानी	1,73,005	1,16,468
ञ. बिजली का सामान	17,08,493	9,18,307
ट. अन्य (मरम्मत)	7,56,280	6,10,887
ठ. मिनी ट्रेन	1,01,963	1,58,237
कुल	**48,30,268**	**36,05,408**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क. बैंक शुल्क	36,442	30,370
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	**36,442**	**30,370**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	–	–
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	–	–
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	–	–
घ. आयकर का भुगतान	–	4,98,726
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि	–	–
कुल	–	**4,98,726**

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2023-24	2022-23
1. स्थापना व्यय	–	–
2. शैक्षिक व्यय	–	–
3. प्रशासनिक व्यय	–	–
4. परिवहन व्यय	–	–
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
6. अन्य व्यय	28,09,929	15,40,828
कुल	**28,09,929**	**15,40,828**

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2024 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2023-24	2022-23	परिसंपत्तियां	2023-24	2022-23
पूंजीगत लेखा			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	4,08,37,050	5,15,64,448
प्रारंभिक शेष	(63,46,701)	(43,70,938)	सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
व्यय पर आय की अधिकता	(17,48,376)	(19,75,763)	जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
अंतिम शेष	**(8,09,50,77)**	**(63,46,701)**			
ऋण (देयता)					
सामान्य भविष्य निधि					
01.04.2023 को आरंभिक शेष	6,51,15,161	6,43,80,830	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	38,322	23,632
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	80,37,500	92,26,000			
जोड़ें : ब्याज	33,80,590	43,94,601	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	2,55,63,872	1,28,86,270	हाथ रोकड़	-	-
अंत शेष	**5,09,69,379**	**6,51,15,161**	बैंक खाते	17,69,641	64,72,323
			टी.डी.एस.	-	4,78,268
अंशदायी भविष्य निधि			मुख्य से वसूली योग्य राशि	-	-
01.04.2022 को आरंभिक शेष	-	-			
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	-	-			
जोड़ें : ब्याज	-	-			
घटाएं : आहरण (वापसी)	-	-			
अंत शेष	-	-			
मुख्य को देय राशि	500	-			
कुल अग्रेनीत	**4,28,74,802**	**5,87,68,460**	**कुल**	**4,28,74,802**	**5,87,68,460**

सीमा	राजेश चतुर्वेदी	मुकेश गुप्ता	
तैयार किया गया	सहायक लेखा अधिकारी	उप-निदेशक (प्रशा.)	निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2023-24	2022-23	आय	2023-24	2022-23
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	38,49,081	44,85,644	सावधि जमा पर ब्याज (सकल)	25,12,378	23,98,342
बैंक प्रभार	1,009	333	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	67,604	99,047
			टीडीएस वापसी पर ब्याज	-	12,825
टीडीएस परिसंपत्ति को बट्टे खाते में डालना	4,78,268	-			
व्यय पर आय की अधिकता	-	-	आय पर व्यय की अधिकता	17,48,376	19,75,763
कुल	**43,28,358**	**44,85,977**	**कुल**	**43,28,358**	**44,85,977**

तैयार किया गया | सहायक लेखा अधिकारी | उप-निदेशक (प्रशा.) | निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2023-24	2022-23	अदायगियां	2023-24	2022-23
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	64,72,323	27,04,067	जी.पी.एफ. से आहरण	2,55,63,872	1,28,86,270
प्राप्त अंशदान			सी.पी.एफ. से आहरण		
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	80,37,500	92,26,000	**प्रत्यक्ष व्यय**		
सीपीएफ अंशदान			जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	4,68,491	91,043
कर्मचारी सदस्यता	-	-	सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	-	-
बोर्ड का योगदान	-	-	बैंक प्रभार	1,009	333
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	67,604	99,047	**निवेश**		
मियादी जमा पर ब्याज (निवल)	3,33,974	1,66,918			
टीडीएस वापसी पर ब्याज	-	12,825	केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	-	-
विविध वसूली	-	-			
परिपक्व एफ.डी.आर.			विजया बैंक में एफ.डी.आर.	-	-
1. केनरा बैंक	1,28,91,112	61,69,582			
2. विजया बैंक	-	-	मुख्य को देय राशि	-	-
3. आई.डी.बी.आई. बैंक	-	-			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
मुख्य को देय राशि	500	4,09,970	बैंक	17,69,641	64,72,323
अन्य प्राप्तियां/टीडीएस वापसी	-	6,61,560			
कुल	**2,78,03,013**	**1,94,49,969**	**कुल**	**2,78,03,013**	**1,94,49,969**

सीमा
तैयार किया गया

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2024 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2023-24	2022-23	परिसंपत्तियां	2023-24	2022-23
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,72,659.00	1,67,741.00	बैंक में शेष	1,74,557	1,72,659.00
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	1,898.00	4,918.00			
अंत: शेष	**1,74,557.00**	**1,72,659.00**			
कुल	**1,74,557.00**	**1,72,659.00**		**1,74,557**	**1,72,659.00**

तैयार किया गया	सहायक लेखा अधिकारी	उप-निदेशक (प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2023-24	2022-23	आय	2023-24	2022-23
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	590	-	केनरा बैंक से	2,488.00	4,918.00
एन.एस.डी.एल.	-	-			
			प्राप्त अंशदान		
			कर्मचारियों से	-	-
			नियोक्ता से	-	-
व्यय पर आय की अधिकता	1,898.00	4,918.00			
कुल	**2,488.00**	**4,918.00**	**कुल**	**2,488.00**	**4,918.00**

तैयार किया गया | सहायक लेखा अधिकारी | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2023-24	2022-23	अदायगियां	2023-24	2022-23
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल.		
बैंक	1,72,659	1,67,741			
प्राप्त अंशदान			**अंशदान का भुगतान**		
कर्मचारियों का अंशदान	19,30,847	18,25,934	कर्मचारियों का अंशदान	19,30,847	18,25,934
नियोक्ता का अंशदान	27,03,167	25,56,336	नियोक्ता का अंशदान	27,03,167	25,56,336
			बैंक प्रभार	590	-
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	2,488	4,918			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,74,557	1,72,659
कुल	**48,09,161**	**45,54,929**	**कुल**	**48,09,161**	**45,54,929**

तैयार किया गया	सहायक लेखा अधिकारी	उप-निदेशक (प्रशा.)	निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यतः इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा जी.पी.एफ. एन.पी.एस. तथा मुख्य खाता आदि के लिए अलग-अलग लेखे तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंर्तगत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोद्भूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।
2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।
3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 18.23 लाख रुपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2024 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।
4. 31.03.2024 तक के संबंध में अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) के अनुसार 102.91 लाख रुपये की अग्रिम राशि सीपीडब्लूडी को चुकायी गई है। (जो कि पिछले वर्ष 311.55 लाख रुपये थी)।
5. चालू वर्ष में 36,380/- रुपये की पूर्व अवधि आय और 24.39 लाख रुपये की पूर्व अवधि व्यय को निर्धारित किया गया है।
6. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु रा.बा.भ. को एम.एस.जे.ई. द्वारा राशि प्राप्त हुई है। 31.03.2024 तक ब्याज सहित 53.54 लाख रुपये (पिछले वर्ष 51.76 लाख रुपये) इस परियोजना के लिए रा.बा.भ. के केनरा बैंक खाते में जमा है। एमएसजेई को देय राशि (ब्याज सहित) के संबंध में खाते में प्रावधान है।
7. 8,759 रुपये की राशि को शेष राशि के रूप में दिखाई गई है जो कि काफी समय से जम्मू एंड कश्मीर बैंक में है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है बैंक शाखा कश्मीर में थी एवं अभी इसका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इसे बट्टे-खाते में डाला जाये।
8. 3,71,575/- रुपये के विविध देनदारों (अनुसची-7) का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जैसा कि 5 वर्षों से भी अधिक समय से राशि बकाया है, अतः इस संबंध में यह सलाह दी जाती है कि यदि उक्त की वसूली नहीं हो सकती है तब शेष राशि को बट्टे खाते में डाला जाये।
9. वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए शिक्षा मंत्रालय को देय ब्याज के लिए प्रावधान किया गया है।
10. पिछले वर्ष के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा आयोजित वायु सेना गतिविधि के मामले में यह पाया गया है कि लगभग 57,340 रूपये (आंतरिक रसीदों) के खर्चे थे जिनका वायु सेना को भेजे गए अंतिम बिल में अधिकृत व्यक्ति द्वारा दावा नहीं किया गया था। ये खर्चे छात्रवास को सूचित किए बिना ही स्वयं कार्यक्रम अनुभाग द्वारा व्यय किये गये। राजस्व की किसी भी हानि से बचने के लिए सभी खर्चों को एक साथ समेकित किया जाना चाहिए और कार्यकलाप से संबंधित उत्तरदायी व्यक्ति को पहले से सूचित किया जाना चाहिए।
11. सीएजी लेखा परीक्षा दिनांक 24.08.23 की रिपोर्ट के अनुसार 1980-83 की अवधि से संबंधित सरकारी प्रतिभूतियों में 2.13 लाख रूपये तथा जीपीओ, नई दिल्ली के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) खाते में 16,759/- रूपये के निवेष के संबंध में उनके द्वारा एक प्रेक्षण प्रदान किया गया है। इसे सीएजी लेखा परीक्षकों द्वारा सत्यापित किया जा सकता है क्योंकि संबंधित रिकॉर्ड लेखापरीक्षा के लिए उपलब्ध नहीं कराया गया था।

राष्ट्रीय बाल भवन ने कहा कि रिकार्ड का पता नहीं चल पा रहा है। लेखा परीक्षकों ने इस राशि को बट्टे खाते में डालने का सुझाव दिया है, हालांकि इस संबंध में 2011-12 के बाद से प्रबंधन बोर्ड द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

12. सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) में बकाया 4,78,268/- रूपये के टीडीएस को पिछले वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाला गया है। यह टीडीएस वित्त वर्ष 2014-15 (3,96,708 रूपये), वित्त वर्ष 2015-16 (1 रूपये) और वित्त वर्ष 2016-17 (81,559 रूपये) का है। चूंकि इन वर्षो में कोई आयकर मामला लंबित नहीं है और कोई राशि वसूली योग्य नहीं है, इसे भी बही-खाता के बट्टे खाते के शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया गया है।
13. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/ विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/ रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।
14. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यतः वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।
15. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुनः समूहन किया गया है।
16. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रुपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

तैयार किया गया	सहायक लेखा अधिकारी	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट
2023-24

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली–110 002
Indraprastha Estate, New Delhi-110002

सत्यमेव जयते

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-44/2024-25/ - दिनाँक: 25.11.2024

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
शिक्षा मंत्रालय,
विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2023-24 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदया/महोदय,

मैं, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2023-24 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करता हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2023-24 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीय,

संलग्नक:यथोपरि

-SD-

निदेशक (ए.एम.जी-III)

Ph. :+ 91-11-23454100
Fax :+ 91-11-23702271
DGACR Building, I.P. Estate, New Delhi-110002
E-mail : dgace@cag.gov.in

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-44/2024-25/1008 दिनाँक: 25.11.2024

प्रति,प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक,राष्ट्रीय बाल भवन,कोटला रोड,नई दिल्ली 110002 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए |

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए,जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे,इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए |

संलग्नक: यथोपरि

निदेशक (ए.एम.जी-III)

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-44/2024-25/- दिनाँक: 25/11/2024

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित प्रधान निदेशक (स्वायत्त निकाय), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय व्यय) के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है |

संलग्नक: यथोपरि

- SD -

निदेशक (ए.एम.जी-III)

राष्ट्रीय बाल भवन, नयी दिल्ली के 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (रा.बा.भ.) की 31 मार्च 2024 की स्थितिनुसार इसकी आय, व्यय खातों/प्राप्तियाँ एवं भुगतान की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2027-28 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों के अनुपालन, लेखांकन मानदण्डों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन व्यवहार्यता आदि पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ अन्तर्विष्ट है। विधि, नियम एवं विनियम (प्रापराईटी एवं नियमितता) के अनुपालन एवं दक्षता-सह-कार्यनिष्पाय के सम्बंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से संसूचित किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानदण्डों के अनुरूप संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस अतिज्ञान का वित्तीय विवरणियाँ सारवान दुष्कथन से मुक्त है, इस आशय का उचित आश्वासन हासिल करने के लिए हम अंकेक्षक की आयोजना और इस निष्पादन करते है। किसी भी लेखा परीक्षा में राशियों का अनुसमर्थन करने वाले साक्ष्यों एवं वित्तीय विवरणियों के तथ्यों का परिक्षण आधार पर पड़ताल करना शामिल है। लेखा परीक्षा में लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ-साथ प्रबन्धन द्वारा किया गया पर्याप्त मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारी राय के लिए पर्याप्त आधार विद्यमान रहता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते है कि :-

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण हासिल कर लिए, जो कि हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोगनार्थ आवश्यक थे और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार है।

(ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाता भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार किए गए है।

(iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा समुचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकार्डों का रख-रखाव किया गया है, जहाँ तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से ज्ञात हुआ है।

(iv) हम यह भी रिपोर्ट करते है कि :-

क. तुलन पत्र

क.1 परिसम्पत्तियाँ

क.1.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - 10.07 करोड़ रुपये

(i) भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया गया है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नहीं की जा सकी है। यह विसंगति 2012-13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है।

इसके अतिरिक्त परिसम्पत्ति रजिस्टर में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल को भी अलग से फ्री होल्ड और फ्री लीज के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

ख. सामान्य

ख.1 1980-83 की अवधि के संबंध में सरकारी प्रतिभूतियों में 2.13 लाख रुपए निवेश का और जी.पी.ओ., नई दिल्ली के जी.पी.एफ. खाते से 16759 रुपयों का सत्यापन नहीं किया जा सका है क्योंकि संबंधित रिकॉर्ड लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं किया गया था। 2011-12 से इस संदर्भ का बार-बार उल्लेख किया गया है। परन्तु प्रबंधन द्वारा इसे बट्टे-खाते में डालने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। परिणामस्वरूप जी.पी.एफ. के परिसम्पत्ति और पूंजीगत लेखा में 2.30 लाख रुपए का अधिक विवरण परिलक्षित होता है।

ख.2 राष्ट्रीय बाल भवन खाते में नोट्स (अनुसूची-24 अंक 7 और 8) इंगित करता है कि निम्नलिखित राशि को बट्टे खाते में डाल दिया जाना आवश्यक है।

(i) जे. एण्ड के. बैंक के पास शेष राशि के रूप में 8,759 रुपये हैं जो ट्रेस करने योग्य नहीं है, और

(ii) विविध देनदार से 3.71 लाख रुपये (अनुसूची-7) की वसूली नहीं हो पाई है।

हालांकि, रा.बा.भ. ने उपरोक्त राशि को लेखा से बट्टे-खाते में डाल दिया है। यह बात 2017-18 से बताई जा रही है।

ख.3 राज्य बाल भवन / बाल केंद्रों से उपयोग प्रमाण पत्र के प्राप्त न होने के कारण वर्ष 2012-13 से 2021-22 की अवधि के दौरान ऋण, अग्रिम और जमा में से (अनुसूची-8) राज्य बाल भवनों / बाल केंद्रों को दी गई 18.28 लाख रु. की राशि आज की तारीख 31.03.2024 में बकाया है। खाते को अंतिम रूप देने से पूर्व उपयोग प्रमाण पत्र को तत्काल प्राप्त की जानी चाहिए जिससे कि व्यय वर्ष के व्यय को लाभ एवं व्यय खाते में दर्शाया जा सके और उसे खाते में अग्रमि राशि के रूप में न दर्शाया जाये। इस संबंध में वर्ष 2013-14 से निर्देश दिए गये हैं परंतु अधिक राशि के कारण अभी तक उपयोग प्रमाण पत्र विचाराधीन है।

ग. सहायता अनुदान

राष्ट्रीय बाल भवन को वर्ष 2023-24 के दौरान शिक्षा मंत्रालय से 1904.43 लाख रुपये (पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए अनुदान रुपये 90.00 लाख और आवर्ती अनुदान रुपये 1814.43 लाख) का अनुदान प्राप्त हुआ। इसमें पिछले वर्ष की रुपये 281.03 लाख (पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए अनुदान रुपये 12.50 लाख और आवर्ती अनुदान रुपये 268.53 लाख) की अप्रयुक्त राशि थी। रुपये 2185.46 लाख की कुल निधि में से, राष्ट्रीय बाल भवन ने रुपये 2084.34 लाख (पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए अनुदान रुपये 90.00 लाख और आवर्ती अनुदान रुपये 1994.34 लाख) का उपयोग किया और मंत्रालय को रुपये 12.57 लाख वापस कर दिए, जिससे रुपये 12.57 लाख की शेष राशि रह गई। 31 मार्च 2024 तक रुपये 88.55 लाख (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान रुपये 0.00 और आवर्ती अनुदान रुपये 88.55 लाख)।

घ. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन के संज्ञान में लाई गई है।

(v) विगत पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां व भुगतान लेखा बहियों के अनुसार है।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार पिछले पैराग्राफों में ऊपर चर्चा की गई टिप्पणियों के प्रभाव के कारण वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों और अन्य के साथ मिलकर पढ़े जाते हैं। इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित मामले भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते है:

क. जहाँ तक 31 मार्च 2024 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन की स्थिति पर तुलन पत्र का सम्बंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में कमी का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

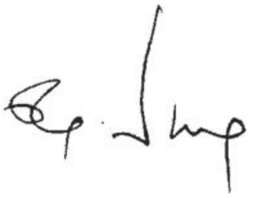

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 25.11.2024

महानिदेशक लेखा परीक्षा
(केन्द्रीय व्यय)

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- राष्ट्रीय बाल भवन में अपना कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नहीं है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुयल भी नहीं है।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणवश अपर्याप्त है :-

- राज्य बाल भवन/बाल केंद्रों को दिए गए अग्रिमों के संबंध में उनसे उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं किया गया।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्थायी परिसम्पत्तियों के साथ पुस्तकों एवं प्रकाशनों की प्रत्यक्ष सत्यापन मार्च 2024 तक किया गया।

4. माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य मदों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन मार्च 2024 तक किया गया।

5. देयताओं के भुगतान में नियमितता

- खातों के अनुसार, 31.03.2024 तक वैधानिक बकाया राशि के संबंध में छह महीने से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''